विश्व का सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अखबार

दैनिक जागरण

www.dainikjagranmpcg.com

वर्ष 68 अंक 342 पृष्ठ 12

भोपाल, मंगलवार 09 सितंबर, 2025

आश्विन कृष्ण पक्ष 02, विक्रम संवत् 2082

महानगर मूल्य 5 रुपए

जब अमीर और ताकतवर लोग गरीब और कमजोर लोगों की कीमत पर खुद को और अधिक संपन्न और सशक्त बनाने के लगें, तो हमारे पास सार्वभौमिक स्वतंत्रता के नाम पर विरोध दर्ज करने की जिम्मेदारी है।

– नेल्सन मंडेला

ऑफ बीट

बढ़ती-घटती रहती है एफिल टॉवर की हाइट

लोहे से बना यह टावर फ्रांस की राजधानी पेरिस में सीन नदी के किनारे स्थित है। ये सन् 1887 से 1889 के बीच बना था। एफिल टावर को गुस्ताव एफिल ने बनाया था। गर्मियों में पेरिस के एफिल टॉवर की हाइट बढ़ जाती है और सर्दियों में ये हाइट कम हो जाती है। दरअसल, गर्मियों के मौसम में एफिल टावर की हाइट 15 सेंटीमीटर, लगभग 6 इंच, बढ़ जाती है। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि एफिल टावर पूरा का पूरा लोहे से बना है और गर्मियों के मौसम में ज्यादा गर्मी पड़ने से धातुएं फैलती हैं। जिसे हम थर्मल एक्सपेंशन कहते हैं। इसके पीछे का साइंस यह कहता है कि गर्मी के मौसम में तापमान के बढ़ने से धातु के परमाणु तेजी से हिलते हैं, जिससे उनके बीच की दूरी बढ़ जाती है और धातु फैलने लगते हैं; ऐसे में टावर की ऊंचाई लगभग 15 सेंटीमीटर तक बढ़ जाती है।

एशिया कप आज से, टीम इंडिया का मुकाबला कल

दुबई, जेएनएन। एशिया कप की शुरुआत मंगलवार 9 सितंबर से होने जा रही है। भारत की मेजबानी में यूएई में खेले जा रहे इस टी-20 टूर्नामेंट में कुल आठ टीमों को दो ग्रुप में बांटा गया है। भारत के साथ ग्रुप-ए में पाकिस्तान, ओमान और यूएई शामिल है। टूर्नामेंट का पहला मैच अबू धाबी में अफगानिस्तान और हांगकांग के बीच रात आठ बजे से खेला जाएगा, जबकि भारत अपने अभियान की शुरुआत 10 सितंबर से यूएई के खिलाफ करेगा।

(विस्तृत खबर खेल पेज पर)

सोशल मीडिया बैन से भड़की आग, भ्रष्टाचार विरोध तक पहुंची, गृहमंत्री ने दिया इस्तीफा | 22 मौतों के बाद इंटरनेट किया बहाल, तोड़फोड़ करने वालों को देखते ही गोली मारने के आदेश

नेपाल में 'जेन जी' विद्रोह

ऐतिहासिक: करीब 12 हजार युवा नेपाली संसद के गेट पर पहुंच गए। यह पहली बार है जब संसद भवन की सुरक्षा दीवारें टूट गईं। सुरक्षाबलों ने आंसू गैस, लाठीचार्ज और सीधी फायरिंग की।

सोशल मीडिया सेवाएं बहाल

शाम होते-होते नेपाल सरकार ने सोशल मीडिया सेवाएं बहाल कर दीं। दोपहर 3.15 बजे से फेसबुक, यूट्यूब, इंस्टाग्राम और बाकी सभी प्लेटफॉर्म बिना वीपीएन चलने लगे। लेकिन प्रदर्शनकारी मानते हैं कि यह आंदोलन सिर्फ इंटरनेट बहाली के लिए नहीं है, बल्कि भ्रष्टाचार, महंगाई और मनमानी शासन प्रणाली के खिलाफ है।

भारत के लिए चिंताएं कम नहीं

नेपाल में यह हिंसक उबाल भारत के लिए भी चिंता का विषय है। तराई क्षेत्र और भारत की खुली सीमा पर कर्फ्यू से दोनों देशों के बीच आवागमन प्रभावित हो सकता है। नेपाल में लंबे समय से राजनीतिक अस्थिरता बनी हुई है, और अब जब युवा पीढ़ी सड़कों पर है, तो इसका असर सीमा पार के इलाकों में भी देखने को मिल सकता है। भारत नेपाल का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार और रणनीतिक पड़ोसी है। अगर असंतोष लंबा खिंचता है, तो भारतीय निवेशकों और व्यवसायों पर सीधा असर पड़ेगा। भारत सरकार ने अब तक स्थिति पर आधिकारिक बयान नहीं दिया है, लेकिन दक्षिण ब्लॉक में इसे गहराई से मॉनिटर किया जा रहा है। नेपाल की राजनीतिक अस्थिरता से चीन को फायदा हो सकता है, जो वहां आर्थिक और रणनीतिक दखल बढ़ाने की कोशिश करेगा।

क्या है जेन जी: जेन जी वह पीढ़ी है जो लगभग 1997 से 2012 के बीच पैदा हुई। इसे डिजिटल जेनरेशन कहा जाता है, क्योंकि यह इंटरनेट, स्मार्टफोन और सोशल मीडिया के दौर में पली-बढ़ी। इनकी सोच खुली, तकनीक-आधारित और बदलाव की ओर झुकी मानी जाती है। यह पीढ़ी पारदर्शिता और अभिव्यक्ति की आजादी को अहम मानती है।

काठमांडू, जेएनएन। नेपाल में सोशल मीडिया बैन के खिलाफ उठी युवाओं की आवाज अब बड़े राजनीतिक और सामाजिक संकट में बदल चुकी है। राजधानी काठमांडू समेत सात बड़े शहरों में हिंसक विरोध-प्रदर्शन ने पूरे देश को हिला दिया है। अब तक 22 लोगों की मौत हो चुकी है और 400 से अधिक लोग घायल हैं। हालात काबू से बाहर होते देख काठमांडू प्रशासन ने तोड़फोड़ करने वालों को देखते ही गोली मारने के आदेश जारी कर दिए। इसी बीच गृह मंत्री रमेश लेखक ने इस्तीफा देकर पूरे घटनाक्रम की जिम्मेदारी अपने सिर ली है।

नेपाल सरकार ने 3 सितंबर को फेसबुक, इंस्टाग्राम, यूट्यूब और व्हाट्सऐप समेत 26 सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर बैन लगा दिया था। सरकार का कहना था कि इन कंपनियों ने रजिस्ट्रेशन और डेटा-साझेदारी से जुड़े नियमों का पालन नहीं किया। 28 अगस्त को आदेश जारी कर इन्हें 7 दिन की मोहलत दी गई थी, जो 2 सितंबर को खत्म हो गई। टिकटॉक और वाइबर जैसी कंपनियों ने नियम मान लिए, इसलिए वे चालू रहीं, लेकिन बाकी प्लेटफॉर्म ब्लॉक कर दिए गए। यह फैसला युवाओं के गुस्से की वजह बना। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि सरकार भ्रष्टाचार रोकने के बजाय उनकी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर हमला कर रही है।

हिंसा में 22 लोगों की मौत हो चुकी है। इटहरी, झापा, पोखरा, चितवन, बुटवल और विराटनगर जैसे शहरों से भी मौतों और घायलों की खबर आई है। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने 14 मौतों की पुष्टि की है और कहा है कि सरकार को मृतकों के परिवारों को मुआवजा देना चाहिए तथा घायलों का मुफ्त इलाज सुनिश्चित करना चाहिए। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि पुलिस ने घुटनों से ऊपर निशाना साधकर अंधाधुंध गोलीबारी की। प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने साफ कर दिया है कि सोशल मीडिया पर बैन हटाने का सवाल ही नहीं उठता। कैबिनेट बैठक में उन्होंने कहा कि सरकार को 'जनरेशन-जी के उपद्रवियों' के आगे ■ शेष पृष्ठ 9 पर

संसद की दीवार फांदकर घुसे 12 हजार प्रदर्शनकारी

सोमवार को सुबह से ही काठमांडू में प्रदर्शनकारी जुटने लगे। देखते ही देखते करीब 12 हजार युवा संसद भवन तक पहुंच गए। सरकार के आदेशों की परवाह किए बिना युवाओं ने संसद भवन के गेट नंबर 1 और 2 पर कब्जा कर लिया। पुलिस ने उन्हें रोकने के लिए आंसू गैस, वॉटर कैनन और रबर की गोलियों का इस्तेमाल किया। लेकिन भीड़ बैरिकेड्स तोड़कर, गेट और दीवारें फांदकर परिसर में घुस गई। युवाओं ने संसद परिसर में गाड़ियों पर चढ़कर नारेबाजी की, वहीं कई ने वाहनों और सड़क किनारे खड़ी कारों को आग के हवाले कर दिया।

गृह मंत्री का इस्तीफा

स्थिति बिगड़ते देख गृहमंत्री रमेश लेखक ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। कैबिनेट ने उनका इस्तीफा स्वीकार कर लिया। लेखक ने कहा कि हिंसक झड़पों में मौतों की नैतिक जिम्मेदारी उनकी है। इससे पहले नेपाली कांग्रेस के वरिष्ठ नेता गोविंदा राज पोखरेल ने उनकी बर्खास्तगी की मांग की थी।

सात शहरों में कर्फ्यू: काठमांडू के अलावा बीरगंज, भैरहवा, बुटवल, पोखरा, इटहरी और दमक में कर्फ्यू लगाया गया है। बड़े नेताओं के आवासों और पार्टी दफ्तरों के आसपास भी सुरक्षा बढ़ाई है। यूएमएल और नेपाली कांग्रेस के मुख्यालयों को भी सुरक्षा घेरे में ले लिया गया है।

परीक्षाओं पर असर: सरकार ने 9 से 11 सितंबर तक होने वाली सभी परीक्षाएं स्थगित कर दी हैं। देशभर में स्कूल और कॉलेजों को दो दिन के लिए बंद करने का आदेश जारी कर दिया गया है।

संक्षिप्त खबरें

मेट्रो के निरीक्षण के लिए तैयारियां तेज

जागरण संवाददाता, भोपाल। सितंबर में होने वाले कमिश्नर मेट्रो रेल सेफ्टी निरीक्षण से पहले एमपी मेट्रो रेल कॉरपोरेशन द्वारा तैयारियां तेज कर दी गई हैं। मंगलवार को एमपी मेट्रो रेल कॉरपोरेशन के एमडी एस कृष्ण चैतन्य सिविल कार्यों का जायजा लेने के लिए सुभाष नगर डिपो पहुंचे। इस दौरान डिपो में एडमिन बिल्डिंग मे कंट्रोल रूम, डिपो मेन गेट सिक्योरिटी एवं टाइम ऑफिस, फायर एनओसी जैसे कामों का जायजा लिया। साथ ही इन्स्पेक्शन-बे लाइन, रिपेयर बे लाइन, विभिन्न सिस्टम रूम, टेस्ट ट्रैक, ऑग्जिलियरी सब-स्टेशन, ट्रैक्शन सब-स्टेशन, प्रमुख सिस्टम के सभी काम तेजी से पूरे करने को कहा। डिपो रोड, रैम्प एरिया, अनलोडिंग-बे, बॉउन्ड्री वॉल, ट्रैनिंग बिल्डिंग, पम्प रूम के बचे हुए सिविल वर्क को भी इसी हफ्ते पूरा करने के निर्देश दिए। सिविल वर्क के साथ अंदर और बाहर सौंदरीयकर्ण के काम भी इसी हफ्ते करने को कहा है।

श्रमिक परिवारों के खातों में 175 करोड़ अंतरित

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 9 सितम्बर को मंत्रालय भोपाल में संबल योजना अंतर्गत, अनुग्रह सहायता के 7953 प्रकरणों में 175 करोड़ रूपये सिंगल क्लिक से हितग्राहियों के खातों में अंतरित करेंगे। पंचायत एवं ग्रामीण विकास एवं श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल भी उपस्थित रहेंगे। संबल योजना के अंतर्गत प्रारम्भ से अब तक 7 लाख 60 हजार 866 प्रकरणों में 7046 करोड़ रूपये से अधिक के हितलाभ वितरित किये जा चुके है। संबल योजना, प्रदेश में असंगठित क्षेत्र में कार्यरत लाखों श्रमिकों के लिए महत्वपूर्ण योजना है। अनुग्रह सहायता के अंतर्गत दुघर्टना में मृत्यु होने पर 4 लाख रूपये एवं सामान्य मृत्यु होने पर 2 लाख रूपये प्रदान किये जाते हैं। स्थायी अपंगता पर 2 लाख रूपये एवं आंशिक स्थायी अपंगता पर 1 लाख रूपये और अंत्येष्टि सहायता के रूप में 5 हजार प्रदान किये जाते हैं। संबल योजना में महिला श्रमिक को प्रसुति सहायता के रूप में 16 हजार, श्रमिकों के बच्चों को महाविद्यालय शिक्षा प्रोत्साहन योजना में उच्च शिक्षा का सम्पूंर्ण शिक्षण शुल्क राज्य सरकार द्वारा वहन किया जाता है।

सीएम मोहन यादव से मिले सिंगर मीका सिंह

भोपाल। मुख्यमंत्री मोहन यादव से गायक मीका सिंह मिले। मीका सिंह रविवार शाम को भोपाल पहुंचे, जहां उन्होंने डीबी सिटी मॉल की चौथी मंजिल पर स्थित स्टूडियो के मंच पर शानदार प्रदर्शन किया। उनके प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में प्रशंसक मौजूद थे और माहौल बहुत शानदार और जोशीला था। अगले दिन, सोमवार को, मिका सिंह ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मिलने के लिए समत्व भवन, मुख्यमंत्री के आधिकारिक आवास का दौरा किया। मुख्यमंत्री ने उन्हें शॉल पहनाकर सम्मानित किया और मध्य प्रदेश में उनका स्वागत किया। दोनों के बीच गर्मजोशी से बातचीत हुई। मीका सिंह ने मुख्यमंत्री से राज्य की सांस्कृतिक विरासत और संगीत के प्रति अपने लगाव के बारे में बात की।

बुंदेली समागम शुरू

भोपाल। स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह ने कहा है कि बुंदेली की संस्कृति और विरासत प्राचीनकाल से समृद्ध रही है। युवाओं को बुंदेली विरासत की जड़ों से जोड़ने में कामयाब होगा बुंदेली समागम। स्कूल शिक्षा मंत्री सिंह सोमवार को रवीन्द्र भवन में तीन दिवसीय बुंदेली समागम को संबोधित कर रहे थे। मंत्री सिंह ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों से भोपाल में बुंदेली समागम का आयोजन जनसामान्य में काफी लोकप्रिय हुआ है। समागम में युवाओं की बढ़ती भागीदारी प्रसन्नता का विषय है।

मंत्रियों की शिकायतों पर अब जल्द नहीं हटेंगे अफसर

पहल: अधिकारियों को हटाने की जगह मंत्रियों के साथ बनाया जाएगा तालमेल

विशेष संवाददाता, भोपाल। प्रदेश में मंत्रियों की शिकायतों पर अब विभागीय अधिकारियों को जल्द नहीं बदला जाएगा, अलबत्ता उनका मंत्रियों के साथ तालमेल बनाने के प्रयास किए जाएंगे। इसकी पहल मुख्य सचिव द्वारा की जाएगी। गौरतलब है कि पिछले दिनों कई मंत्रियों ने अपने विभाग के प्रमुख अधिकारियों की कार्यप्रणाली को लेकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सहित दूसरे फोरम तक में शिकायत की थी। इसके अलावा कई विधायकों और भाजपा से जुड़े दूसरे जनप्रतिनिधियों में भी ऐसे अधिकारियों को लेकर अंसतोष होने की बात सामने आई थी। जिस पर पिछले दिनों राज्य सरकार द्वारा कुछ अधिकारियों को बदला भी गया, लेकिन अब ऐसा नहीं होगा। मंत्रालय से जुड़े सूत्रों की मानें तो सरकार अधिकारियों के दायित्व बदलने से ज्यादा उनका विभागीय मंत्री के साथ बेहतर तालमेल बनाने का प्रयास करेगी। बताया गया है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव प्रशासनिक गलियारे में एक तरह का नवाचार करने की तैयारी कर रहे है। इसमें मंत्रियों और अधिकारियों के बीच परस्पर सामंजस्य बेहतर बनें और अधिकारियों को विभागीय

योजनाओं को जमीन तक मूर्त रुप देने के लिए समय मिल सके। जानकारों का कहना है कि सीएम विभाग प्रमुख अधिकारियों को बार-बार बदलने के पक्ष में नहीं है। उनका मानना है कि हमें अधिकारियों को समय देना होगा,तभी हम उनकी कार्यक्षमता का पता कर पाएंगे और उनसे परिणाम मांग सकेंगे। कई बार मंत्रियों और अधिकारियों के बीच किसी छोटे से मुद्दे पर एक राय नहीं बन पाती,जिससे उनके बीच दूरियां शुरु हो जाती है,जो शिकायतों तक पहुंचती है। इससे सबसे ज्यादा नुकसान विभागीय योजनाओं पर पड़ता है। जिसे रोकने के लिए नई पहल प्रारम्भ की जाएगी।

मंच से लेकर बैठकों तक में उठता है मामला

गौरतलब है कि मध्यप्रदेश में पिछले कुछ सरकारों के कार्यकाल के दौरान सार्वजनिक तौर पर अधिकारियों पर मंत्रियों की बात नहीं सुनने के मामले सामने आते रहे है। संघ से जुड़ी बैठकों और भाजपा संगठन की बैठकों में भी इस तरह के आरोप निर्वाचित जनप्रतिनिधियों और संगठन पर बैठे पदाधिकारियों द्वारा लगाए जाते रहे हैं। इससे जहां सरकार की किरकिरी हुई है, तो विपक्षी दलों ने भी सरकार और भाजपा को सियासी हमले किए है। जिससे पार्टी और सरकार की छवि प्रभावित हुई है। कहा जा रहा है कि इसे लेकर कई बार शीर्ष नेतृत्व सरकार और संगठन से ऐसी स्थिति से बचने की बात कह चुका है। लेकिन इस पर नियंत्रण नहीं लग पा रहा है।

एक-दूसरे का पूरक बनाने का प्रयास

मंत्रालय से जुड़े सूत्रों की मानें तो मुख्यमंत्री चाहते हैं कि विभागीय मंत्री और उनके अधिकारी एक दूसरे के पूरक बनें। दोनों का लक्ष्य अपनी योजनाओं को पूरी तरह से जमीन पर उतारने का हो। जानकारों का कहना है कि अब सप्ताह में विभागीय मंत्री अपने विभाग के अपर मुख्य सचिव या प्रमुख सचिव के साथ कम से कम दो घंटे अकेले में बैठकर विभागीय योजनाओं के बारे में मंत्रणा करेंगे और एक दूसरे के सुझावों का आदर करेंगे। इस बैठक में योजनाओं के साथ-साथ विभाग के दूसरे अधिकारियों और मैदानी अधिकारियों की कार्यप्रणाली को लेकर भी रिव्यू किया जाएगा। ऐसी बैठक कैबिनेट की बैठक से एक दिन पहले संभव हो सकती है।

सेवानिवृत्त इंजीनियरों की वार्षिक पेंशन वृद्धि निरस्त

विसं भोपाल। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग में अनुशासनहीनता और अनियमितताओं के मामलों में आयुक्त संकेत भोंडवे ने सख्त रुख अपनाया है। इसी क्रम में वर्ष 2022 में उज्जैन नगर पालिक निगम में भवन निर्माण अनुज्ञा जारी करने के मामले में अनियमितताएं सामने आने पर कार्रवाई की गई है। प्राप्त शिकायतों और जांच के आधार पर यह पाया गया कि तत्कालीन अधीक्षण यंत्री जीके कठिल एवं तत्कालीन कार्यपालन यंत्री एल. डी. दोराया द्वारा गंभीर अनियमितताएं की गई थीं। दोष सिद्ध होने के बाद दोनों अधिकारियों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की गई है। दोषी पाए गए दोनों अधिकारी वर्तमान में सेवानिवृत्त हो चुके हैं। मध्यप्रदेश राज्य नगरीय यांत्रिकी सेवा नियमों के अंतर्गत उनकी वार्षिक वेतनवृद्धि (पेंशन वृद्धि) को निरस्त कर दिया गया है। आयुक्त संकेत भोंडवे ने स्पष्ट किया है कि विभाग को प्राप्त होने वाली शिकायतों को गंभीरता से लिया जा रहा है।

सीएम ने गौसंवर्धन बोर्ड की बैठक में अधिकारियों को दिए लक्ष्य

विकसित करें स्वावलंबी गौशालाएं पशु चिकित्सकों की कमी होगी दूर

विशेष संवाददाता, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने कहा कि आत्मनिर्भर गौशालाओं से जहां राज्य की अर्थव्यवस्था मजबूत होती है, तो वहीं रोजगार भी उपलब्ध होते हैं। प्रदेश में स्वावलंबी गौशालाएं विकसित करने की दिशा में काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पशु चिकित्सकों की कमी को दूर करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। सीएम सोमवार को मंत्रालय में गौसंवर्धन बोर्ड की बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि प्रदेश में देसी नस्ल के गोपालन को प्रोत्साहित करने के लिए गिर, साहीवाल, मालवी और नागौरी नस्ल के पशुधन को प्रोत्साहित किया जाए. प्रदेश के जनजातीय अंचलों में भी गोपालन गतिविधियों को बढ़ाने के लिए आवश्यक नवाचार किए जाएं। उन्होंने कहा कि गौ-शालाएं गोबर, गोमूत्र जैसे अपशिष्ट से धन अर्जित किया जा सकता है. इसलिए स्वावलंबी गौशालाएं विकसित की जाये और इन गौशालाओं में दुग्ध उत्पादों सहित गोमूत्र-गोबर आदि से निर्मित सामग्री की बिक्री की व्यवस्था की जाए. उन्होंने गौशालाओं की खाली जगहों का उपयोग करके सौर ऊर्जा से विद्युत उत्पादन पर भी जोर दिया। डॉ. यादव ने कहा प्रदेश में पशुपालन-कृषि-उद्यानिकी तथा नवकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में समन्वित रूप से कार्य करने से किसानों की आय में भी वृद्धि होगी और दुग्ध उत्पादन की दिशा में भी प्रदेश, देश के शीर्षस्थ राज्यों में शामिल हो सकेगा। सीएम ने कहा कि प्रदेश में उपलब्ध पशुधन के अनुपात में पशु चिकित्सकों की संख्या कम है। गौवंश के बेहतर प्रबंधन और दुग्ध उत्पादन में वृद्धि के लिए पशु चिकित्सकों की संख्या में बढ़ोतरी आवश्यक है।

गौशाला समितियों के बैंक खातों में अंतरित की जा रही राशि

बैठक में जानकारी दी गई कि गौसंवर्धन बोर्ड द्वारा गौशाला समितियों के बैंक खातों में राज्य स्तर से सीधे राशि अंतरित की जा रही है। बोर्ड द्वारा 937 नवीन गौशालाओं की स्थापना उपरांत पंजीयन किया गया है, जिसमें एक लाख 10 हजार गौवंश को आश्रय प्राप्त है। वर्ष 2024-25 में विदिशा, देवास, आगर-मालवा, ग्वालियर, दमोह, सतना तथा रीवा में बायोगैस सह जैविक खाद निर्माण संयंत्र स्थापित किए गए। नगर निगम ग्वालियर, इंदौर तथा उज्जैन ने वृहद गौशालाओं का संचालन आरंभ किया गया है। भोपाल और जबलपुर में गौशालाओं की स्थापना का कार्य जारी है। बैठक में स्वावलंबी गौशालाओं की स्थापना की नीति की प्रगति पर भी समीक्षा हुई।

ग्रेड-2 अधिकारी की भर्ती कर रहा ईएसबी, जीएडी तक पहुंची शिकायत

कार्यालय संवाददाता, भोपाल। कर्मचारी चयन मंडल मप्र (ईएसबी) का विवादों से नाता नहीं छूट रहा है। मंडल पर भर्ती से पहले ही गड़बड़ी के आरोप लग गए हैं। शासन के विभिन्न विभागों के तृतीय श्रेणी के लिए भर्ती परीक्षा का आयोजन अक्टूबर में किया जाना है। भर्ती से पहले आया विज्ञापन विवादों में घिर गया है। इस विज्ञापन को लेकर अधिवक्ता जितिन राठौर ने सामान्य प्रशासन विभाग के अपर मुख्य सचिव और ईएसबी कंट्रोलर को आपत्ति दर्ज कराई है। राठौर ने ईएसबी पर नगर निगम भोपाल के सहायक यंत्रियों की अवैधानिक तरीके से भर्ती परीक्षा आयोजित करने का आरोप लगाया है। अपने आपत्ति पत्र में उन्होंने लिखा है कि ईएसबी द्वारा जारी विज्ञापन में तृतीय श्रेणी के पदों का उल्लेख करते हुए नगर निगम भोपाल में सहायक यंत्री (द्वितीय श्रेणी पद) के लिए भर्ती परीक्षा आयोजित की जा रही है। अधिनियम अनुसार ईएसबी सिर्फ तृतीय एवं चर्तुथ श्रेणी के पदों की भर्ती परीक्षा का आयोजन कर सकता है। इस विज्ञापन में अन्य विभागों के तृतीय श्रेणी के पद ही शामिल किये गये हैं, लेकिन नगर निगम भोपाल में ही द्वितीय श्रेणी के पदों पर परीक्षा आयोजित की जा रही है। नगरीय प्रशासन विभाग के जुलाई 2015 मई 2022 एवं दिसम्बर 2022 के राजपत्रों में भी भर्ती नियमों का हवाला दिया गया है। जिसमें द्वितीय श्रेणी के पद लोक सेवा आयोग एवं तृतीय/चतुर्थ श्रेणी के पद ईएसबी से भरे जाने का उल्लेख किया गया है। आवेदकों ने चेतावनी दी है कि ईएसबी द्वारा निगम भोपाल के सहायक यंत्री पद की भर्ती परिक्षा निरस्त नहीं की जाती है तो वे ईएसबी, सामान्य प्रशासन विभाग के खिलाफ कोर्ट जाएंगे।

20 आईपीएस के तबादले, धार और अशोकनगर में नए एसपी

चार डीआईजी को प्रमोशन के 9 माह बाद मिली नई पोस्टिंग

मुख्य संवाददाता, भोपाल। प्रदेश सरकार ने सोमवार को 20 आईपीएस अधिकारियों का तबादला किया है। इस सूची में 18 डीआईजी और 2 एसपी स्तर के अधिकारियों के नाम शामिल हैं। लंबे समय से अटकी हुई डीआईजी स्तर के अधिकारियों की तबादला सूची में 2010 बैच के चार अधिकारी विजय कुमार खत्री, विनीत कुमार जैन, मनोज कुमार सिंह और राकेश कुमार सिंह के नाम शामिल हैं। ये सभी अधिकारी इसी साल 1 जनवरी को प्रमोशन पाकर डीआईजी बने थे और तब से नई पदस्थापना का इंतजार कर रहे थे। ट्रांसफर लिस्ट के अनुसार धार और अशोकनगर जिलों के एसपी बदले गए हैं। मयंक अवस्थी धार के नए एसपी होंगे, जबकि अशोकनगर के पुलिस अधीक्षक की जिम्मेदारी राजीव कुमार मिश्रा को सौंपी गई है। ये दोनों अफसर 2012 बैच के हैं। इसके अलावा मोनिका शुक्ला को भोपाल में एडिशनल सीपी क्राइम एवं मुख्यालय की जिम्मेदारी दी गई है।

नई पदस्थापना पाने वाले अधिकारियों की सूची

नाम	पूर्व पद	नवीन पद
ललित शाक्यवार	डीआईजी, छतरपुर	डीआईजी पीएचक्यू
मुकेश श्रीवास्तव	डीआईजी बालाघाट	डीआईजी मानवाधिकार आयोग
सुनील कुमार पांडे	डीआईजी सागर	डीआईजी पीएचक्यू
ओमप्रकाश त्रिपाठी	डीआईजी भोपाल ग्रामीण	डीआईजी एसएएफ मध्यक्षेत्र
मनोज कुमार सिंह	डीआईजी रतलाम	डीआईजी लोकायुक्त भोपाल
मनोज कुमार श्रीवास्तव	एडिशनल सीपी, इंदौर	डीआईजी पीआरटीएस इंदौर
मोनिका शुक्ला	डीआईजी रेल, भोपाल	एडिशनल सीपी, भोपाल शहर
निमिष अग्रवाल	डीआईजी इंदौर ग्रामीण	डीआईजी रतलाम
डी कल्याण चक्रवर्ती	डीआईजी छिंदवाड़ा	डीआईजी पीएचक्यू
पंकज श्रीवास्तव	एडिशनल सीपी, भोपाल	डीआईजी पीएचक्यू
राजेश कुमार सिंह	डीआईजी पीआरटीएस	एडिशनल सीपी, इंदौर
हेमंत चौहान	डीआईजी एससीआरबी	डीआईजी रीवा
विजय कुमार खत्री	एसएसपी रेडियो भोपाल	डीआईजी छतरपुर
विनीत कुमार जैन	एसपी अशोकनगर	डीआईजी बालाघाट
मनोज कुमार सिंह	एसपी धार	डीआईजी इंदौर ग्रामीण
राकेश कुमार सिंह	कमांडेंट एसआईएसएफ	डीआईजी छिंदवाड़ा
राजेश सिंह	डीआईजी रीवा	डीआईजी भोपाल ग्रामीण
शशीन्द्र चौहान	कमांडेंट 32 वीं बटा. उज्जैन	डीआईजी सागर
मयंक अवस्थी	एआईजी स्पेशल ब्रांच	एसपी धार
राजीव कुमार मिश्रा	एआईजी महिला सुरक्षा	एसपी अशोकनगर

चौधरी-जीतू भी संभालेंगे जिलों की जिम्मेदारी

संगठन को मैदानी स्तर पर मजबूत बनाने के लिए कांग्रेस सक्रिय

विशेष संवाददाता, भोपाल। मप्र कांग्रेस जमीनी जमावट के लिए अपने वरिष्ठ नेताओं को जिम्मेदारी देने की तैयारी में है। सूत्रों की मानें तो प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी और पीसीसी चीफ जीतू पटवारी सहित

दूसरे बड़े नेताओं को जिलों की व्यक्तिगत जिम्मेदारी सौंपी जाएगी, जहां उन्हें हर विधानसभा में कांग्रेस को जीत दिलानी होगी। कांग्रेस ने रणनीति को बदला है। संगठन सृजन अभियान के तहत जहां जिलाध्यक्षों की नियुक्तियां की गई हैं,वहीं अब बड़े नेताओं को अलग-अलग जिलों की जिम्मेदारी सौंपने की तैयारी की जा रही है। बताया गया है कि प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी जहां प्रदेश संगठन के साथ को मजबूत बनाने के साथ-साथ नेताओं के बीच बेहतर तालमेल बनाने के लिए काम करेंगे, तो वहीं उन्हें भी किसी एक जिले को व्यक्तिगत तौर पर गोद लेना होगा। जहां पर वो सक्रिय होंगे और वहां की सभी विधानसभा सीटों पर कांग्रेस कैसे मजबूत बने, इसके लिए चौधरी को अपनी भूमिका का निर्वाहन करना होगा। कामोवेश प्रदेश अध्यक्ष जीत पटवारी की भी भूमिका कुछ ऐसी ही होगी। इनके अलावा पार्टी के कई पूर्व सांसद, केन्द्र और प्रदेश सरकार में मंत्री रहे नेताओं को भी ऐसी ही जिम्मेदारी सौंपी जाएंगी।

जिलाध्यक्ष बने नेता होंगे दायित्व से मुक्त

संगठन सृजन अभियान के तहत जिन नेताओं को कांग्रेस ने जिलों की कमान सौंपी है, उन्हें जल्द ही मुक्त किया जाएगा। इनमें पूर्व मंत्री और गुना जिले के जिलाध्यक्ष जयवर्धन सिंह, प्रियब्रत सिंह से पीसीसी द्वारा सौंपे गए दायित्व वापस होंगे। प्रदेश उपाध्यक्ष रहे प्रियब्रत सिंह, यूथ कांग्रेस का प्रभार संभालने वाले जयवर्धन सिंह के अलावा प्रदेश महामंत्री जनित उईके से एससी विभाग का प्रभार जहां वापस लिया जाएगा,तो वहीं बाल कांग्रेस के प्रभार देख रही प्रतिमा रघुवंशी और निलय डागा से सेवादल की जिम्मेदारी वापस ली जाएगी।

पचमढ़ी में होगा प्रशिक्षण

इधर कांग्रेस एक बार फिर से अपने कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित करने के लिए पचमंढ़ी में शिविर लगा सकती है। हालांकि अब तक इस पर अंतिम निर्णय नहीं हो सका है। लेकिन चर्चा है कि इस महीने की 25 तारीख से 5 अक्टूबर तक कांग्रेस अपने जिलाध्यक्षों के लिए प्रशिक्षण शिविर का आयोजन करेगी। जिसमें कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी भी शामिल होंगे। इनके अलावा दूसरे नेता भी इस प्रशिक्षण शिविर में जिलाध्यक्षों को कांग्रेस का रोडमैप समझाने पचमंढ़ी आ सकते है। इसके अलावा शिविर में कार्यकर्ताओं को बूथ की ताकत, सोशल मीडिया का इस्तेमाल, कार्यकर्ताओं के साथ जुड़ाव और नेताओं और कार्यकर्ताओं के बीच तालमेल बैठाने को लेकर मार्गदर्शन दिया जाएगा। इन कार्यकर्ताओं को बूथ प्रबंधन को लेकर भी जरुरी जानकारी दी जाएगी।

प्रदेश में गठित किया जाएगा इलेक्ट्रिक वाहन संवर्धन बोर्ड

इलेक्ट्रिक वाहन नीति बनाने वाला पहला राज्य

विसं, भोपाल। मप्र में जल्दी इलेक्ट्रिक वाहन संवर्धन बोर्ड का गठन किया जायेगा। यह अंतर विभागीय समन्वय सुनिश्चित करने और विभिन्न मुददों का समाधान निकालने के लिए जिम्मेदार होगा। मध्यप्रदेश ऐसा करने वाला देश का पहला राज्य होगा। प्रदेश को स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग में आदर्श राज्य बनाने और इस क्षेत्र में उत्कृष्ट उदाहरण स्थापित करने के लिये प्रयास किये जा रहे हैं। इसके लिए सरकार मप्र की इलेक्ट्रिक वाहन नीति में रोड टैक्स और पंजीकरण शुल्क में छूट के साथ इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने के लिए वित्तीय प्रोत्साहन दिया जायेगा। चार्जिंग और स्वैपिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर लगाने में तेजी लाने के प्रयासों को भी प्रोत्साहन दिया जायेगा। इस संबंध में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश इलेक्ट्रिक वाहन परिवहन के भविष्य का प्रतिनिधित्व करने के लिये तैयार हो रहा है। इलेक्ट्रिक वाहन नीति बनाने वाला मध्यप्रदेश देश का पहला राच्य है। जलवायु परविर्तन से लड़ने के वैश्विक जनादेश और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश के इलेक्ट्रिक वाहन निर्माण लक्ष्यों को हासिल करना मध्यप्रदेश की प्राथमिकता है।

कालेजों में शुरू होंगे ईवी संबंधित पाठ्यक्रम

ईवी उदयोग के लिए कार्यबल तैयार करने इंजीनयिरिंग कालेजों और आईटीआई में ईवी संबंधित पाठ्यक्रम भी शुरु किये जायेंगे। इसके अलावा भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर और उच्जैन को ईवी मॉडल सिटी के रूप में स्थापित किया जायेगा। बताया गया है कि इसके लिए प्रदेश 2070 तक भारत को अपने शून्य उत्सर्जन के लक्ष्य को प्राप्त करने में अपनी भागेदारी को निभाएगा।

तैयारी 72 यूनिट से मांगा ब्यौरा, ज्वाइन न करने वाले आवेदकों को अब नहीं मिलेगा मौका

1360 खाली पदों पर वेटिंग लिस्ट से होगी आरक्षकों की भर्ती

मुख्य संवाददाता, भोपाल। पुलिस मुख्यालय (पीएचक्यू) 2023 में हुई पुलिस कांस्टेबल भर्ती परीक्षा में सफल होने के बाद भी ज्वाइन न करने वाले आवेदकों के स्थान पर वेटिंग लिस्ट से भर्ती करेगा। चयन एवं भर्ती शाखा ने इसकी तैयारी कर ली है। यह भी तय कर लिया गया है कि ज्वाइन न करने वाले आवेदकों को अब और मौके नहीं दिए जाएंगे। पुलिस आरक्षक भर्ती परीक्षा के तहत चयन एवं भर्ती शाखा ने 6420 आरक्षकों की मेरिट लिस्ट बनाई थी। इसके अलावा कोर्ट के आदेश पर ओबीसी के 13 प्रतिशत पदों की रिजर्व लिस्ट भी बनाई गई थी। इस साल मार्च में जारी रिजल्ट के बाद अब तक केवल 5000 उम्मीदवारों ने ही अपनी ज्वाइनिंग दी और शेष 1420 उम्मीदवारों में से 1360 ने बार-बार रिमाइंडर के बाद भी न तो ज्वाइनिंग दी और न ही किसी तरह का आवेदन पीएचक्यू को भेजा। इसके बाद अब पीएचक्यू ने फैसला लिया है कि इन पदों पर वेटिंग लिस्ट के जरिए नियुक्तियां दी जाएंगी। पीएचक्यू ने अब प्रदेश की सभी 72 पुलिस और एसएएफ इकाईयों से खाली पदों का विवरण मांगा है, जहां इन आरक्षकों को आमद देनी थी।

रोस्टर के हिसाब से बनेगी वेटिंग लिस्ट

वेटिंग लिस्ट में आरक्षण के रोस्टर का पालन किया जाएगा। जिस वर्ग के आरक्षक के पद रिक्त होंगे उन्ही वर्गों के आवेदकों को वेटिंग लिस्ट से नियुक्ति दी जाएगी। इसके अलावा ओबीसी के 13 प्रतिशत रिजर्व पदों के लिए जारी सूची यथावत रहेगी। अगर कोर्ट इन पदों पर नियुक्ति का आदेश देगा तो इस रिजर्व लिस्ट के आवेदकों को भी ज्वाइन करा दिया जाएगा।

मार्च में परिणाम लेकिन घोटाले की भी गूंज

पुलिस मुख्यालय ने 2023 में कांस्टेबल के 7090 पदों को भरने के लिए मध्य प्रदेश कर्मचारी चयन बोर्ड (ईएसबी) के जरिए परीक्षा आयोजित की थी। इस साल मार्च में परीक्षा परिणाम जारी करने के साथ ही ईएसबी ने 6420 आवेदकों की लिस्ट जारी की थी। इसके अलावा ओबीसी के 13 प्रतिशत पदों की एक रिजर्व लिस्ट भी बनाई थी। इस साल मार्च में परिणाम जारी होने के बाद इस परीक्षा में आधार कार्ड के अपडेशन के जरिए फर्जीवाड़ा उजागर हुआ था। इस मामले में प्रदेश भर में 35 एफआईआर दर्ज कर दो दर्जन आरोपी गिरफ्तार किए गए थे। घोटाला उजागर होने के बाद पीएचक्यू ने सभी चयनित आवेदकों को उनकी यूनिटों में आधार अपडेट हिस्ट्री अपने दस्तावेजों के साथ जमा कराने को कहा था। इसके बाद लगभग 1360 से अधिक उम्मीदवार न तो च्वाइन करने आए और न ही उन्होंने पुलिस विभाग द्वारा भेजे गए रिमाइंडरों का जवाब दिया। इसके बाद पीएचक्यू के आला अफसरों ने इन पदों पर वेटिंग लिस्ट के जरिए भर्ती करने का फैसला ले लिया। वेटिंग लिस्ट से भर्ती की प्रक्रिया जल्द ही शुरु करने का दावा पीएचक्यू के अफसरों ने किया है, हालांकि इसके लिए समय सीमा नहीं बताई गई है। इन 1420 में से 60 उम्मीदवार पहले से ही अन्य स्थानों पर कार्यरत हैं, जिन्होनें वर्तमान पद से मुक्त होने के लिए अतिरिक्त समय मांगा है। जानकारी के अनुसार केवल एसएएफ की बटालियनों में ही 1000 से ज्यादा पदों पर चयनित आरक्षकों ने च्वाइनिंग नहीं दी है।

कोड-28 के अंतर्गत आवश्यकता है

माँ नर्मदा महाविद्यालय

मातेश्वरी नर्मदा वेलफेयर सांस्कृतिक एवं शिक्षण समिति द्वारा संचालित, NCTE नई दिल्ली, उच्च शिक्षा विभाग म.प्र. शासन से मान्यता प्राप्त एवं बरकतुल्लाह वि.वि. भोपाल से संबद्ध

क्र.	विषय	रिक्त पद	योग्यता
1	प्राचार्य	01	स्नातकोत्तर 55% अंकों के साथ M.Ed., NET/PHD शिक्षा शास्त्र अनिवार्य (NCTE के नियमानुसार)
2	गणित	01	संबंधित विषय में 55% अंकों के साथ स्नातकोत्तर, M.Ed. एवं NET/PHD शिक्षाशास्त्र अनिवार्य (NCTE के नियमानुसार)
3	विज्ञान	01	संबंधित विषय में 55% अंकों के साथ स्नातकोत्तर, M.Ed. एवं NET/PHD शिक्षाशास्त्र अनिवार्य (NCTE के नियमानुसार)
4	संस्कृत	01	संबंधित विषय में 55% अंकों के साथ स्नातकोत्तर, M.Ed. एवं NET/PHD शिक्षाशास्त्र अनिवार्य (NCTE के नियमानुसार)
5	वाणिज्य	01	संबंधित विषय में 55% अंकों के साथ स्नातकोत्तर, M.Ed. एवं NET/PHD शिक्षाशास्त्र अनिवार्य (NCTE के नियमानुसार)

वेतनमान : यू.जी.सी. एवं मध्यप्रदेश शासन के नियमानुसार

इच्छुक आवेदनकर्ता 21 दिनों के भीतर फोटोयुक्त बॉयोडाटा एवं संपूर्ण दस्तावेजों के साथ संपर्क करें।

पता : 383/7, गौंची तरौंदा रोड, मेहरागांव पोस्ट जुझारपुर, तह. इटारसी, जिला-नर्मदापुरम् (म.प्र.), पिन-461111

मो. 9425040022, 9691992066 maanarmadacollege@gmail.com

विश्व का सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अखबार

दैनिक जागरण

वर्ष 68 ▸ अंक 342 ▸ पृष्ठ 12
भोपाल, मंगलवार 09 सितंबर, 2025
आश्विन कृष्ण पक्ष 02, विक्रम संवत् 2082
महानगर ▸ मूल्य 5 रुपए

www.dainikjagranmpcg.com

हम तीन तरीकों से ज्ञान हासिल कर सकते हैं। पहला, मनन से- जो सबसे श्रेष्ठ है; दूसरा, अनुकरण से- जो सबसे सरल है; और तीसरा, अनुभव से- जो सबसे कड़वा है।
-कन्फ्यूशियस

संक्षिप्त खबरें

फ्रांस की सरकार गिरी

पीएम फ्रांस्वा अविश्वास प्रस्ताव हारे, इस्तीफा

पेरिस, जेएनएन। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों को सोमवार को बड़ा राजनीतिक झटका लगा, जब प्रधानमंत्री फ्रांस्वा बैरू संसद में अविश्वास प्रस्ताव हार गए। संसद में 364 बनाम 194 मतों से उन्हें बाहर का रास्ता दिखा दिया गया। बैरू को पद संभाले महज आठ महीने हुए थे। अब वे मंगलवार सुबह राष्ट्रपति मैक्रों को इस्तीफा सौंपेंगे। 74 वर्षीय बैरू दो साल में तीसरे पीएम हैं, जिन्हें पद छोड़ना पड़ा। इससे पहले मिशेल बार्नियर दिसंबर 2024 में अविश्वास मत हारकर महज तीन महीने में इतिहास के सबसे कम कार्यकाल वाले फ्रांसीसी पीएम बने थे। उनसे पहले गैब्रिएल अटाल भी केवल आठ महीने टिक पाए थे। लगातार पीएम बदलने की स्थिति मैक्रों की अल्पमत सरकार की अस्थिरता को उजागर करती है।

नीतीश कटारा हत्याकांड

विकास को बेल के लिए हाईकोर्ट जाने का निर्देश

नई दिल्ली, जेएनएन। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को नितीश कटारा हत्याकांड में दोषी विकाश यादव की अंतरिम जमानत बढ़ाने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने साफ कहा कि अब वे दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दायर कर आगे की राहत मांगें। यह आदेश यादव के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है, क्योंकि उनकी मौजूदा अंतरिम जमानत 9 सितंबर, मंगलवार को खत्म हो रही है। जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की दो सदस्यीय पीठ ने यह आदेश दिया। सुनवाई के दौरान यादव के वकील ने दलील दी कि शीर्ष अदालत ही जमानत विस्तार पर सुनवाई करे, लेकिन कोर्ट ने यह मांग ठुकरा दी और कहा कि उन्हें हाईकोर्ट का रुख करना होगा। विकाश यादव 2002 के चर्चित नितीश कटारा हत्याकांड में 25 साल की सजा काट रहे हैं। अब तक सुप्रीम कोर्ट ने कई बार उनकी अंतरिम जमानत मेडिकल और पारिवारिक आधार पर बढ़ाई थी। हाल में, 24 अप्रैल को मां की तबीयत का हवाला देते हुए 8 मई तक जमानत दी थी। साथ ही निर्देश दिया था कि उनकी मां का एआईआईएमएस में मेडिकल परीक्षण कराया जाए।

अंदर के पन्नों पर

▸ मैरिज सर्टिफिकेट, बिल्डिंग परमिशन ... (पेज-05)

▸ अल्काराज ने जीता छठा ग्रैंड स्लैम... (पेज-07)

▸ अल्काराज ने जीता छठा ग्रैंड स्लैम...(पेज-10)

▸ पांच साल में दोगुनी हुई नकली नोटों की जब्ती...(पेज-11)

▸ झुग्गी मुक्त भोपाल के लिए पीएम आवासों का सर्वे...(पेज-12)

उपराष्ट्रपति चुनाव आज: विपक्ष बोला- यह विचारधारा की लड़ाई, लगाया 'क्रॉस वोटिंग' का आरोप

एनडीए को बढ़त; बीजद-बीआरएस का मतदान से दूर रहने का ऐलान

नई दिल्ली, जेएनएन। देश का राजनीतिक माहौल मंगलवार को होने वाले उपराष्ट्रपति चुनाव को लेकर पूरी तरह गर्म हो गया है। संसद भवन में होने वाले मतदान से पहले सत्तारूढ़ एनडीए (राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन) और विपक्षी इंडिया गठबंधन दोनों ही अपनी-अपनी रणनीतियों को धार देने में जुटे हैं। संख्याबल के लिहाज से एनडीए की स्थिति मजबूत मानी जा रही है, लेकिन विपक्ष ने 'क्रॉस वोटिंग' की आशंका जताते हुए मुकाबले को दिलचस्प बना दिया है। चुनाव में असली उलटफेर तब हुआ जब ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक की पार्टी बीजद और तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव की पार्टी बीआरएस ने मतदान से दूर रहने का ऐलान कर दिया।

बीजद ने स्पष्ट किया कि वह राष्ट्रीय स्तर पर एनडीए और इंडिया दोनों से समान दूरी बनाए रखना चाहती है। बीआरएस ने कहा कि वह किसानों के मुद्दों पर दोनों ही राष्ट्रीय दलों की विफलता से नाराज है और इसी कारण चुनाव से दूरी बनाएगी। बीजद का यह रुख भाजपा के लिए राहत भरा माना जा रहा है। केंद्रीय मंत्री जुएल ओराम ने कहा कि बीजद ने विरोध न करके अप्रत्यक्ष रूप से एनडीए का ही समर्थन किया है। वहीं कांग्रेस ने आरोप लगाया कि मतदान से परहेज करना दरअसल भाजपा की मदद करना है। संयुक्त विपक्ष की ओर से जस्टिस बी सुदर्शन रेड्डी उम्मीदवार हैं। कांग्रेस समेत विपक्षी दलों ने चुनाव प्रबंधन को व्यवस्थित करने के लिए तीन वरिष्ठ सांसदों को पोलिंग एजेंट नियुक्त किया है। इनमें कांग्रेस सांसद डॉ. नसीर हुसैन, डीएमके के तिरुचि शिवा और टीएमसी के सुदीप बंदोपाध्याय शामिल हैं।

सोमवार को डॉ. नसीर हुसैन ने आरजेडी प्रमुख लालू प्रसाद यादव से मुलाकात की। उन्होंने आरोप लगाया कि एनडीए विपक्षी खेमे में सेंध लगाकर क्रॉस वोटिंग कराने की कोशिश कर रहा है। विपक्षी नेताओं का कहना है कि भले ही संख्याबल उनके खिलाफ है, लेकिन वे इस चुनाव को विचारधारात्मक लड़ाई के रूप में पेश करेंगे।

एनडीए की ओर से महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन उम्मीदवार हैं। सोमवार को उन्होंने जदयू संसदीय दल की बैठक में हिस्सा लिया। जदयू, एनडीए की अहम सहयोगी पार्टी है और उसके वोट भाजपा खेमे के लिए निर्णायक माने जा रहे हैं। एनडीए के पास 425 सांसदों का समर्थन सुनिश्चित है। इसके अलावा, वाईएसआर कांग्रेस और कुछ अन्य दलों के समर्थन से यह आंकड़ा और भी बढ़ सकता है। इसी आधार पर एनडीए को उम्मीद है कि उपराष्ट्रपति पद ■ शेष पृष्ठ 9 पर

सीपी राधाकृष्णन

बी सुदर्शन रेड्डी

संख्या का गणित

- संसद में कुल 781 सांसद हैं। बीजद और बीआरएस के मतदान से दूर रहने के बाद अब वोट डालने वालों की संख्या घटकर 770 रह गई है। इस हिसाब से बहुमत का आंकड़ा 386 है।
- एनडीए के पास 436 सांसदों का समर्थन है, यानी जीत उसके पक्ष में लगभग तय है।
- विपक्षी इंडिया गठबंधन के पास संख्याबल कम है, लेकिन वह क्रॉस वोटिंग की संभावना पर दांव लगा रहा है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि विपक्ष भले ही यह चुनाव न जीत पाए, लेकिन यदि उसे अपेक्षा से ज्यादा वोट मिले तो यह 2029 की राजनीति के लिए संकेतक होगा।

शाम पांच बजे तक होगा मतदान

उपराष्ट्रति का चुनाव संसद के दोनों सदनों के सांसदों द्वारा गुप्त मतदान से किया जाता है। मतदान मंगलवार को सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक होगा। इसके बाद मतगणना कर परिणाम घोषित किया जाएगा। उपराष्ट्रपति राज्यसभा का सभापति भी होता है, इसलिए इस पद का राजनीतिक महत्व काफी अधिक है। उपराष्ट्रपति चुनाव हमेशा से सत्ता और विपक्ष के लिए प्रतिष्ठा का प्रश्न रहे हैं।

- **2002** में भाजपा समर्थित भैरोंसिंह शेखावत ने जीत दर्ज की थी।
- **2007** में कांग्रेस के हामिद अंसारी जीते और 2012 में भी पुनः निर्वाचित हुए।
- **2017** में एनडीए उम्मीदवार एम. वेंकैया नायडू उपराष्ट्रपति बने।
- **2022** में भाजपा समर्थित जगदीप धनखड़ ने रिकॉर्ड मतों से जीत हासिल की।
- इन नतीजों से स्पष्ट है कि जब-जब केंद्र में किसी गठबंधन का संख्याबल मजबूत रहा, उपराष्ट्रपति का पद उसी के पास गया।

इंदौर, जबलपुर सहित पांच जिलों के कलेक्टर बदले

दीपक नए जनसंपर्क आयुक्त खाड़े बने इंदौर संभागायुक्त

दीपक सक्सेना | सुदाम खाड़े | आशीष सिंह

विशेष संवाददाता, भोपाल। राज्य सरकार ने सोमवार को देर शाम भारतीय प्रशासनिक सेवा के 14 अधिकारियों के तबादले कर दिए। इसमें पांच जिलों के कलेक्टर भी बदले गए है। जबलपुर के कलेक्टर रहे दीपक सक्सेना को नया जनसंपर्क आयुक्त बनाया गया है। इसके अलावा इंदौर और मुख्यमंत्री के गृह जिले उज्जैन के संभागायुक्तों को भी बदला गया है। जनसंपर्क आयुक्त डॉ. सुदाम पंढरीनाथ खाड़े को इंदौर संभाग की कमान सौंपी गई है। वे इंदौर संभागायुक्त की जिम्मेदारी संभालेंगे। इंदौर कलेक्टर आशीष सिंह को उज्जैन संभागायुक्त बनाया गया है।

सामान्य प्रशासन विभाग के आदेश में इंदौर, जबलपुर, कटनी, बड़वानी और आगर -मालवा के कलेक्टर बदले गए है। जबलपुर के कलेक्टर दीपक कुमार सक्सेना को विकअ सह आयुक्त जनसंपर्क मध्यप्रदेश तथा प्रबंध संचालक मध्यप्रदेश माध्यम (अतिरिक्त प्रभार) की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उनके स्थान पर आगर-मालवा के कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह को पदस्थ किया गया है। वे अब जबलपुर के नए कलेक्टर होंगे। इसी तरह कटनी कलेक्टर दिलीप कुमार यादव को इंदौर नगर निगम के आयुक्त के साथ अपर प्रबंध संचालक मध्यप्रदेश मेट्रो रेल कंपनी लिमिटेड ■ शेष पृष्ठ 9 पर

सिंहस्थ को लेकर हुई जमावट

सोमवार को देर शाम हुई प्रशासनिक सर्जरी में इंदौर -उज्जैन पर ज्यादा फोकस रखा गया। विशेष कर सिंहस्थ को ध्यान में रखकर अधिकारियों को इधर-उधर किया गया है। इस फेरबदल में इंदौर में सबसे ज्यादा बदलाव किया गया है। यहां के संभागायुक्त, कलेक्टर, निगमायुक्त और इंदौर विकास प्राधिकरण में नए अधिकारियों की पदस्थापना की गई है। सीएम इंदौर के पालक मंत्री भी हैं। पिछले दिनों आशीष सिंह को सिंहस्थ 2028 के मेला अधिकारी की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। तभी से यह माना जा रहा था कि सिंह की उज्जैन में वापसी होगी। दरअसल उज्जैन सिंहस्थ 2028 को लेकर सरकार ने तैयारी तेज कर दी है। माना जा रहा है कि इंदौर-उज्जैन भेजे गए अधिकारी ही सिंहस्थ के दौरान कमान संभालेंगे। इनमें से अधिकांश अधिकारी सीएम के भरोसे के माने जा रहे हैं। कुछ अधिकारियों को उनके बेहतर कार्यों की वजह से अच्छी जिम्मेदारी सौंपी गई है। कुछ को मंशानुरुप पोस्टिंग भी मिली है। हालांकि कुछ को जिलों से हटाकर मंत्रालय भेजा गया है।

आधी रात में 30 और आईपीएस के ट्रांसफर

प्रदेश सरकार ने सोमवार आधी रात के बाद 30 और आईपीएस अधिकारियों के तबादले कर दिए हैं। गृह विभाग से जारी आदेश में 13 जिलों के एसपी बदले गए हैं। इससे पहले सोमवार शाम को जारी आदेश में 20 आईपीएस अफसरों को इधर से उधर किया गया था। इस सूची में 2 जिलों के एसपी बदले गए थे। इस तरह सोमवार को दो आदेश में सरकार ने कुल मिलाकर 50 आईपीएस अफसरों के थोकबंद तबादले किए है।

(आईएएस और आईपीएस के तबादलों की सूची और 'राज्य सेवा के 16 अफसरों को आईएएस अवॉर्ड'- देखें- पेज 12 पर)

एएसआई ने बार बाला संग लगाए ठुमके, दो सस्पेंड

अश्लील डांस का वीडियो वायरल होने के बाद एक्शन

जागरण, दतिया। प्रदेश के दतिया जिले से खाकी वर्दी को शर्मिंदा करने वाला घटनाक्रम सामने आया है। दतिया के सिविल लाइन थाने में पदस्थ एक एएसआई का बार बाला के साथ अश्लील डांस का वीडियो सामने आया है। वीडियो में एएसआई संजीव गौड़ दो महिलाओं के साथ फिल्मी गानों पर अश्लील हरकत करते दिखाई दे रहे हैं। मामले को गंभीरता से लेते हुए एसपी सूरज वर्मा ने एएसआई और एक आरक्षक को सस्पेंड कर दिया है। घटना 2 सितंबर की बताई जा रही है। इस दिन सिविल लाइन थाने में पदस्थ आरक्षक राहुल बौद्ध की बर्थडे पार्टी एक होटल में रखी गई थी। इस दौरान दो बार बालाओं को भी बुलाया गया था। इसी पार्टी का एक वीडियो बाद में सोशल मीडिया पर सामने आया है। इसमें एएसआई संजीव गौड़ और कुछ अन्य युवक दोनों महिलाओं के साथ फिल्मी गानों पर डांस करते हुए अश्लील हरकतें करते दिखे। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस महकमा हरकत में आया। दतिया एसपी ने फौरन कार्रवाई करते हुए एएसआई संजीव गौड़ और आरक्षक राहुल बौद्ध को सस्पेंड कर दिया है। एसपी सूरज वर्मा ने कहा- पुलिस विभाग की छवि खराब करने वाले किसी भी व्यवहार को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

हटाने के बाद भी हरकतों से नहीं आया बाज

वायरल वीडियो में दिख रहा है कि पार्टी के दौरान एएसआई बेकाबू हो जाता है। वह फिल्मी गानों की धुन पर महिला डांसर के साथ जमीन पर लोट जाता है। इस दौरान कुछ लोग हटाने की कोशिश करते हैं लेकिन एएसआई अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा था। बड़ी मशक्कत के बाद एएसआई को डांसर के पास से हटाया गया है। फिलहाल, जांच पूरी होने तक दोनों पुलिसकर्मी निलंबित रहेंगे और उनके खिलाफ आगे की कार्रवाई तय की जाएगी। वीडियो सामने आने के बाद यह मामला सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गया। पुलिसकर्मियों के इस तरह के आचरण ने न केवल विभागीय अनुशासन पर सवाल खड़े किए, बल्कि आम जनता में पुलिस की छवि पर भी गहरा असर डाला, जो लोग कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिम्मेदार हैं, वही अगर इस तरह के कृत्य करें तो अनुशासन और नैतिकता का संदेश कैसे जाएगा।

जम्मू-कश्मीर का मामला

पहला विधायक पीएसए के तहत हिरासत में

जम्मू, जेएनएन, जेएनएन। जम्मू-कश्मीर में आम आदमी पार्टी (आप) के इकलौते विधायक मेहराज मलिक को सोमवार को पुलिस ने पब्लिक सेफ्टी एक्ट (पीएसए) के तहत गिरफ्तार कर एक साल के लिए भद्रवाह जेल भेज दिया। यह पहली बार है जब प्रदेश में किसी मौजूदा विधायक को पीएसए के तहत हिरासत में लिया गया है। मलिक के खिलाफ 18 एफआईआर और 16 डेली डायरी रिपोर्ट दर्ज हैं। उन पर आरोप है कि वे लगातार लोक व्यवस्था भंग कर रहे थे। खासकर उन पर आरोप है कि बारिश और बाढ़ राहत कार्यों में उन्होंने अव्यवस्था फैलाने का काम किया।

बीयू का दीक्षांत समारोह: राज्यपाल ने विद्यार्थियों को डिग्री और स्वर्ण पदक दिए

मुख्यमंत्री बोले- सभी राज्यों में बोली जाने वाली भाषाएं ही हमारी राष्ट्र भाषा

विशेष संवाददाता, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हमारे देश में कई तरह की भाषाएं बोली जाती है। सभी भाषाओं के अध्ययन पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। सभी राज्यों की बोली जाने वाली भाषाएं हमारी राष्ट्रभाषा हैं। मध्यप्रदेश सरकार ने राष्ट्रभाषा हिंदी में मेडिकल की पढ़ाई कराने की पहल की है, जिसे काफी सराहना मिल रही है।

मुख्यमंत्री सोमवार को बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि शिक्षा को केवल नौकरियों से न जोड़ा जाए, यह समाज में ज्ञान के सतत प्रसार का माध्यम है। राज्य में कुलपति को कुलगुरु की नई संज्ञा मिली है, जिसे जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय दिल्ली ने भी अपनाया है। प्रदेश के विश्वविद्यालयों में नवाचारों के साथ कृषि संकाय और फैशन डिजाइनिंग जैसे रोजगारपरक पाठ्यक्रम की पढ़ाई कराई जा रही है। प्रदेश में प्राइवेट कॉलेज और शासकीय विश्वविद्यालयों को मेडिकल कॉलेज और अस्पताल खोलने के लिए सरकार पूर्ण सहयोग प्रदान कर रही है। इस मौके पर राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि यह केवल डिग्री प्राप्त करने का उत्सव नहीं, बल्कि विद्यार्थियों की वर्षों की मेहनत, अनुशासन और गुरुजनों के सफल मार्गदर्शन का प्रतिफल है। राज्यपाल ने समारोह में विद्यार्थियों को डिग्री और स्वर्ण पदक प्रदान किए। कुलगुरु प्रो सुरेश कुमार जैन ने कहा कि आप कही भी जाएं अपने विश्वविद्यालय और अपने शहर को कभी न भूलें।

बीयू के दीक्षांत समारोह में सीएम और राज्यपाल ने दी डिग्रियां।

चोकसी को आर्थर रोड जेल में मिलेंगी 14 सुविधाएं

13850 करोड़ के पीएनबी घोटाले के आरोपी के प्रर्त्यपण के लिए केंद्र ने बेल्जियम को भेजा भरोसे का पत्र

नई दिल्ली, जेएनएन। पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) के 13,850 करोड़ के घोटाले के आरोपी और भगोड़े कारोबारी मेहुल चोकसी को भारत लाने की कोशिशें तेज हो गई हैं। केंद्र सरकार ने बेल्जियम सरकार को पत्र लिखकर भरोसा दिलाया है कि प्रत्यर्पण होने पर चोकसी को मुंबई की आर्थर रोड जेल के बैरक नंबर-12 में रखा जाएगा, जहां उसे मानवीय आधार पर सभी जरूरी सुविधाएं मिलेंगी।

चोकसी को 12 अप्रैल को बेल्जियम में गिरफ्तार किया गया था। भारतीय एजेंसियों ने उसके प्रत्यर्पण की अपील की थी, जिसके बाद यह कार्रवाई हुई। चोकसी और उसका भतीजा नीरव मोदी इस घोटाले के मुख्य आरोपी हैं। नीरव मोदी लंदन में है और उसके प्रत्यर्पण की प्रक्रिया भी जारी है। दोनों 2018 में भारत छोड़कर फरार हो गए थे। पत्र के अनुसार, जेल की कोठरियों में नियमित रूप से झाड़ू-पोंछा और पेस्ट कंट्रोल किया जाता है। नगरपालिका की ओर से नियमित पानी सप्लाई होती है। हर कोठरी में अटैच्ड टॉयलेट और बाथरूम है। कोठरी के भीतर नहाने की सुविधा भी मौजूद है। कैदियों को डॉक्टरों की सिफारिश पर विशेष आहार की सुविधा दी जा सकती है। जेल कैंटीन से फल और नाश्ते का विकल्प भी उपलब्ध है। कैदी आंगन में एक्सरसाइज कर सकते हैं और बोर्ड गेम्स तथा बैडमिंटन जैसे इनडोर खेलों का लाभ उठा सकते हैं। योग, मेडिटेशन और लाइब्रेरी की सुविधा भी मौजूद है। आर्थर रोड में 24 घंटे मेडिकल सेवाएं उपलब्ध हैं। यहां छह मेडिकल ऑफिसर, नर्स, फार्मासिस्ट और लैब टेक्नीशियन तैनात रहते हैं। जेल अस्पताल में 20 बिस्तरों का आईसीयू है।

बैरक नंबर-12 की स्थिति

गृह मंत्रालय ने बेल्जियम को भेजे पत्र में कहा है कि बैरक नंबर-12 में छह कैदियों की क्षमता वाली कोठरियां हैं। वर्तमान में इनमें से दो खाली हैं। कोठरियों में ग्रिल वाली खिड़कियां, वेंटिलेटर और सीलिंग फैन लगे हैं। मुंबई का मौसम अपेक्षाकृत संतुलित रहता है, इसलिए एयर कंडीशनर की व्यवस्था नहीं है।

तकनीक | सबसे पतला आईफोन कल लॉन्च करेगी एपल, फोल्डेबल फोन के लिए अभी और इंतजार

स्टीव जॉब्स के बाद इनोवेशन में पिछड़ रही एपल!

न्यूयॉर्क सिटी, जेएनएन। दुनिया की सबसे बड़ी टेक कंपनियों में से एक एपल मंगलवार 9 सितंबर को अपना वार्षिक लॉन्च इवेंट 'ऑव ड्रॉपिंग' आयोजित करेगी। इस इवेंट में आईफोन 17 सीरीज पेश की जाएगी। माना जा रहा है कि इस बार कंपनी अपना अब तक का सबसे पतला फोन आईफोन 17 एयर पेश करेगी। हालांकि, फोल्डेबल आईफोन का इंतजार इस साल भी लंबा खिंच गया है। यही वजह है कि सवाल उठ रहे हैं कि क्या स्टीव जॉब्स के निधन के बाद एपल इनोवेशन के मामले में पीछे रह गया है?

कई टेक विशेषज्ञ मानते हैं कि स्टीव जॉब्स (1976-2011) के दौर में एपल ने टेक्नोलॉजी की दुनिया को कई बार बदल दिया।

2001 में आईपॉड ने म्यूजिक इंडस्ट्री को डिजिटल किया। 2007 में पहला टचस्क्रीन आईफोन आया जिसने मोबाइल फोन की परिभाषा बदल दी। 2010 में आईपैड लॉन्च हुआ जिसने टैबलेट मार्केट बनाया।

जॉब्स का मंत्र था, 'लोगों को वो चीज दो जिसकी उन्हें जरूरत है, लेकिन वे अभी नहीं जानते।'

स्टीव जॉब्स के निधन के बाद टिम कुक ने कंपनी की कमान संभाली। उनके नेतृत्व में एपल की वैल्यूएशन 3 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंची। लेकिन इनोवेशन के मामले में कंपनी को क्रांतिकारी सफलता नहीं मिली। 2014 में एपल वॉच, 2016 में एयरपॉड्स और 2023 में विजन प्रो आए। ये प्रोडक्ट सफल जरूर रहे, लेकिन आईफोन या आईपैड की तरह 'रिवोल्यूशनरी' नहीं कहे गए। आईफोन और मैकबुक अब हर साल छोटे अपडेट्स- बेहतर कैमरा, तेज चिप, या नई स्क्रीन के साथ आते हैं।

2010 के दशक की शुरुआत में एपल मोबाइल इंडस्ट्री का बेताज बादशाह था। लेकिन आज सैमसंग, ओप्पो और शाओमी जैसे ब्रांड तेजी से इनोवेशन ला रहे हैं।

आईडीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, 2025 की दूसरी तिमाही में सैमसंग ने 19.7 फीसदी ग्लोबल मार्केट शेयर हासिल किया, जबकि एपल 15.7 फीसदी के साथ दूसरे स्थान पर रहा।

ऑव ड्रॉपिंग: इवेंट की खासियतें

एपल इस इवेंट में चार मॉडल पेश कर सकती है। इनमें आईफोन 17, आईफोन 17 एयर, आईफोन 17 प्रो और आईफोन 17 प्रो मैक्स शामिल हो सकते हैं। इनके साथ एपल वॉच सीरीज 11 और नया आईओएस 26 भी लॉन्च होने की संभावना है।

सबसे पतला आईफोन: आईफोन 17 एयर एपल का अब तक का सबसे स्लिम फोन होगा। इसे आईफोन एक्स के बाद का सबसे बड़ा डिजाइन बदलाव माना जा रहा है।

कैमरा अपग्रेड: इस बार सभी मॉडल्स में 24एमपी सेल्फी कैमरा दिया जाएगा। प्रो मॉडल्स में पहली बार 8के वीडियो रिकॉर्डिंग मिल सकती है।

बैटरी और चार्जिंग: आईफोन 17 मैक्स प्रो में 5000एमएएच से ज्यादा बैटरी, 35डब्ल्यू वायर्ड और 25डब्ल्यू वायरलेस चार्जिंग सपोर्ट मिलेगा।

एआई फीचर्स: एपल इंटेलिजेंस के साथ अपडेटेड सिरी, एआई-बेस्ड फोटो/वीडियो एडिटिंग और जेनमोजी जैसे नए फीचर्स आएंगे।

कीमत: भारत में आईफोन 17 की शुरुआती कीमत लगभग 79,900 रुपए और टॉप मॉडल मैक्स प्रो की कीमत 1,64,900 रुपए तक हो सकती है।

एपल के पिछड़ने के दो बड़े कारण

फोल्डेबल फोन्स में देरी: सैमसंग ने 2019 में पहला फोल्डेबल फोन लॉन्च किया। आज उसका इस मार्केट में 35.4 फीसदी ग्लोबल शेयर है। एपल अब तक फोल्डेबल फोन नहीं ला पाया।

एआई में धीमी रफ्तार: सैमसंग का गैलेक्सी एआई रियल-टाइम ट्रांसलेशन और स्मार्ट एडिटिंग जैसे फीचर्स के साथ भारत जैसे बाजार में हिट हो चुका है। एपल का एपल इंटेलिजेंस अभी शुरुआती स्टेज में है और सीमित फीचर्स ही देता है।

बड़ी चूक: सात साल की सजा, 11 साल जेल में रखा

सुप्रीम कोर्ट का निर्देश: सरकार दे 25 लाख रुपए का मुआवजा

भोपाल, जेएनएन। सुप्रीम कोर्ट ने मध्यप्रदेश सरकार को बड़ी फटकार लगाते हुए एक बलात्कार के दोषी को 7 साल की सजा के बजाय 11 साल 6 महीने तक जेल में रखने के लिए 25 लाख रुपए मुआवजा देने का आदेश दिया है। अदालत ने इसे 'गंभीर प्रशासनिक चूक' करार देते हुए कहा कि किसी भी हाल में नागरिक को अतिरिक्त अवधि तक जेल में रखना असंवैधानिक है। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस केवी विश्वनाथन की खंडपीठ ने राज्य सरकार से पूरी फाइल, सजा कैलकुलेशन शीट, पैरोल-रिमिशन और आदेशों के पालन की जानकारी मांगी। सुनवाई के बाद कोर्ट ने कहा कि यह गंभीर प्रशासनिक विफलता है और इससे संविधान द्वारा दिए गए मूल अधिकारों का हनन हुआ है।

यह है मामला

यह केस सागर जिले के सोहन सिंह उर्फ बबलू से जुड़ा है। 2004 में ट्रायल कोर्ट ने उसे बलात्कार के मामले में उम्रकैद की सजा सुनाई थी। इसके खिलाफ सोहन सिंह ने हाईकोर्ट में अपील की। अक्टूबर 2007 में मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने सजा घटाकर 7 साल कर दी। कानूनी प्रक्रिया के अनुसार उसकी रिहाई 2021 में हो जानी चाहिए थी, लेकिन लापरवाही के चलते वह जेल में ही रहा।

लीगल एड के जरिए वरिष्ठ अधिवक्ता महफूज ए. नाजकी ने यह मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचाया। उनकी पैरवी के बाद यह तथ्य सामने आया कि सोहन सिंह को 4 साल 7 महीने अतिरिक्त जेल में रखा गया। जून 2025 में वह आखिरकार रिहा हुआ। इसके बाद उसने मुआवजा मांगने की याचिका दायर की।

स्कूलों की टंकियों में गंदगी, मैदान में भरे पानी से विद्यार्थी हो रहे परेशान

दीवारों में नमी से विद्यार्थी हो रहे बीमार, अभिभावकों ने की शिकायत

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों की मुसीबतें बढ़ती ही जा रही हैं। स्कूलों में भरा गंदा पानी दुर्गंध दे रहा है। दीवारों में सीड़न बढ़ने लगी है। विद्यार्थी जिन टंकियों से पानी पी रहे हैं उनमें गंदगी व कीड़े होने लगे हैं। स्कूलों में प्रवेशरत विद्यार्थियों के अभिभावकों ने इसकी शिकायत विभागीय अधिकारियों से की है। गांधीनगर स्कूल में पानी जमा होने के कारण मच्छर और कीड़े पैदा हो गए हैं। कक्षाओं में भी दुर्गन्ध आ रही है, जिससे विद्यार्थी हर दिन परेशान हो रहे हैं। गिन्नौरी, सुल्तानिया, ईंटखेड़ी चांदबड़ और रातीबड़ हायर सेकंडरी, गुनगा हायर सेकंडरी स्कूल और नीलबड़ मिडिल स्कूल में ऐसी शिकायतें आ रही हैं। कई स्कूलों के रस्तों में कीचड़ जमा होने के कारण विद्यार्थियों को कक्षाओं तक पहुंचने में परेशानी हो रही है।

जुलाई में दिए गए थे निर्देश

जुलाई में जब बारिश शुरू हुई थी, तब जिला शिक्षा अधिकारी ने समीक्षा बैठक में प्राचार्या को स्वच्छता के संबंध में निर्देश दिए थे। उसके बाद भी उक्त कार्यों में लापरवाही बरती गई है। डीईओ ने यह निर्देशित किया कि बारिश में पानी निकासी की स्थाई व्यवस्था बनाई जाए, ताकि बच्चों की किसी भी प्रकार की परेशानियों का सामना नहीं करना पड़े। जिन टंकियों में बच्चों को पानी पिलाया जा रहा है उनकी प्रति माह सफाई की जाए, ताकि टंकियों में कीटाणु नहीं पनप सकें। इसके बाद भी राजधानी के हर और ग्रामीण क्षेत्रों में विद्यार्थियों के लिए यथावत समस्याएं बनी हुई हैं।

> स्कूलों में साफ-सफाई नहीं रखने की शिकायतें आ रही हैं। हम मौके पर जाकर निरीक्षण करेंगे। जहां लापरवाही मिलेगी, वहां पर कार्रवाई भी की जाएगी।
>
> ■ **नरेंद्र कुमार** अहिरवार, जिला रियाक्षा अधिकारी, भोपाल

एनएसयूआई का आरोप, एनआरआई कोटा की सीटों में करोड़ों का खेल

निजी मेडिकल कॉलेज संचालकों पर लगाए आरोप

कार्यालय संवाददाता, भोपाल। प्रदेश के निजी मेडिकल कॉलेज एनआरआई कोटा के नाम पर करोड़ों रुपए में सीटें बेचने का धंधा चला रहे हैं। यह कॉलेज एमबीबीएस और एमडी, एमएस की सीटें ऐसे अभ्यर्थियों को देते हैं, जो एनआरआई कोटा की शर्तों को पूरा नहीं कर रहे। इसके बदले में अभ्यर्थी से निजी कॉलेज वाले करोड़ों रुपए लेते हैं। यह आरोप सोमवार को भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) की मप्र इकाई ने लगाया। संगठन की ओर से पत्रकारवार्ता आयोजित की गई। इसमें प्रदेश कांग्रेस के प्रवक्ता विवेक त्रिपाठी और एनएसयूआई के प्रदेश उपाध्यक्ष रवि परमार ने कई खुलासे किए। विवेक त्रिपाठी ने कहा कि एमबीबीएस, बीडीएस और पीजी (एमडी/एमएस/एमडीएस) कोर्सों में एनआरआई कोटे के नाम पर हर साल 800 से 1000 करोड़ रुपए की अवैध कमाई की जा रही है। आरोप है कि यह पूरा खेल चिकित्सा शिक्षा विभाग और निजी कॉलेज संचालकों की मिलीभगत से चलता है।

रुपए देकर बनवाए जा रहे एनआरआई सर्टिफिकेट

एनएसयूआई प्रदेश उपाध्यक्ष रवि परमार ने कहा कि कॉलेजों में प्रवेश प्रक्रिया में जानबूझकर गड़बड़ी की जाती है। निजी कॉलेज मोटी रकम लेकर छात्रों को फर्जी एनआरआई सर्टिफिकेट उपलब्ध कराते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने 2017 में दिए आदेश में स्पष्ट किया था कि केवल माता-पिता, भाई-बहन, चाचा-चाची या दादा-दादी ही स्पॉन्सर हो सकते हैं। लेकिन मप्र में कोई भी व्यक्ति पैसे देकर स्पॉन्सर बन जाता है। नियम के मुताबिक फीस भी स्पॉन्सर के खाते से जमा होनी चाहिए, लेकिन यहां छात्र या उसका परिवार ही फीस भरता है। एनएसयूआई ने आरोप लगाया कि कई बार बाहर के राज्यों से पढ़े छात्रों को फर्जी निवासी प्रमाण पत्र बनवाकर प्रवेश दिया जाता है, जबकि प्राथमिकता मध्यप्रदेश के मूल निवासी छात्रों को मिलनी चाहिए। इससे प्रदेश के मेधावी छात्र-छात्राओं को नुकसान उठाना पड़ता है।

एनएसयूआई की प्रमुख मांगें

- एसटीएफ जांच हाईकोर्ट के रिटायर्ड जज की निगरानी में हो।
- प्रवेशित छात्रों के दस्तावेज शासकीय प्रतिनिधियों से सत्यापित कर सार्वजनिक करें।
- दोषी अधिकारियों और कॉलेज संचालकों पर एफआईआर दर्ज हो।
- भविष्य में धांधली रोकने कड़े व पारदर्शी नियम लागू किए जाएं।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश का हवाला

परमार ने कहा कि मप्र शासन ने सुप्रीम कोर्ट और राजपत्र (9 मार्च 2018) में दिए स्पष्ट निर्देशों का उल्लंघन किया है। दस्तावेजों का सत्यापन एंबेसी से कराने की बात कहकर गुमराह किया जा रहा है, जबकि यह काम शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय के प्रतिनिधियों से होना चाहिए और दस्तावेजों को पोर्टल पर सार्वजनिक करना जरूरी है।

पीजी कोर्स में सीटों का बंटवारा भी गलत

एनएसयूआई ने कहा कि पीजी कोर्स में एनआरआई सीटें केवल क्लिनिकल ब्रांच (जैसे गायनी, मेडिसिन, रेडियोलॉजी, डर्मेटोलॉजी आदि) में रखी जाती हैं, क्योंकि इनकी सबसे ज्यादा मांग है। जबकि 15 प्रतिशत का जो आरक्षण है, वह सभी सीटों पर समान रूप से लागू होता है। नॉन क्लिनिकल ब्रांच में एनआरआई सीटें जानबूझकर नहीं रखी जातीं।

संक्षिप्त खबरें

मुस्लिम समाज पंजाब बाढ़ पीड़ितों के लिए कर रहा राशन इकट्ठा

कार्यालय संवाददाता, भोपाल। पंजाब में आई बाढ़ से वहां की आबादी बुरी तरह प्रभावित है। हजारों परिवार बेघर हो गए हैं। उनकी मदद के लिए देश भर से मदद के हाथ बढ़े हैं। इसी कड़ी में भोपाल से भी पंजाब के लिए मदद पहुंचाने का काम शुरू हुआ है। विधायक आरिफ मसूद फैंस क्लब और कुछ मस्जिदों के इमाम द्वारा पंजाब बाढ़ पीड़ितों के मदद जुटाई जा रही है। इसमें राशन सामग्री इकट्ठा कर पंजाब भेजने की व्यवस्था की जा रही है। कुछ सामान सोमवार रात में ट्रकों में लोड कर पंजाब के लिए रवाना किया गया है। जबकि कुछ सामान तीन दिन बाद भेजने की योजना है। बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए कुछ मस्जिदों के इमाम साहबों ने नमाज के बाद लोगों से अपील की, मुस्लिम समाज मदद के लिए तुरंत आगे आया और महज 24 घंटे में सूफिया मस्जिद, आम वाली मस्जिद, भानपुर बिलाल मस्जिद और ब्लूमून कॉलोनी मस्जिद इस्लामिया से ट्रक भर राहत सामग्री इकट्ठी हो गई। इस सामग्री में खाने-पीने का सामान, कपड़े, जूते-चप्पल से लेकर तिरपाल तक सब कुछ शामिल है। सूफिया मस्जिद के सुमेर खान ने भावुक होकर कहा कि यह सरमाया महज एक दिन का है। यहां हर उम्र का इंसान मदद के लिए खड़ा हुआ है। महिलाएं अपने कपड़े दे रही हैं, बच्चे खिलौने और चप्पल तक दे रहे हैं। भोपाल को हिंदुस्तान का दिल कहा जाता है और आज इस दिल ने पंजाब के भाइयों के लिए अपनी धड़कनें तेज कर दी हैं। बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए आरिफ मसूद फैंस क्लब ने शहर में छह स्थानों पर केंद्र बनाए हैं। इन केंद्रों पर राहत सामग्री इकट्ठा की जा रही है। जिंसी, जहांगीराबाद, बुधवारा, शाहजहांनाबाद सहित अन्य स्थानों पर केंद्र बनाए गए हैं।

तिरुपति अभिनव होम्स में सदस्य चुनाव संपन्न, 10 को चुनेंगे अध्यक्ष

जागरण, भोपाल। राजधानी के अयोध्या बायपास स्थित तिरुपति अभिनव होम्स रहवासी रखरखाव सहकारी संस्था के मंडल सदस्यों के पद के लिए चुनाव संपन्न हुआ। कॉलोनी वासियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हुए 19 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला किया, जिनमें 14 पुरुष और 5 महिलाएं शामिल थीं। चुनाव में सबसे अधिक वोट वाय मोहन राय को 140 और सतेंद्र मिश्रा को 130 मिले, जबकि महिला प्रत्याशियों में अनीता नागवंशी शरणागत को 94 और निर्जला मिश्रा को 85 वोट प्राप्त हुए। शांतिपूर्ण ढंग से हुए इस चुनाव में रहवासियों ने लोकतांत्रिक तरीके से अपनी पसंद के सदस्य चुने। अब अध्यक्ष और उपाध्यक्ष पद के लिए आगामी 10 सितंबर को चुनाव कराया जाएगा, जिसकी तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। कॉलोनी समिति के सदस्यों ने सभी मतदाताओं और प्रतिभागियों का आभार जताया है।

'कमाल का भोपाल' रिपोर्ट अंतरराष्ट्रीय मंच पर

जागरण, भोपाल। क्रेडाई भोपाल जिसे सबसे सक्रिय कैपिटल सिटी चैप्टर और रिजल्ट-ओरिएंटेड नेतृत्व के लिए जाना जाने लगा है, अब अंतरराष्ट्रीय पहचान बनाने जा रहा है। क्रेडाई नेशनल द्वारा आयोजित नेटकॉन-2025 सिंगापुर में 11 से 13 सितम्बर तक आइकॉनिक मरीना बे सैंड्स में होगा। इस अवसर पर क्रेडाई भोपाल अपनी पहल 'कमाल का भोपाल' रिपोर्ट औपचारिक रूप से नेशनल क्रेडाई को प्रस्तुत करेगा। आयोजन के पहले दिन मनोज मीक सहित चुने हुए 30 प्रबुद्ध प्रतिनिधि पार्करॉयल कलेक्शन पिकरिंग का स्टडी टूर करेंगे, जिसे दुनिया का होटल-इन-अ-गार्डन कहा जाता है। मशहूर वास्तुकार वोहा द्वारा डिज़ाइन यह भवन टिकाऊ उच्च-भवन आर्किटेक्चर का वैश्विक प्रतीक है और वर्ल्ड्स लीडिंग ग्रीन सिटी होटल भी कहलाता है। सिंगापुर और आयोजन स्थल मरीना स्वयं न्यू अर्बनिज्म के प्रतीक हैं। नेटकॉन-2025 में 17 सत्र होंगे जिनमें 30 से अधिक वक्ता शामिल होंगे। आकर्षण के केंद्र होंगे डॉ. शशि थरूर, अभिनेता आशुतोष राना मनोज मीक दोनों से विशेष मुलाकात करेंगे। इसके अलावा राहुल द्रविड़, आर. माधवन और कई वैश्विक इंडस्ट्री लीडर शामिल रहेंगे। मनोज मीक ने कहा कि कमाल का भोपाल रिपोर्ट को हम आत्मविश्वास से रखेंगे और हाइपर स्केल डेटा सेंटर, लॉजिस्टिक्स तथा ट्रांजिट-लिंक्ड हाउसिंग पर वैश्विक भागीदारों को आमंत्रित करेंगे। स्टडी-टूर मेरी रुचि का विषय है यह अध्ययन हमारी राजधानी के लिए उपयोगी होगा।

सहारा संस्था का 20वां स्थापना दिवस लिटिल वैले में संपन्न

जागरण, भोपाल। राजधानी में अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस पर सहारा साक्षरता एज्यूकेशनल एण्ड सोशल वेलफेयर सोसायटी, भोपाल द्वारा सामाजिक यात्रा के 20वें स्थापना दिवस समारोह का आयोजन धुमधाम से किया गया। यह कार्यक्रम जमीं से आसमान की ओर सफर और सम्मान 2025 के रूप में रंगश्री लिटिल बैले सभागार में संपन्न हुआ। समारोह में महापौर मालती राय, डॉ. मुकेश कुमार मिश्रा, ऊषा पुंडे, अश्विनी कुमार श्रीवास्तव सहित कई विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण था, नाटिका मां दुर्गा अनंत रूपा का मंचन, जिसका निर्देशन दुर्गा मिश्रा ने किया। इस नाटिका में मां दुर्गा के विभिन्न रूपों के माध्यम से महिलाओं की आंतरिक शक्ति, संघर्ष और सशक्तिकरण को दर्शाया गया। समारोह की शुरुआत बच्चों द्वारा बनाई गई वेस्ट से बेस्ट सामग्रियों की प्रदर्शनी से हुई। कार्यक्रम में आगे बच्चों ने साइबर क्राइम और ऑनलाइन गेमिंग पर जागरूकता प्रस्तुति भी दी।

हिंदी विवि के रजिस्ट्रार का दो माह का वेतन रोका, बनी विवाद की स्थिति

स्थापना और परीक्षा के दायित्व से मुक्त होना चाहते हैं विजय मिश्रा

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय के प्रभारी कुलसचिव शैलेंद्र कुमार जैन को दो माह का वेतन नहीं दिया गया है। जबकि सामान्य प्रशासन विभाग के नियमानुसार प्रदेश के सभी कर्मचारी और अधिारियों का वेतन माह के प्रथम तारीख तक जारी हो जाना चाहिए। इसके बाद भी कुलसचिव को वेतन नहीं किया गया। इस दौरान वे स्थापना प्रभारी विजय मिश्रा के पास पहुंचे। जहां उन्होंने मिश्रा से वेतन जारी नहीं करने के कारण पूछे, जिससे लेकर मिश्रा ने विवाद करना शुरू कर दिया। उच्च शिक्षा विभाग ने रजिस्ट्रार शैलेंद्र कुमार जैन का स्थानांतरण हिंदी विवि से शंकर शाह विश्वविद्यालय छिंदवाडा कर दिया था। उन्हें हाईकोर्ट ने आदेश देते हुए वापस हिंदी विवि भेज दिया था। उन्होंने 19 जुलाई को हिंदी विवि में अपनी आमद दर्ज कराने के बाद नियमित तौर पर विवि आना शुरू कर दिया था, जो आज तक जारी है। गत दिनों कुलगुरु देव आनंद हिंडोलिया ने प्रभारी कुलसचिव राजीव वर्मा का प्रभार शैलेंद्र कुमार जैन को सौंप दिया। इसके बाद भी स्थापना प्रभारी मिश्रा ने उन्हें वेतन देना जरुरी नहीं समझा। इसके बाद प्रभारी रजिस्ट्रार जैन ने मिश्रा के कार्यालय में जाकर पूछा कि उन्हें वेतन क्यों नहीं दिया जा रहा है। तब उन्होंने कहाकि उनका स्थानांतरण छिंदवाडा विवि कर दिया गया है। इसलिए उन्हें वेतन नहीं दिया जा सकता।

स्थापना में रहना नहीं चाहते मिश्रा

हिंदी विवि में काफी फाइलें उलझी हुई हैं। यहां तक नियुक्त हुए प्रोफेसर लाल घेरे में बने हुए हैं। यहां तक विजय मिश्रा की भी परिवीक्षा अवधि अभी तक समाप्त नहीं हुई है। इसके बाद भी उन्हें उन्हें स्थापना और परीक्षा विभाग का प्रभारी बनाया गया है। उन्होंने कुलगुरु हिंडोलिया को पत्र देकर दोनों विभाग से मुक्त होने की मांग की है। क्योंकि मिश्रा परीक्षाओं में होने वाली गड़बड़ियों को भी नियंत्रित नहीं कर पा रहे हैं। उन्हें भय है कि उनके पास कोई योग्यता नहीं होने के कारण उनके द्वारा कोई गलती नहीं हो जाए।

> स्थापना प्रभारी मिश्रा से महज इतना पूछा गया है कि उन्होंने किस आधार पर मेरा दो माह का वेतन रोका है। उन्होंने इस संबंध में कोइ उचित जवाब नहीं दिया है।
>
> ■ **शैलेंद्र कुमार जैन** प्रभारी कुलसचिव, हिंदी विवि

करणी सेना ने उठाई समाज, धर्म-संस्कृति की रक्षा की मांग

जागरण, भोपाल। क्षत्रिय करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. राज शेखावत, मध्य प्रदेश चैप्टर के अध्यक्ष इंदल सिंह राणा और राज्य उपाध्यक्ष आशू सिंह ने सरकार को 10 सूत्री मांगों की सूची सौंपी। उन्होंने कहा कि समाज की गरिमा, युवाओं के भविष्य, किसानों की समस्याओं के समाधान, धर्म और संस्कृति की रक्षा और देश की सीमाओं की रक्षा करने वाले बहादुर सैनिकों के हितों की रक्षा के लिए अब ठोस कदम उठाना जरूरी है। इसी उद्देश्य से क्षत्रिय समाज जल्द ही भोपाल में क्षत्रिय क्रांति सम्मेलन का आयोजन कर रहा है। देश भर के सभी क्षत्रिय संगठनों और समाज के प्रमुख लोगों को इस सम्मेलन में आमंत्रित किया गया है। डॉ. शेखावत ने कहा कि इस सम्मेलन में न केवल समाज की समस्याओं पर चर्चा की जाएगी, बल्कि देश और उसके धार्मिक मूल्यों की रक्षा के लिए एक ठोस रणनीति भी बनाई जाएगी।

आज बीयू में पहुंचेंगे प्रमाण सागर महाराज

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। भोपाल के श्री विद्यासागर इंस्टीट्यूट आफ मैनेजमेंट अवधपुरी में आचार्य विद्यासागर के शिष्य प्रमाण सागर महाराज का चातुर्मास चल रहा है। मंगलवार को मुनिश्री प्रमाण सागर महाराज विद्यासागर कालेज से नारायण नगर के पार्श्वनाथ दिंगबर जैन मंदिर पहुंचकर मूलनायक भगवन पार्श्वनाथ भगवान के दर्शन करेंगे। यहां स्थति आवास में उनकी आहारचर्या होगी। मंदिर परिसर में समायक करने के बाद मुनीश्री प्रमाण सागर महाराज दोपरह दो से ढाई बजे के बीच बरकतउल्ला विश्वविद्यालय पहुंचेंगे। जहां मुनिश्री सत्य भवन सहित अन्य विभागों को भी देंगे। इसके बाद ज्ञान विज्ञान पहुंचकर मुनिश्री प्रमाण सागर महाराज प्रवचन देंगे। इसके बाद विद्यार्थियों की आवश्यकता और शिक्षा दीक्षा के संबंध में आशीष भी प्रदान करेंगे। मुनिश्री के शंका समाधान का आयोजन किया जाएगा। जैन समाज के अलावा अन्य वर्ग के सामान्य लोग भी शामिल होंगे। जहां उनकी हर शंका का समाधान किया जाएगा। मुनिश्री द्वारा शंका समाधान करने के बाद नारायण नगर के जैन मंदिर की तरफ विहार करेंगे। कस्तूरबा नगर जैन मंदिर के अध्यक्ष सुनील जैनाविन ने समाज के लोगों से मंगलवार को बीयू के ज्ञान विज्ञान परिसर में एकत्रित होने की अपील की है, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोगों की शंका का समाधान हो सके।

सीएम हेल्पलाइन की शिकायतें हल करने में कर रहे लीपापोती

सीईओ ने अफसरों से कहा- काम नहीं तो कार्रवाई

जागरण संवाददाता, भोपाल। संभाग आयुक्त और कलेक्टर द्वारा कई बार समझाइश के बाद भी अधिकारी सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों को निपटाने में गंभीरता नहीं दिखा रहे हैं। सोमवार को कलेक्ट्रेट में आयोजित टीएल बैठक के दौरान एक बार फिर सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों का मुद्दा गूंजा। इस दौरान बैठक ले रहीं जिला पंचायत सीईओ इला तिवारी ने पशुपालन विभाग और खादी ग्रामोद्योग विभाग के अधिकारियों को लंबे समय से पेंडिंग शिकायतों को समय पर निपटाने को कहा है। सीईओ ने दोनों विभाग के अधिकारियों को कार्य प्रणाली सुधारने की भी हिदायत दी। बता दें कि हाल ही में कोकता में पशुपालन विभाग की 6 एकड़ जमीन पर कब्जा मिला था। हालांकि मामले में सामने आया कि जमीन पर कब्जा होता रहा और पशुपालन विभाग के अधिकारी शिकायत के बाद भी कब्जा हटवाने को लेकर रुचि नहीं दिखा रहे थे। बैठक में एडीएम अंकुर मेश्राम और पीसी शाक्य सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे। कर्मचारियों के कार्य प्रणाली को बेहतर करने के लिए केंद्र सरकार के कार्यक्रम कर्मयोगी आईजीओटी पर सीखे सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। सीईओ तिवारी ने इस दौरान सभी कर्मचारियों से 15 से 19 सितम्बर तक आयोजित कार्यक्रम में सभी शासकीय सेवकों को पंजीयन कराने के बाद ट्रेनिंग लेने के निर्देश दिए। जिले में जल्दी ही फिर से भिक्षावृत्ति पर लगाम लगाने भिखारियों की धरपकड़ शुरू होगी। इसके लिए जिले के सभी एसडीएम को टीम गठित कर कार्यवाही के निर्देश दिए गए हैं। बता दें कि फरवरी में जीआईएस के दौरान भोपाल में भिक्षावृत्ति पर लगाम लगाने के लिए कार्यवाही शुरू की गई थी। इसके बाद ही मामला ठंडा पड़ा है।

प्रतिमाओं के विसर्जन के बाद निगम अमले ने अलग की 56 टन विसर्जन सामग्री

जागरण संवाददाता, भोपाल। नगर निगम अमले ने शनिवार से चल रहे गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन के बाद सोमवार तक 56 टन से ज्यादा विसर्जन सामग्री को अलग अलग कर रिसाइकल करने के लिए भेज दिया। साथ ही इस दौरान 8 घाटों और 33 अस्थाई कुंडों में छोटी बड़ी 80 हजार प्रतिमाओं का विसर्जन संपन्न करवाकर इन्हें तालाब और घाट से बाहर निकलवा लिया गया है। निगम प्रशासन से मिली जानकारी के अनुसार विसर्जन के बाद कुल 56 टन सामग्री बाहर निकाली गई है, जिसमें 30 टन फूल, 10 टन नारियल, 02 टन कपड़े, 08 क्विंटल सिंगार सामग्री, 01 क्विंटल कांच, फोटो फ्रेम आदि तथा 5 क्विंटल अनाज, मिठाई और फलों को अलग अलग कर रिसाइकल करने के लिए भेजा गया। निगम का दावा है कि सभी प्रतिमाओं के विसर्जन के बाद 12 घंटे के भीतर ही तालाबों की सफाई कर दी गई है।

डॉ. रीनू एफआईपी वर्ल्ड कांग्रेस 2025 में

भोपाल। प्रेस्टीज इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड रिसर्च, भोपाल के प्रिंसिपल के पद पर कार्यरत डॉ. रीनू यादव को हाल ही में कोपेनहेगन, डेनमार्क में आयोजित एफआईपी वर्ल्ड कांग्रेस 2025 में मुख्य वक्ता और शोध पत्र प्रस्तुति के लिए आमंत्रित किया गया था। इस विश्व शिखर सम्मेलन में लगभग 100 देशों के 3450 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। डॉ. रीनू यादव लगभग 19 वर्षों से हर्बल अनुसंधान के क्षेत्र में कार्यरत हैं। इस दौरान उन्होंने 12 पेटेंट, 10 पुस्तकें, 100 से अधिक शोध पत्र और कई शोध परियोजनाओं पर काम किया है। डॉ. यादव को पहले भी नीदरलैंड्स की संस्था इंटरनेशनल फार्मास्यूटिकल फेडरेशन ने विज्ञान और शिक्षा में महिलाओं के साथ सम्मानित किया था।

यूका भोपाल ट्रायल कोर्ट का दोषी ठहराने का फैसला गलत बताया

सुनवाई: भोपाल गैस कांड के दोषियों ने की फिर सुनवाई की अपील, सीबीआई ने किया विरोध

मुख्य संवाददाता, भोपाल। सोमवार को जिला अदालत में भोपाल गैस कांड से जुड़े मामले पर सुनवाई हुई। यह सुनवाई यूनियन कार्बाइड के भोपाल गैस कांड में लापरवाही के दोषी अधिकारियों द्वारा दायर की गई आपराधिक अपील पर हुई। इस दौरान सीबीआई की तरफ से लिखित और मौखिक तर्क कोर्ट के समक्ष पेश किए गए। अपील यूनियन कार्बाइड के तत्कालीन अफसरों जे मुकुंद, एसपी चौधरी और किशोर कामदार द्वारा 2011 से लंबित है। तीनों दोषियों का तर्क है कि 7 जून 2010 को भोपाल ट्रायल कोर्ट का उन्हें दोषी ठहराने का फैसला गलत था। तीनों की तरफ से सीआरपीसी की धारा 464 के तहत मामले की फिर से सुनवाई कर नए आरोप तय करने की मांग की गई है। सीबीआई ने सुनवाई के दौरान साफ कहा कि इस मामले में नियमानुसार जांच की गई है और इस अपील को खारिज कर दिया जाए।

सीबीआई की दलील, अपील सुनवाई योग्य नहीं

सीबीआई ने सोमवार को कोर्ट में दलील दी कि दोषियों द्वारा दायर याचिका सुनवाई योग्य नहीं है। एजेंसी ने साफ किया कि जिन धाराओं को इस अपील में चुनौती दी जा रही है, उन्हें सुप्रीम कोर्ट 13 सितंबर 1996 के अपने आदेश में बरकरार रख चुका है। इसी आधार पर भोपाल ट्रायल कोर्ट ने 29 अगस्त 1997 से इन धाराओं पर सुनवाई शुरू की थी। ट्रायल के दौरान कुल 178 गवाहों के बयान दर्ज किए गए थे। इसके बाद, 7 जून 2010 को, सभी भारतीय अभियुक्तों को धारा 304 ए के तहत दोषी करार दिया था। सीबीआई ने अदालत को बताया कि ट्रायल के दौरान किसी भी अभियुक्त ने इन धाराओं पर चार्ज पर आपत्ति नहीं जताई थी और न ही किसी नए आरोप की मांग की थी। सोमवार को भोपाल गैस पीड़ित संगठनों ने भी दोषियों की याचिका को खारिज करने के पक्ष में अपनी दलील पेश की।

6 अक्टूबर को होगी अगली सुनवाई

इस मामले में सीबीआई और गैस पीड़ित संगठनो की दलीलें सुनने के बाद कोर्ट ने सुनवाई के लिए 6 अक्टूबर की अगली तारीख तय की है। इस दिन दोषियों की तरफ से उनके अधिवक्ता कोर्ट में अंतिम पक्ष रखेंगे। इसके बाद ही अदालत इस मामले पर फैसला सुनाएगी। 2010 में मामले की सुनवाई के बाद जे मुकुंद, एसपी चौधरी और किशोर कामदार समेत आठ आरोपियों को धारा 304 ए के तहत औद्योगिक लापरवाही का दोषी मानते हुए दो-दो साल कैद की सजा सुनाई थी। इस मामले में उसी दिन सभी आठों दोषियों को अपीलीय कोर्ट ने एक-एक लाख के मुचलके पर जमानत दे दी थी। इसके बाद इन दोषि?ों में से कुछ की मौत भी हो चुकी है।

साहित्य वही जो समाज के वंचित वर्ग के पक्ष में हो...

भोपाल। राजकमल प्रकाशन द्वारा आयोजित किताब उत्सव के तीसरे दिन सात सत्रों में कार्यक्रम हुआ। उत्सव 10 सितम्बर तक चलेगा। इस दौरान राजकमल प्रकाशन समूह द्वारा प्रकाशित पुस्तकों की प्रदर्शनी भी लगाई गई है जहां कहानी, उपन्यास, कविता समेत विविध विषयों की 5000 से अधिक पुस्तकें प्रदर्शित की गई है। इस दौरान शिवमूर्ति के बहुचर्चित उपन्यास 'अगम बहै दरियाव' पर कैलाश वानखेड़े ने उनसे बातचीत की। शिवमूर्ति ने कहा कि साहित्य वही है जो समाज के कमजोर और वंचित वर्ग के पक्ष में खड़ा हो। उन्होंने कहा कि सच्चा साहित्यकार वही है जो दूसरों के दुख को महसूस करे और उसे व्यक्त करे। दूसरे सत्र में निधि अग्रवाल के कहानी-संग्रह 'प्रेम एक पालतू बिल्ली' पर हेमंत देवलेकर और सविता भार्गव ने चर्चा की। हेमंत देवलेकर ने टिप्पणी की कि यह कहानियां अंतर्मन की सुंदर रचनाएं हैं, जो मनोविज्ञान के विभिन्न पहलुओं को सामने लाती हैं। लीलाधर मंडलोई की आत्मकथा जब से आँख खुली है पर चर्चा हुई। रामप्रकाश त्रिपाठी ने कहा कि पुस्तक गांव और कस्बों से जुड़े लोगों को प्रभावित करेगी।

संक्षिप्त खबरें

सीएलसी से 21 कोर्स में आज प्रवेश देगा डीटीई

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। तकनीकी शिक्षा विभाग मंगलवार को छठवीं सीएलसी में कालेज पहुंचने वाले विद्यार्थियों को प्रवेश देगा। इंजीनियरिंग, एमबीए, बीबीए, बीसीए समेत 21 कोर्स में प्रवेश मिलेंगे। प्रदेश में सभी कोर्स की दो लाख 71 हजार सीटों में से करीब डेढ़ लाख विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया है। इंजीनियरिंग में सबसे ज्यादा सीटें 74 हजार 722 सीटें हैं, जिसमें 45 हजार 700 विद्यार्थियों के प्रवेश हुए हैं। वर्तमान में 29 हजार सीटें खाली हैं। एमबीए की 57 हजार सीटों में से 30 हजार 800 सीटों पर विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया है। अभी भी करीब 26 हजार सीटें रिक्त हैं। रिक्त सीटें पर प्रवेश कराने के लिए विभाग छठवीं सीएलसी करा रहा है। विभाग बुधवार से सातवीं और अंतिम सीएलसी करेगा, जो 15 सितंबर तक चलेगी।

मैनिट में आज ईवी एक्सपो और टेक ट्रैक केस बैटल

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। शहर एक रोमांचक अनुभव के लिए तैयारी कर रहा है। क्योंकि विद्युत 25 ईवी एक्सपो और टेक ट्रैक केस बैटल मंगलवार की सुबह आठ बजे से रात आठ बजे तक चलेगा। मैनिट में होने वाले कार्यक्रम में केवल वाहनों की एक प्रदर्शनी नहीं है, बल्कि यह ऐतिहासिक मंच है, जो सतत गतिशीलता की दिशा में यात्रा में प्रौद्योगिकी, नवाचार और नीति को एक साथ लाता है। इलेक्ट्रिकल और एवॉल्व क्लब द्वारा आयोजित एक्सपो का उद्घाटन एसीएस मनु श्रीवास्तव, एसीएस संजय कुमार दुबे यूएडीडी विभाग, यूएडीडी विभाग के अतिरिक्त आयुक्त परीक्षित झाडे और यूएडीडी विभाग संयुक्त निदेशक शिखा पोरस नरवाल की उपस्थिति में किया जाएगा। उनकी भागीदारी भारत को इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और स्वच्छ शहरी परिवहन की ओर तेजी से बढ़ाने के लिए सरकार और नागरिक निकायों की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

कोहेफिजा में विधवा से परिचित ने की ज्यादती

जागरण, भोपाल। कोहेफिजा में युवक ने शादी का झांसा देकर महिला से दुष्कर्म किया। पुलिस के अनुसार 30 वर्षीय पीड़िता गृहणी है। वर्ष 2023 में उसके पति की मौत हो गई थी। पीड़िता ससुराल को छोड़कर मायके शाहजहांनाबाद में रहने लगी। उसकी मुलाकात पुराने परिचित बजरिया निवासी दानिश उसमानी से हुई। दोनों के बीच हुई दोस्ती जल्द ही प्रेम प्रसंग में बदल गई। अप्रैल महीने में आरोपी ने महिला को घुमाने के बहाने एयरपोर्ट रोड की ओर ले गया। जहां उसने लालघाटी स्थित होटल प्लाजा इन में उसके साथ जबरन दुष्कर्म किया। विरोध करने पर आरोपी ने जल्द शादी करने का वादा किया। जब महिला ने आरोपी पर शादी का दबाव बनाया तो उसने मना कर दिया।

शहर के कई इलाकों में आज बिजली कटौती

जागरण संवाददाता, भोपाल। शहर में मंगलवार को भी कई इलाकों में बिजली कटौती की जाएगी। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी से मिली जानकारी के अनुसार आज इंद्रपुरी बी-सेक्टर, ए-सेक्टर, सिटी हार्ट हॉस्पिटल, कैनरा बैंक, अप्सरा कॉम्पलेक्स, अनंत श्री अस्पताल, सीपीआरआई कालोनी, डीके टावर, भरत नगर, नीरजा नगर, छत्रसाल नगर और आसपास सुबह 10 से शाम 4 बजे तक, त्रिलंगा स्थित राजीव गांधी कालेज, साउथ एवेन्यु, ग्रीन सिटी, आकाश गंगा, सहकारी परिसर, त्रिलोचन नगर व आसपास सुबह 10 से दोपहर 2 बजे तक, अरेरा हिल्स स्थित ग्रीन मेडोस कालोनी, रतनपुर स्थित महर्षि वेद विज्ञान विद्यापीठ, चैतन्य शिक्षा समिति, सहारा स्टेट कालोनी, भोजपाल कालोनी, 11 मील टावर, आकृति एक्वा सिटी व आसपास सुबह से दोपहर 3 बजे तक बिजली सप्लाई बंद रहेगी।

स्कूटर सवार को ट्रक ने मारी टक्कर, मौत

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। बिलखिरिया इलाके में अज्ञात ट्रक की टक्कर से एक्टिवा सवार की मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक, सौदान सिंह (48) खनपुरा रायसेन के रहने वाले थे। वह निजी काम करते थे और शराब पीने के आदी थे। रविवार रात करीब 10 बजे वह मंडीदीप से घर जाने के लिए एक्टिवा से निकले थे। वह अभी आंचमन ढाबे के सामने से गुजर रहे थे, तभी अज्ञात ट्रक ने उन्हें टक्कर मार दी। परिजन उन्हें लेकर हमीदिया अस्पताल पहुंचे। जहां डाक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस टक्कर मारने वाले वाहन की पहचान में जुटी है।

दो अक्टूबर को लोकार्पित हो सकता है नगर निगम का नया मुख्यालय

मैरिज सर्टिफिकेट, बिल्डिंग परमिशन, गुमास्ता सहित निगम से जुड़े सभी काम एक जगह होंगे

वन भवन के बाद कार्बन फुट प्रिंट कम करने शहर को मिली दूसरी ईको फ्रेंडली इमारत, सौर ऊर्जा से बनेगी बिजली

जागरण संवाददाता, भोपाल। शहरवासियों को अब मैरिज सर्टिफिकेट, बिल्डिंग परमिशन, गुमास्ता सहित निगम से जुड़े सभी कार्यों को करवाने के लिए एक कार्यालय से दूसरे कार्यालय तक भटकना नहीं पड़ेगा। दरअसल नगर निगम द्वारा तुलसी नगर में सेकेंड स्टॉप के पास तैयार नए नगर निगम मुख्यालय का लोकार्पण जल्दी ही करवाया जा सकता है। सूत्रों के अनुसार निगम कार्यालय में सिविल वर्क और इंटीरियर सहित सभी बड़े कार्य 100 फीसदी तक हो गए हैं। वर्तमान में कुछ छोटे छोटे काम ही बाकी बचे हैं, जिन्हें जल्दी पूरा कर लिया जाएगा। इसके बाद इमारत को सही समय देखकर लोकार्पित किया जा सकता है। सूत्र बता रहे हैं कि शहर वासियों को 2 अक्टूबर को भोपाल मेट्रो के साथ ही नए निगम मुख्यालय की भी सौगात मिल सकती है। इसके बाद लोग नगर निगम से जुड़े सभी कार्य एक ही जगह पर जाकर करवा सकेंगे। नवीन निगम मुख्यालय की इमारत वन भवन के बाद शहर की दूसरी पर्यावरण अनुकूल इमारत होगी। इस इमारत में दोपहर के समय बिजली जलाने की जरूरत नहीं होगी। इमारत में बिजली के लिए सौर ऊर्जा संयंत्र लगाया जाएगा, जिससे मिलने वाली बिजली से ही पूरी इमारत को रोशन किया जाएगा। इमारत में आधुनिक वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम भी लगाया जा रहा है, जिससे इमारत की छत पर गिरने वाले 80 फीसदी से ज्यादा बारिश के पानी को सहेजकर जमीन में उतारा जाएगा, जिससे आसपास के इलाके का भूमिगत जल स्तर भी बढ़ेगा और जमीन में साफ पानी पहुंचाने से भूमिगत जल में पहले से मौजूद ई-कोलाई और पैरामिशियम जैसे सूक्ष्मजीवों का भी निपटारा किया जाएगा, जिससे भूमिगत जल की गुणवत्ता सुधरेगी।

- 40 करोड़ की लागत से बना है नवीन निगम मुख्यालय
- 320 किलो वॉट बिजली होगी तैयार
- 1 फीसदी रिसाइकल लोहा इमारत में हुआ है उपयोग
- 80 फीसदी से ज्यादा बारिश का पानी सहेजा जाएगा

नौ मंजिला भवन में लगेंगे निगम के सभी कार्यालय

निगम द्वारा तैयार नौ मंजिला भवन में अब एक ही जगह पर नगर निगम के सभी कार्यालय लगा करेंगे। पहले निगम से जुड़े कार्यालयों के लिए लोगों को आईएसबीटी और माता मंदिर स्थित कार्यालय में भटकना पड़ता था, लेकिन अब एक ही जगह पर सारी सुविधाएं मिलेंगी। मकान निर्माण के लिए भी शाहपुरा स्थित भवन अनुज्ञा कार्यालय जाना पड़ता था। लेकिन अब सारे काम निगम मुख्यालय में ही होंगे। इससे काम में तेजी आएगी और फिजूलखर्ची भी रुकेगी। नवीन निगम मुख्यालय में दिव्यांगों के लिए भी सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। साथ ही महिलाओं के लिए फीडिंग रूम सहित अन्य सुविधाएं भी मिलेंगी। बता दें कि इस इमारत के निर्माण में लगभग 40 करोड़ की भारी भरकम राशि खर्च की गई है। जब इमारत का निर्माण शुरू किया गया था तो इसका अनुमानित बजट लगभग 22 करोड़ रुपए तय किया गया था।

पार्किंग में लगाया सौलर पैनल 320 किलोवाट बिजली बनेगी

नवीन मुख्यालय में वाहनों के पार्किंग क्षेत्र में सौलर पैनल लगाया जा रहा है। लगभग 200 फीट लंबे और 39 फीट चौड़े क्षेत्र में लगाए गए इस सौलर पैनल से 320 किलो वाट बिजली का उत्पादन होगा। भवन की डिजाइन ऐसी हैं कि दोपहर में बिजली जलाने की जरूरत नहीं होगी और भवन की छत पर गिरने वाले पानी को सहेजकर जमीन में पहुंचाने की भी व्यवस्था की गई है। भवन में लगाए गए लोहे का कुछ हिस्सा रिसाइकल लोहे का है। भवन के शौचालय में उपयोग होने वाले पानी को सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट से ट्रीट कर सिंचाई के लिए उपयोग किया जाएगा। इमारत में लगी ईंटे भी रिसाइकल पदार्थों से तैयार हैं और इसे फ्लाई एश कहा जाता है, जो बिजली संयंत्रों से मिलने वाली राख में सीमेंट रेत और चूने को मिलाकर बनाई जाती हैं। इससे इमारत में गर्मी में ठंडी और ठंड में गर्म बनी रहती है। जिससे भी ऊर्जा की बचत होती है।

नवीन निगम मुख्यालय का 90 फीसदी से ज्यादा काम पूरा हो गया है। जल्दी ही इसे लोकार्पित किया जाएगा, जिससे आम लोगों के काम आसानी से होने लगेंगे।

■ **मालती राय**, महापौर, भोपाल

वीआईपी रोड पर आगे चल रहे कंटेनर में घुसी तेज रफ्तार एसयूवी, युवक की मौत

डैशबोर्ड और सीट के बीच फंस गया था चालक, सोमवार सुबह पांच बजे की घटना

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। वीआईपी रोड पर राजाभोज की प्रतिमा के पास एक तेज रफ्तार एसयूवी आगे चल रहे कंटेनर में घुस गई। सोमवार सुबह पांच बजे हुए हादसे में युवक की दर्दनाक मौत हो गई। जबकि गाड़ी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। चालक डैशबोर्ड और सीट के बीच फंस गया था। चारों एयरबैग खुल गए थे। राहगीरों ने चालक को बाहर निकाला। तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। हाल ही में उसके दादाजी का निधन हो गया था। कोहेफिजा पुलिस ने पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। कोहेफिजा पुलिस के मुताबिक 29 वर्षीय शांतनु अग्निहोत्री पिता संजीव दानिश कुंज कोलार में रहता था। संजीव मंडी बोर्ड में प्रोग्रामर हैं। शांतनु ने इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट आफ होटल मैनेजमेंट (आईआईएचएम) न्यूजीलैंड से ग्रेजुएशन किया था। एक साल पहले वह न्यूजीलैंड से लौटकर भोपाल आया था। वह यहीं रहकर गार्डनिंग से जुड़ा बिजनेस करने वाला था।

दोस्तों से मिलकर लौट रहा था

रविवार को शांतनु दोस्तों से मिलने के लिए एयरपोर्ट रोड गया था। जहां से सोमवार सुबह पांच बजे लौट रहा था। वह अभी वीआईपी रोड राजाभोज की प्रतिमा के पास पहुंचा था, तभी आगे चल रहे कंटेनर ने अचानक ब्रेक मारा तो उसकी एसयूवी अंदर घुस गई। राहगीरों ने 108 की मदद से घायल को अस्पताल पहुंचाया। जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने शव बरामद कर पीएम के लिए भिजवाया। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

कार की टक्कर से घायल युवक की 11वें दिन मौत

भोपाल। बिडला मंदिर के पास कार की टक्कर से घायल युवक ने भी 11वें दिन दम तोड़ दिया है। हादसे में उसके दोस्त की मौके पर ही मौत हो गई थी। घटना के वक्त दोनों दोस्त रोशनपुरा से नाश्ता करके घर लौट रहे थे। अरेरा हिल्स पुलिस ने पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। अरेरा हिल्स पुलिस के मुताबिक, 25 वर्षीय चंद्रप्रकाश तिवारी पिता नरेंद्र तिवारी भीमनगर में रहता था। गत 27 अगस्त की सुबह सात बजे गणेश झांकी से काम करने के बाद दोस्त विपिन के साथ नाश्ता करने रोशनपुरा गया था। लौटते वक्त बिडला मंदिर के पास सामने से आ रही कार ने उन्हें टक्कर मार दी थी। हादसे में बाइक चला रहे विपिन की मौके पर ही मौत हो गई थी। जबकि चंद्रप्रकाश गंभीर रूप से घायल हो गया था। उसके सिर व शरीर के अन्य हिस्सों में अंदरूनी चोट आई थी। उसका हमीदिया अस्पताल में इलाज चल रहा था। जहां इलाज के दौरान रविवार देर रात 12 बजे उसकी मौत हो गई। पुलिस इस मामले में पूर्व में ही कार चालक के खिलाफ केस दर्ज कर चुकी है।

प्रतिमा पर तत्थर फेंके जाने के बाद बड़ी संख्या में लोगों ने प्रदर्शन किया और चक्काजाम किया। छायाः एचसी वर्मा

गणेश झांकी पर पथराव, गौतमनगर में तनाव, हिंदू संगठनों ने किया चक्काजाम

भारी पुलिस बल तैनात, शासन-प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। सोमवार रात पुराने शहर के गौतमनगर इलाके में तनाव की स्थिति बन गई। विसर्जन के लिए जा रही गणेशजी की झांकी पर आधा दर्जन उपद्रवियों ने पथराव कर दिया। इससे मूर्ति खंडित हो गई। सूचना मिलते ही बजरंग दल समेत अन्य धार्मिक संगठन एकजुट हो गए। कार्यकर्ता झांकी लेकर डीआईजी बंगला चौराहे पर धरने पर बैठ गए। प्रदर्शन के दौरान शासन-प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी कर चक्काजाम कर दिया। सुरक्षा के लिहाज से भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया। पुलिस के मुताबिक, सोमवार रात करीब आठ बजे पूर्वी निशातपुरा की गणेश झांकी विसर्जन के लिए निकली था। चूंकि रविवार को चंद्रग्रहण था इसलिए झांकी को सोमवार को विसर्जन के लिए समिति के सदस्य ले जा रहे थे। सदस्य भजन-कीर्तन कर झांकी ले जा रहे थे। झांकी आरिफ नगर के पास से गुजर रही थी। तभी 5-6 उपद्रवियों ने झांकी पर पथराव कर दिया। पथराव से मूर्ति खंडित हो गई। इस पर बवाल हो गया। समिति के सदस्यों ने पुलिस को सूचना देने के साथ हिंदू संगठनों को घटना के बारे में बताया। कुछ ही देर में कई हिंदू संगठन एकत्रित हो गए। घटना के विरोध कार्यकर्ताओं ने झांकी को डीआईजी बंगला चौराहे पर रोक कर प्रदर्शन शुरू कर दिया।

500 से अधिक कार्यकर्ता जुटे

करीब 500 से अधिक कार्यकर्ताओं ने शासन-प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी। जयश्री राम के नारे लगे। स्थिति पर काबू पाने के लिए भारी पुलिस बल तैनात हो गया। कार्यकर्ताओं ने चक्काजाम कर आरोपियों के पकड़ने और उनके खिलाफ सख्त कार्यवाही की मांग की। स्थिति पर नियंत्रण पाने के लिए पुलिस अधिकारियों ने कार्यकर्ताओं से बात की, उन्हें समझाइश दी। कार्यकर्ता आरोपियों को पकड़ने की बात पर अड़े रहे।

तिवारी ने कहा- हमारी आस्था पर प्रहार

हिंदू उत्सव समिति के अध्यक्ष चंद्रशेखर तिवारी का कहना है यह हमारी आस्था पर प्रहार है। हम इसे कतई बर्दाश्त नहीं करेंगे। विसर्जन के दौरान प्रशासन की ओर से आरएएफ की टुकड़ी तैनात क्यों नहीं की गई। पुलिस की अतिरिक्त सुरक्षा उपलब्ध कराना था। उपद्रवियों को गिरफ्तार कर कार्यवाही की जाए।

घटना के संबंध में जांच की जा रही है। पुष्टि होने के बाद कार्रवाई की जाएगी। समिति के सदस्यों से आवेदन ले लिया गया है।

■ **हरिनारायणचारी मिश्र**, पुलिस कमिश्नर

पति ने वेतन में से 1500 रुपए खर्च किए तो पत्नी ने दे दी जान

एक दिन चले इलाज के बाद एम्स में तोड़ा दम

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। वेतन में से 1500 रुपए खर्च करने से नाराज पत्नी ने चूहा मार दवा खाकर खुदकुशी कर ली। एक दिन चले इलाज के बाद महिला ने एम्स में दम तोड़ दिया। पुलिस ने पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। बागसेवनिया पुलिस के मुताबिक बागमुगालिया में रहने वाली 33 वर्षीय पिंकी पवार घरों में काम करती थी। उसका पति सोनू पवार कार चालक है। उनके पांच बच्चों में चार बेटी और एक बेटा है। शनिवार को सोनू को वेतन मिला था, जिसमें से उसने 1500 रुपए खर्च कर दिए थे। पिंकी ने विरोध करते हुए बोला इतने पैसे कहां गए। इस पर सोनू ने कहा कि इतना खर्च करना तो बनता है। पिंकी ने बोला कि ऐसे में कैसे घर खर्च चलेगा। लेकिन सोनू ने उसकी बात अनसुनी कर दी। गुस्से में आकर पिंकी ने घर में रखी चूहा मार दवा खा ली। तबीयत बिगड़ने पर उसे एम्स में भर्ती कराया गया। जहां इलाज के दौरान रविवार को उसकी मौत हो गई। इधर, खजूरी सड़क इलाके के ग्राम तूमड़ा फंदा में ग्राम आमरोद थाना दोराहा सीहोर निवासी संदीप (25) ने सल्फास की गोलियां खाकर खुदकुशी कर ली। पुलिस के अनुसार संदीप खेती किसानी के साथ निजी काम भी करता था। वह शराब पीने का आदी थी।

अवैध शराब की 14 पेटियों के साथ तस्कर गिरफ्तार

जागरण, भोपाल। बैरसिया पुलिस ने शराब तस्करी को गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से 14 पेटी देशी शराब और ऑल्टो कार जब्त की है। कार समेत शराब की कीमत साढ़े पांच लाख रूपए बताई जा रही है। सोमवार को मुखबिर से सूचना मिली कि एक व्यक्ति को हिरनखेड़ी से तरावलीकलां की ओर शराब लेकर आ रहा है। जिस पर पुलिस टीम ने एक ऑल्टो कार को घेराबंदी कर रोका। तलाशी के दौरान कार से अवैध देशी शराब की 14 पेटियां (कुल 126 लीटर) बरामद हुईं। आरोपी से पूछताछ के दौरान कोई दस्तावेज नहीं दिखाने पर पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की पहचान वर्षीय 34 मंगलसिंह उर्फ सोनू ठाकुर निवासी ग्राम पीपलखेडा थाना गुनगा के रूप में हुई।

यात्रियों को सुविधा — इटारसी, भोपाल और बीना के लोग कर सकेंगे सफर

भोपाल स्टेशन से गुजरेंगी 3 जोड़ी छठ स्पेशल ट्रेन

कार्यालय संवाददाता, भोपाल। रेलवे द्वारा दीवाली व छठ पूजा के दौरान विशेष ट्रेन चलाने का निर्णय लिया गया है। इन ट्रेनों से यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को सीट मिलना आसान होगा। छठ पूजा स्पेशल ट्रेन भोपाल मंडल के इटारसी, भोपाल और बीना रेलवे स्टेशन से होकर गुजरेंगी। जिसका फायदा इन स्टेशनों के यात्रियों को होगा।

मुंबई-गोरखपुर-मुंबई स्पेशल

गाड़ी संख्या 01079 स्पेशल 26 सितंबर से 30 नवंबर तक रात 10:30 बजे मुम्बई (सीएसएमटी) से प्रस्थान कर अगले दिन 10 बजे गोरखपुर पहुंचेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 01080 स्पेशल 28 सितंबर से 2 दिसंबर के बीच गोरखपुर से 11.30 बजे प्रस्थान कर अगले दिन रात के 12.40 बजे मुम्बई (सीएसएमटी) पहुंचेगी। यह ट्रेन कुल 66 फेरे लगाएगी। इसमें एक वातानुकूलित 10 स्लीपर, 5 सामान्य श्रेणी, 3 थर्ड एसी, 2 एसएलआर सहित कुल 20 कोच होंगे।

ठहरावः दादर सेन्ट्रल, ठाणे, कल्याण, इगतपुरी, नासिक रोड, मनमाण, जलगांव, भुसावल, खंडवा, इटारसी, भोपाल, बीना, वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई (झांसी), उरई, कानपुर सेंट्रल, लखनऊ, गोंडा, बस्ती, खलीलाबाद।

पुणे-गोरखपुर-पुणे स्पेशल एक्सप्रेस

गाड़ी संख्या 01415 स्पेशल 27 सितंबर से 30 नवंबर तक 6.50 बजे पुणे से प्रस्थान कर अगले दिन 4 बजे गोरखपुर पहुंचेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 01416 स्पेशल 28 सितंबर से 1 दिसंबर के बीच गोरखपुर से शाम 5.30 बजे प्रस्थान कर अगले दिन 3.15 बजे पुणे पहुंचेगी। इस ट्रेन में एक वातानुकूलित, 6 स्लीपर, 6 सामान्य श्रेणी, 4 थर्ड एसी, 2 एसएलआर सहित कुल 18 कोच होंगे।

ठहरावः दौंड कोर्ड लाइन, अहमदनगर, कोपरगांव, मनमाड़, भुसावल, खंडवा, इटारसी, भोपाल, बीना, वीरांगना लक्ष्मी बाई झांसी, कानपुर सेन्ट्रल, लखनऊ, गोंडा, बस्ती।

नागपुर-समस्तीपुर-नागपुर स्पेशल

गाड़ी संख्या 01207 स्पेशल 24 सितंबर से 26 नवंबर तक बुधवार 10.40 बजे नागपुर से प्रस्थान कर गुरूवार 9.30 एवं गाड़ी संख्या 01208 स्पेशल 25 सितंबर से 27 नवंबर के बीच समस्तीपुर से गुरूवार रात 11.45 बजे प्रस्थान कर शनिवार 7 बजे नागपुर पहुंचेगी। इस ट्रेन में एक वातानुकूलित, 6 स्लीपर, 6 सामान्य श्रेणी, 4 थर्ड एसी, 2 एसएलआर सहित कुल 18 कोच होंगे।

ठहरावः बैतूल, इटारसी, भोपाल, बीना, वीरांगना लक्ष्मी बाई झांसी, कानपुर सेन्ट्रल, ऐशबाग, गोंडा, बस्ती, गोरखपुर, छपरा, हाजीपुर, मुजफ्फरपुर।

80 कब्जेधारियों को नोटिस जल्द हो सकती है कार्रवाई

कोकता में पशुपालन विभाग की जमीन पर कब्जे का मामला

जागरण संवाददाता, भोपाल। पशुपालन विभाग की जमीन पर बने 80 से ज्यादा कब्जों को हटाने जिला प्रशासन ने सोमवार से कार्रवाई शुरू कर दी है। सोमवार को तहसीलदार सौरभ वर्मा ने पहली बार 80 कब्जाधारियों को नोटिस दिए। यह नोटिस राजस्व निरीक्षक और पटवारियों द्वारा किए गए सर्वे के आधार पर तैयार की गई है, जिसके तहत यदि कब्जा धारियों ने अपने कब्जे नहीं हटाए तो जिला प्रशासन द्वारा बुलडोजर चलाकर कब्जे हटवाने की कार्रवाई की जाएगी। तहसीलदार वर्मा के अनुसार पशुपालन विभाग की छह एकड़ जमीन पर कब्जे मिले हैं। इन अतिक्रमणकारियों को नोटिस जारी किए गए हैं। हालांकि सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन के अनुसार आवासीय कब्जों को अपील व शिफ्टिंग के लिए नियमों के तहत समय देंगे और बाद में शिफ्टिंग में भी मदद की जाएगी।

इन्हें दिए नोटिस : पशुपालन विभाग की जमीन पर स्थित नगर निगम की 50 दुकानों, डायमंड सिटी कॉलोनी के 20 मकान, एसटीपी प्लांट, एचपी पेट्रोल पंप, कस्तूरी कोर्टयार्ड कॉलोनी का गेट, रोड व पार्क, द ग्रीन स्क्रेप मेंशन शादी हॉल व रिसोर्ट, बीपीएस स्कूल, राजधानी परिसर पहुंच मार्ग, कोकता बायपास पर 200 फीट जमीन, दो एकड़ भूमि में कृषि कार्य, शंकराचार्य फार्म्स का पहुंच मार्ग, दो एकड़ भूमि में कृषि कार्य, एक एकड़ जमीन पर कृषि कार्य, एक एकड़ जमीन पर खेती सहित 50, 40, 40 डेसीमल जमीन पर अलग-अलग लोगों की ओर से खेती कार्य को रोक कर कब्जे हटाने के लिए नोटिस जारी किए गए हैं।

संस्थापक ▸ गुरुदेव गुप्त

संपादकीय

किसानों पर बरसी लाठियां प्रशासनिक विफलता

भिंड जिले की लहार तहसील में खाद के लिए घंटों से कतार में लगे किसानों पर चली पुलिस की लाठियां, कानून-व्यवस्था की मामूली घटना नहीं बल्कि यह प्रदेश की खाद वितरण व्यवस्था की विफलता का एक नमूना है। अभी कुछ समय पूर्व रीवा में भी खाद की मांग कर रहे किसानों को पुलिस बल प्रयोग का सामना करना पड़ा था। प्रदेश के अलग-अलग कोनों से खाद के किल्लत की खबरें एक ही कहानी कह रही हैं - मध्य प्रदेश का किसान परेशान है, व्यवस्थाएं चरमरा रही हैं और संवाद की जगह लाठियां ले रही हैं।

दरअसल, यह संकट बहुस्तरीय है और इसकी जड़े प्रशासनिक विफलता, मांग-आपूर्ति के असंतुलन और नीतिगत खामियों में निहित हैं। रबी के मौसम की शुरुआत किसानों के लिए सबसे महत्वपूर्ण समय होता है। गेंहू, चना और सरसों जैसी प्रमुख फसलों की बुवाई के लिए डीएपी और यूरिया जैसे उर्वरकों की समय पर उपलब्धता फसल के भविष्य को तय करती है। किसान अपनी मेहनत की कमाई और उम्मीदों को खेत में बोने के लिए तैयार खड़ा होता है, लेकिन जब उसे सबसे जरूरी चीज, यानी खाद के लिए सहकारी समितियों के बाहर रात-रात भर जागना पड़े या फिर बरसात और धूप में लंबी कतार में खड़ा होना पड़े, तो यह व्यवस्था पर एक गंभीर प्रश्नचिन्ह लगाता है।

सरकार भले ही खाद की पर्याप्त उपलब्धता के दावे करती रहे, लेकिन जमीनी हकीकत इन दावों के ठीक उलट है। सहकारी समितियां, जो किसानों तक खाद पहुंचाने का सबसे बड़ा माध्यम हैं, खुद कई समस्याओं से जूझ रही हैं। कहीं समय पर खाद का रैक नहीं पहुंच रहा, तो कहीं वितरण में पारदर्शिता का अभाव है। इसका सीधा फायदा कालाबाजारी करने वाले उठा रहे हैं। खबरें आम हैं कि जो खाद समिति में 800-1200 रुपये में मिलनी चाहिए, वही खुले बाजार में दोगुनी-तिगुनी कीमत पर बिक रही है। छोटा और सीमांत किसान, इस लूट का सबसे आसान शिकार बनता है। उसके पास घंटों और दिनों तक लाइन में लगने के सिवा कोई चारा नहीं बचता।

जब किसान इस अव्यवस्था के खिलाफ आवाज उठाता है, तो प्रशासन का रवैया स्थिति को और भी बिगाड़ देता है। भिंड और रीवा की घटनाएं इसी प्रशासनिक असंवेदनशीलता का प्रमाण हैं। किसानों की भीड़ को नियंत्रित करने, उनसे संवाद स्थापित करने और उनकी समस्याओं का समाधान निकालने की बजाय, उन पर बल प्रयोग करना सबसे आसान रहा है। यह विडंबना है कि जो किसान देश का पेट भरता है, उसे अपने हक के लिए अपमानित और प्रताड़ित होना पड़ रहा है। एक प्रधान आरक्षक को लाइन अटैच कर देना महज एक तात्कालिक और प्रतीकात्मक कार्रवाई है, यह उस बीमारी का इलाज नहीं है जिसने पूरी व्यवस्था को जकड़ रखा है।

इस संकट का प्रभाव केवल किसानों की शारीरिक और मानसिक पीड़ा तक सीमित नहीं है, इसका सीधा असर प्रदेश की कृषि अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा। खाद की कमी या देरी से बुवाई का मतलब है उत्पादन में गिरावट। कम उत्पादन न केवल किसान की आय को प्रभावित करेगा, बल्कि यह प्रदेश के कुल कृषि उत्पादन के आंकड़ो पर भी नकारात्मक असर डालेगा। मध्य प्रदेश, जिसे कई बार 'कृषि कर्मण पुरस्कार' से नवाजा गया है, के लिए यह स्थिति किसी भी नजरिए से अच्छी नहीं कही जा सकती।

लहार और रीवा में किसानों पर हुआ लाठीचार्ज महज भीड़ को तितर-बितर करने की घटना नहीं, बल्कियह सरकार और किसान के बीच टूटते भरोसे का प्रतीक है। यह संकट केवल खाद की कुछ बोरियों का नहीं, बल्कि नीति, नीयत और प्रबंधन का है। सरकार को तत्काल इस मुद्दे को सर्वोच्च प्राथमिकता पर लेना होगा। केवल आंकड़ों में खाद की उपलब्धता सुनिश्चित करने के बजाय, उसे अंतिम किसान तक समय पर और सही दाम पर पहुंचाना सुनिश्चित करना होगा। वितरण प्रणाली को पारदर्शी बनाना, कालाबाजारी पर सख्त अंकुश लगाना और सहकारी समितियों की कार्यप्रणाली को सुधारना सबसे पहली जरूरत है।

जैव-प्रौद्योगिकी क्षेत्र से कम होगी आयात पर निर्भरता

जैव प्रोद्योगिकी नीति

डॉ. निवेदिता शर्मा

> भारत 21वीं सदी में केवल सूचना प्रौद्योगिकी या अंतरिक्ष विज्ञान तक सीमित नहीं रहेगा, यह जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भी महाशक्ति बनने का इरादा रखता है। बायो ई3 नीति का प्रभाव केवल आर्थिक नहीं है, यह सामाजिक और पर्यावरणीय दृष्टि से भी उतना ही महत्वपूर्ण है। स्मार्ट प्रोटीन, टिकाऊ कृषि, कार्बन कैप्चर, समुद्री जैव प्रौद्योगिकी और कोशिका एवं जीन थेरेपी जैसे क्षेत्र न केवल वैज्ञानिक अनुसंधान को प्रोत्साहित करेंगे बल्कि भारत को आयात पर निर्भरता से भी मुक्त करेंगे।

भारत अब केवल अपनी जैव विविधता की धरोहर पर गर्व करने वाला देश नहीं रह गया है, उसने उस धरोहर को विज्ञान, नवाचार और आत्मनिर्भरता की शक्ति में बदलना शुरू कर दिया है। देश में जैव प्रौद्योगिकी अर्थव्यवस्था का नया इंजन बन रही है। पर्यावरणीय संतुलन, रोजगार सृजन और सामरिक स्वतंत्रता का भी प्रमुख आधार बनती जा रही है। हाल ही में केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने बायो ई3 नीति के अंतर्गत उच्च-निष्पादन वाले जैव-विनिर्माण प्लेटफार्मों का शुभारंभ किया। एक नजरिए से देखें तो यह कदम स्पष्ट संकेत देता है कि भारत 21वीं सदी में केवल सूचना प्रौद्योगिकी या अंतरिक्ष विज्ञान तक सीमित नहीं रहेगा, यह जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भी महाशक्ति बनने का इरादा रखता है।

समीक्षात्मक रूप से देखें तो दुनिया के कई देशों के बीच भारत की सबसे बड़ी ताकत उसकी जैव विविधता है। यह विश्व के 17 मेगाडायवर्स देशों में शामिल है। यहां लगभग पैंतालीस हजार से अधिक पौधों की प्रजातियाँ और नब्बे हजार से अधिक पशु प्रजातियाँ पाई जाती हैं। हिमालय की जड़ी-बूटियों से लेकर अंडमान-निकोबार के समुद्री संसाधनों तक, यह जैव संपदा बायोटेक्नोलॉजी के लिए अमूल्य स्रोत है। यही कारण है कि कृषि, औषधि, खाद्य प्रसंस्करण और समुद्री अनुसंधान जैसे क्षेत्रों में भारत तेजी से अग्रणी भूमिका निभा रहा है। परंपरागत आयुर्वेद और औषधीय पौधों का ज्ञान आधुनिक जैव प्रौद्योगिकी के साथ मिलकर वैश्विक स्वास्थ्य समाधान प्रस्तुत कर रहा है।

इस क्षेत्र में भारत की प्रगति पिछले एक दशक में असाधारण रही है। 2014 में देश की जैव-अर्थव्यवस्था लगभग दस अरब डॉलर के आसपास थी। 2023 तक यह बढ़कर डेढ़ सौ अरब डॉलर तक पहुंच गई और मार्च 2025 तक इसका आकार लगभग एक सौ पैंसठ अरब डॉलर हो गया। यह अब भारत की जीडीपी में चार प्रतिशत से अधिक का योगदान करती है और पिछले चार वर्षों में औसतन अठारह प्रतिशत की दर से बढ़ी है। सरकार का लक्ष्य है कि 2030 तक इसे तीन सौ अरब डॉलर तक ले जाया जाए। यह लक्ष्य अब अवास्तविक नहीं लगता क्योंकि बायोटेक स्टार्टअप्स की संख्या ही गवाही दे रही है। जहां 2014 में इनकी संख्या मात्र पचास थी, वहीं 2024 तक यह बढ़कर दस हजार से अधिक और 2025 में ग्यारह हजार तक पहुँच गई। इन स्टार्टअप्स को देश भर में सौ से अधिक इनक्यूबेटर और बीआईआरएसी जैसी संस्थाओं का समर्थन प्राप्त है।

इस सब के सार्थक परिणाम यह है कि भारत अब वैश्विक मानचित्र पर भी अपनी छाप छोड़ रहा है। विश्व की 121 प्रमुख जैव कंपनियों में से 21 भारत में स्थित हैं। यह उपलब्धि उस देश के लिए विशेष महत?व रखती है जिसे कभी तकनीकी अनुसरणकर्ता माना जाता था। हैदराबाद का नाम दुनिया के सात सबसे बड़े लाइफ-साइंसेज क्लस्टर्स में शामिल हो चुका है जहां पचपन हजार करोड़ रुपये से अधिक का निवेश आया है और दो लाख से अधिक नए रोजगार बने हैं। कर्नाटक राज्य ने अकेले ही तीस अरब डॉलर का बायो-आर्थिक योगदान दिया है और निकट भविष्य में तीस हज़ार अतिरिक्त रोजगार सृजित करने का लक्ष्य रखा है। असम पहला राज्य है जिसने बायो ई3 पहल को पूरी तरह से अपनाया है और पूर्वोत्तर को जैव प्रौद्योगिकी का नया केंद्र बनाने की दिशा में कदम बढ़ाया है।

यहां समझ लीजिए कि बायो ई3 नीति का प्रभाव केवल आर्थिक नहीं है, यह सामाजिक और पर्यावरणीय दृष्टि से भी उतना ही महत्वपूर्ण है। स्मार्ट प्रोटीन, टिकाऊ कृषि, कार्बन कैप्चर, समुद्री जैव प्रौद्योगिकी और कोशिका एवं जीन थेरेपी जैसे क्षेत्र न केवल वैज्ञानिक अनुसंधान को प्रोत्साहित करेंगे बल्कि भारत को आयात पर निर्भरता से भी मुक्त करेंगे। पेट्रोलियम आयात को घटाने के लिए ईथेनॉल मिश्रण का प्रयास इसका उदाहरण है। 2014 में पेट्रोल में इथेनॉल मिश्रण मात्र डेढ़ प्रतिशत था जो 2024 में पंद्रह प्रतिशत तक पहुँच गया। इसके कारण लगभग सत्रह मिलियन टन कच्चे तेल के आयात से बचाव हुआ और करीब एक लाख करोड़ रुपये की विदेशी मुद्रा की बचत हुई। इस साल के अंत के बाद जो आंकड़े आएंगे, उम्?मीद है कि यह पंद्रह प्रतिशत से बढ़कर ही आएंगे।

जैव प्रौद्योगिकी का महत्व कोविड-19 महामारी के दौरान और भी स्पष्ट हो गया जब भारत ने रिकॉर्ड समय में वैक्सीन विकसित कर पूरी दुनिया को आपूर्ति की। जिन देशों ने समय पर वैक्सीन प्राप्त की, उनमें भारत की भूमिका निर्णायक रही। इससे यह स्पष्ट हो गया कि जैव प्रौद्योगिकी आज विज्ञान से आगे भू-राजनीतिक शक्ति का भी स्रोत बन चुका है। फिर भी चुनौतियाँ कम नहीं हैं। अभी भी वेक्टर और प्लास्मिड जैसे आवश्यक बायोलॉजिकल इनपुट्स का उत्पादन देश में सीमित है। प्रोबायोटिक्स जैसे क्षेत्रों में नियामकीय बाधाएँ उद्यमियों को परेशान करती हैं। अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा में बने रहने के लिए निजी निवेश और विदेशी सहयोग को और बढ़ाना होगा। कॉन्ट्रैक्ट ड्रग मैन्युफैक्चरिंग के क्षेत्र में भारत के सामने बड़ा अवसर है परंतु चीन जैसे देशों से प्रतिस्पर्धा के लिए लागत और नीति में लचीलापन आवश्यक होगा।

शिक्षा और उद्योग के बीच सहयोग को गहरा करना भी अत्यंत आवश्यक है। विश्वविद्यालयों और अनुसंधान केंद्रों में जो ज्ञान उत्पन्न होता है, उसे तभी सार्थक बनाया जा सकता है जब वह उद्योग और समाज तक पहुँचे। स्टार्टअप्स को केवल शुरुआती समर्थन ही नहीं, बल्कि दीर्घकालिक निवेश, वैश्विक साझेदारियाँ और मजबूत नैदानिक मान्यता भी चाहिए। सरकार का कार्य बीज बोना है परंतु उद्योग जगत को उसे फलने-फूलने योग्य बनाना होगा।

वर्तमान में भारत की जैव विविधता, उसकी पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली और आधुनिक वैज्ञानिक क्षमता मिलकर एक ऐसा परिदृश्य रच रहे हैं जिसमें भारत आत्मनिर्भर होगा ही साथ ही वह वैश्विक नेता भी बनेगा। अफ़्रीका और एशिया के विकासशील देशों के लिए भारत टिकाऊ कृषि, सस्ती दवाएं और पर्यावरणीय समाधान उपलब्ध कराएगा। इससे भारत की छवि केवल विज्ञान और प्रौद्योगिकी तक सीमित नहीं रहेगी बल्कि वह अंतरराष्ट्रीय सहयोग का अग्रणी देश भी बनेगा।

बायोई3 नीति की प्रमुख विशेषताओं में अनुसंधान एवं विकास तथा उद्यमिता को नवाचार-संचालित समर्थन प्रदान करना शामिल है। इससे जैव-निर्माण एवं प्रौद्योगिकी विकास और व्यावसायीकरण में तेज़ी आएगी। कुल मिलाकर, यह नीति नेट ज़ीरो कार्बन अर्थव्यवस्था और सर्कुलर बायोइकोनॉमी को बढ़ावा देकर भारत को त्वरित हरित विकास के पथ पर अग्रसर करेगी।

हमारा वर्तमान युग, जलवायु परिवर्तन शमन, खाद्य सुरक्षा और मानव स्वास्थ्य जैसे कुछ महत्वपूर्ण सामाजिक मुद्दों के समाधान हेतु जीव विज्ञान के औद्योगीकरण में निवेश करने का एक उपयुक्त समय है। यदि हम अपनी विविधता को जिम्मेदारी से प्रौद्योगिकी और नवाचार में बदल सकें तो जैव प्रौद्योगिकी वास्तव में विकसित भारत की आधारशिला बन सकती है। जैसे 1990 के दशक में सूचना प्रौद्योगिकी ने भारत की वैश्विक छवि को बदला था, वैसे ही आज जैव प्रौद्योगिकी उसी परिवर्तन का नया साधन बनने जा रही है। आने वाले वर्षों में बीटी यानी बायोटेक्नोलॉजी वह शब्द होगा जो भारत की विकासगाथा को परिभाषित करेगा। यह स्वास्थ्य, कृषि, पर्यावरण और कूटनीति सभी को प्रभावित करेगा। इन सभी तथ्यों के प्रकाश में आप कह सकते हैं कि स्वतंत्रता की शताब्दी की ओर बढ़ते भारत के लिए यही वह क्षेत्र है जो विकसित भारत के सपने को साकार करने की शक्ति रखता है।

भिक्षावृत्ति से मुक्ति के लिए केंद्रीय कानून की जरूरत

सामाजिक सरोकार

विनोद पाठक

> भारत ही नहीं, दुनिया के कई देश भिखारियों की समस्या से जूझ रहे हैं। आज किसी भी नगर या महानगर के करीब-करीब प्रत्येक चौराहे, भीड़भाड़ वाले बाजारों, मंदिरों या अन्य प्रार्थना स्थलों के बाहर भिखारियों को देख सकते हैं। विडंबना यह है कि भिखारियों को लेकर देश में कोई विशेष कानून नहीं है, लेकिन अब मध्यप्रदेश, मिजोरम ने इस दिशा में पहल की है, लेकिन सख्ती से अमल कराने के लिए केंद्रीय नीति की जरूरत महसूस की जा रही है।

भारत में भीख मांगना कोई नई समस्या नहीं है। वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार देश में करीब 4 लाख भिखारी थे। हालांकि, वास्तविक संख्या इससे कई गुना अधिक है। दिल्ली, मुंबई, कोलकाता समेत अधिकांश बड़े शहरों में भीख मांगना धंधा बन चुका है। फिल्म निर्माता-निर्देशक मधुर भंडारकर ने वर्ष 2007 में ट्रैफिक सिग्नल नाम की फिल्म बनाई थी। फिल्म भिखारियों के नेटवर्क पर आधारित थी। फिल्म में बखूबी दिखाया गया कि कैसे मुंबई के एक व्यस्त चौराहे के ट्रैफिक सिग्नल पर अलग-अलग तरीकों से भीख मांगी जाती है। दरअसल, भारत ही नहीं, दुनिया के कई देश भिखारियों की समस्या से जूझ रहे हैं। आज किसी भी नगर या महानगर के करीब-करीब प्रत्येक चौराहे, भीड़भाड़ वाले बाजारों, मंदिरों या अन्य प्रार्थना स्थलों के बाहर भिखारियों को देख सकते हैं। विडंबना यह है कि भिखारियों को लेकर देश में कोई विशेष कानून नहीं है, लेकिन अब मिजोरम ने अब राह दिखाई है।

उत्तर पूर्व के छोटे से राज्य मिजोरम ने अपने यहां भीख मांगने को पूर्णतः प्रतिबंधित कर दिया है। मिजोरम भिक्षावृत्ति निषेध विधेयक 2025 का मकसद केवल भीख मांगने पर रोक लगाना नहीं, बल्कि भिखारियों का पुनर्वास एवं उन्हें स्थाई आजीविका उपलब्ध कराना भी है। इसी तरह कुछ माह पहले मध्य प्रदेश में भी भीख मांगने और देने पर रोक लगाई गई थी, लेकिन अमल पर ढिलाई के चलते यह ज्यादा असरकारक नजर नहीं आई।

भारत में भीख मांगना कोई नई समस्या नहीं है। वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार देश में करीब 4 लाख भिखारी थे। हालांकि, वास्तविक संख्या इससे कई गुना अधिक है। दिल्ली, मुंबई, कोलकाता समेत अधिकांश बड़े शहरों में भीख मांगना धंधा बन चुका है। कुछ रिपोर्ट्स में यहां तक कहा गया है कि बड़े शहरों में एक भिखारी प्रतिदिन 500 से 1500 रुपए तक कमा लेता है। कई शहरों में भीख मांगना एक संगठित उद्योग का रूप ले चुका है। ऐसी भी रिपोर्ट्स आई हैं कि भिखारियों को नियंत्रित करने वाले गिरोह उन्हें क्षेत्र बांटकर देते हैं।

भारत में इस समस्या को लेकर कोई केंद्रीय कानून मौजूद नहीं है। हालांकि, राज्यों ने भिक्षावृत्ति रोकने के लिए अपने-अपने एक्ट बनाए हैं। इनमें सबसे प्रमुख बॉम्बे प्रिवेंशन ऑफ बेगिंग एक्ट, 1959 है, जिस पर कई राज्यों ने अपने कानून आधारित किए हैं, जिसके तहत सार्वजनिक स्थानों पर भीख मांगना अपराध माना गया है।

दोषी को जुर्माना या जेल की सजा दी जा सकती है। कई बार भिखारी को सुधारगृह भेजा जाता है। केंद्र और राज्य सरकारें भिखारियों को मुख्य धारा से जोड़ने के लिए कुछ योजनाएं भी चला रही हैं। ऐसे समाचार भी हैं कि सरकार भिखारियों का डाटाबेस तैयार कर रही है, जिससे उन्हें आधार, जन-धन खाता और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से जोड़ा जा सके। वैसे, देश की अदालतों की भिक्षावृत्ति को लेकर अलग राय है। वर्ष 2018 में दिल्ली हाईकोर्ट ने अपना एक फैसला सुनाते हुए कहा था कि भीख मांगना अपराध नहीं है, बल्कि यह गरीबी और बेरोजगारी जैसी गहरी समस्याओं का परिणाम है। अदालत ने दिल्ली और मुंबई में भीख को अपराध मानने वाले प्रावधानों को असंवैधानिक करार दिया। अदालत का स्पष्ट कहना था कि भिक्षावृत्ति की समस्या का समाधान दंड नहीं, बल्कि पुनर्वास है।

दुनिया के दूसरे देशों में भिक्षावृत्ति पर कानूनों की बात करें तो सबसे ताकतवर राष्ट्र अमेरिका के कुछ राज्यों में आक्रामक भीख मांगना अपराध है। हालांकि, यहां भी अदालतें इसे फ्रीडम ऑफ स्पीच मानती हैं। ब्रिटेन में वेग्रन्सी (आवारागर्दी) एक्ट 1824 अब ढीला कर दिया गया है। जर्मनी और फ्रांस में शांतिपूर्वक भीख मान्य है, लेकिन आक्रामक रूप से ऐसा करना अपराध है।

नॉर्वे और स्वीडन में स्थानीय स्तर पर भीख मांगने पर पाबंदी है। सऊदी अरब, यूएई एवं कतर में यह पूरी तरह गैर कानूनी है। दोषी पाए जाने पर जेल और विदेशी नागरिक होने पर देश से निष्कासन होता है। पड़ोसी देश चीन में भीख मांगने वालों को सुधारगृह भेजा जाता है। जापान में तो सामाजिक सुरक्षा इतनी मजबूत है कि भीख मांगना लगभग न के बराबर है।

न्यूजीलैंड में शांतिपूर्वक भीख वैध है, लेकिन धमकी या जबरदस्ती अपराध है। पड़ोसी देश पाकिस्तान में 20 लाख से अधिक लोग भिक्षावृत्ति में शामिल हैं। कराची, लाहौर, फ़ैसलाबाद, इस्लामाबाद जैसे बड़े शहरों में भीख एक संगठित कारोबार बन चुका है। वहां प्रोफेशनल भिखारी शब्द आम हो गया है, यानी ऐसे लोग जिनके लिए भीख एक स्थायी पेशा है। विडंबना यह है कि जिन चौराहों, मंदिरों, सड़कों या बाजारों में भिखारी घूम रहे हैं, वहां से सरकार के जिम्मेदार लोग रोजाना गुजरते हैं। वो इस समस्या को देखकर भी अनदेखा करते हैं। हालांकि, मिजोरम की राजधानी आइजोल में मात्र 30 से कुछ अधिक भिखारी हैं, जिनमें से अधिकतर गैर स्थानीय हैं। छोटे राज्य में एक बार को यह ऐसा कानून लागू करना संभव हो सकता है, लेकिन उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, कर्नाटक, बिहार, राजस्थान, मध्य प्रदेश जैसे बड़े राज्यों में नए सिरे से इस समस्या के निदान को लेकर कुछ हटकर सोचना होगा।

भिक्षावृत्ति को लेकर केंद्रीय कानून बनाना और उसे सख्ती से लागू कराना न केवल देशहित में है, बल्कि यह समय की मांग भी है। भिखारियों की बढ़ती संख्या के साथ विकसित भारत की कल्पना नहीं की जा सकती।

प्रसंगवश

गड़बड़ियों को ठीक करने आयोग दिखाए सक्रियता

> कर्नाटक में अलंद निर्वाचन क्षेत्र से मिले तथ्यों से चेतावनी की घंटी बजनी चाहिए। अधिकारियों ने शरारती तत्वों द्वारा दाखिल हजारों फॉर्म-7 आवेदनों का पता लगाया है, जिनमें से ज्यादातर का मकसद सूचियों से वैध मतदाताओं का नाम हटवाना था।

बिहार में निर्वाचक सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) ने चिंता खड़ी कर दी है, क्योंकि कुछ इलाकों में जनसांख्यिकीय पैटर्न और सांख्यिकीय अनुमानों के विपरीत विलोपन हुए हैं। विपक्ष ने देश भर में सूचियों को लेकर गंभीर मसलों के दावे किये हैं, लेकिन किसी राजनीतिक दल को लाभ पहुंचाने के लिए कपटपूर्ण जोड़-तोड़ के स्पष्ट सबूत अब भी उपलब्ध नहीं हैं। हालांकि, कर्नाटक में अलंद निर्वाचन क्षेत्र से मिले तथ्यों से चेतावनी की घंटी बजनी चाहिए। अधिकारियों ने शरारती तत्वों द्वारा दाखिल हजारों फॉर्म-7 आवेदनों का पता लगाया है, जिनमें से ज्यादातर का मकसद सूचियों से वैध मतदाताओं का नाम हटवाना था। इस मामले में समय पर हस्तक्षेप स्थानीय राजनीतिक नेताओं की तत्परता से संभव हो सका, न कि भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) की पहल से। आवेदन कपटपूर्ण थे, इसकी पुष्टि करने वाली स्वतंत्र जांच अटक गयी है, क्योंकि आयोग ने उस टेक्निकल रिकॉर्ड तक पहुंच देने से इनकार कर दिया है जिसके बगैर जांच की यह कवायद डाइनामिक आईपी एड्रेसों और डिस्पोजेबल फोन नंबरों की धुंध में गुम हो जाती है। इसके बावजूद, बिहार एसआईआर और अलंद आपस में दो मुद्दों के जरिए जुड़े हुए हैं- सत्यापन योग्य ब्योरों का अभाव और निर्वाचन आयोग का अग्र-सक्रियात्मक के बजाय प्रतिक्रियात्मक रुख।

अलंद में, जांच की नियति अब उस चुनाव निकाय के विवेक पर निर्भर करती हैं जिसकी प्रणालियों की शुचिता से समझौता किया गया। बिहार में, आयोग ने नामों और उन्हें हटाये जाने के कारणों को तब तक एक ऐसे फॉर्म में, जिसका बाह्य सत्यापन हो सके, जारी नहीं किया, जब तक कि सुप्रीम कोर्ट ने इसके लिए बाध्य नहीं किया।

आयोग के आधिकारिक दावों के स्वतंत्र परीक्षण को संभव बनाने वाली प्रक्रियाओं का अभाव वह भ्रंशरेखा है जिसने राजनीतिक दलों और आयोग के बीच विश्वास का संकट बढ़ाया है। राजनीतिक दलों के लिए, सूचियों में हर बदलाव चुनावी मैदान में बदलाव लाता है। बिहार में कई सीटें करीबी मुकाबले वाली हैं, ऐसे में अलंद में पिछले चुनाव में 700 से कम वोटों से जीत के अंतर ने राजनीतिक माहौल गर्म कर दिया है, क्योंकि वहां साल 2023 में

लगभग 6000 वोटरों का नाम जालसाजी करके हटाने की कोशिश की गयी। जब स्पष्टीकरण आंशिक होते हैं या बड़ी मशक्कत से हासिल होते हैं, तो सहज उपलब्ध डेटा द्वारा हल हो सकने वाले विवाद स्वाभाविक रूप से ऐसे पूर्वाग्रहों में बदल जाने के खतरे का सामना करते हैं, जिनका सत्यापन कठिन होता है। बिहार में न्यायिक हस्तक्षेप केंद्रीय भूमिका में आ चुका है। इसने शिकायतों का निवारण सुगम बनाया है, लेकिन यह भी उजागर किया है कि जब तक अदालती आदेश नहीं आया जरूरी कदम नहीं उठाये गये। खुलासे (डिसक्लोजर्स) हासिल करने के लिए अदालतों पर निर्भरता प्राधिकार के संतुलन को बदलती है और आयोग की प्रक्रियाओं को सवालों के घेरे में लाती है। भले ही प्रत्येक मामले को तकनीकी विफलता या प्रशासनिक चूक से व्याख्यायित कर दिया जाए, लेकिन एक साथ मिलकर वे दिखाते हैं कि कैसे सत्यापन-योग्य साक्ष्यों का अभाव प्रक्रियागत चिंताओं को व्यवस्थागत संदेह में बदल देता है। इन चिंताओं को दूर करने की जिम्मेदारी सीधे-सीधे आयोग पर है। इस लिहाज से, एक और न्यायिक हस्तक्षेप का इंतजार करने के बजाय, आयोग को अलंद से उठे आरोपों को गंभीरता से लेना चाहिए और जांच में मदद करनी चाहिए। उसे फॉर्म-7 का दुरुपयोग रोकने, खासकर प्रॉक्सी के जरिए मतदाता विलोपन को अवरुद्ध करने के लिए भी कदम उठाने चाहिए।

॥गीता॥

श्लोक

उद्यमेन हि सिध्यन्ति कार्याणि न मनोरथैः।
न हि सुसस्य सिंहस्य प्रविशन्ति मुखे मृगाः॥

भावार्थ

कोई भी काम कड़ी मेहनत के बिना पूरा नहीं किया जा सकता है सिर्फ सोचने भर से कार्य नहीं होते है, उनके लिए प्रयत्न भी करना पड़ता है। कभी भी सोते हुए शेर के मुंह में हिरण खुद नहीं आ जाता उसे शिकार करना पड़ता है।

जीवन दर्शन

भीतर की क्षमता को पहचानें और औसत से ऊपर उठें

अपने जीवन में जीनियस बहुत कम बन पाते हैं, जबकि अधिकतर औसत दर्जे के ही रह जाते हैं। औसत रहने वाले लोग सोचते हैं कि शायद उनकी आई क्यू लेवल कम है, इसलिए वो औसत हैं, पर ऐसा नहीं है। असल में अधिकतर लोग औसत जीवन इसलिए जीते हैं क्योंकि वे अपने भीतर की क्षमता को पहचान नहीं पाते और उनके जीवन में दूरदर्शिता का अभाव होता है। आचार्य चाणक्य के अनुसार, औसतपन मनुष्य की कमजोरियों का परिणाम है और इसे केवल आत्मविकास के माध्यम से ही पार किया जा सकता है। लोगों का औसत बने रहने का मुख्य कारण आत्मसंयम की कमी, आलस्य और अवसर चूकना है। उच्च लक्ष्य निर्धारण, अनुशासन और आत्मसंयम बनाए रखना, जीवन में असाधारण बनने के लिए आवश्यक हैं। निरंतर ज्ञान प्राप्त करना और अपनी कमजोरियों को पहचानकर सुधारना, व्यक्ति के विकास का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

कोई भी व्यक्ति अपने जीवन में औसत नहीं बने रहना चाहता है, लेकिन हर कोई इस औसत के लेवल से आगे बढ़ भी नहीं पाता। लोग इसका जिम्मेदार अपने दिमाग को और इंटेलीजेंस को मानते हैं, जबकि प्रसिद्ध रणनीतिकार आचार्य चाणक्य का मानना था कि औसतपन कोई नियति नहीं, बल्कि मनुष्य की कमजोरियों का परिणाम है। अधिकतर लोग जीवन में औसत इसलिए रह जाते हैं क्योंकि वे आत्मविकास की दिशा में गंभीर प्रयास नहीं करते और कुछ विशेष मानसिक बाधाएँ उन्हें आगे बढ़ने से रोकती हैं। जो व्यक्ति अपने भीतर की कमजोरियों को पहचानकर उन्हें सुधारने का साहस करता है, वही जीवन में ऊँचाई प्राप्त करता है।लोग औसत क्यों रह जाते हैं? प्रसिद्ध मोटिवेशनल स्पीकरों का मानना है कि अगर कोई व्यक्ति औसत है, तो उसका मूल कारण है आत्मसंयम की कमी। संयम न होने से ऊर्जा व्यर्थ होती है और महान उपलब्धियाँ अधूरी रह जाती हैं। दूसरा मुख्य कारण है - आलस्य और अवसर चूकना। इसके अलावा लक्ष्यहीनता, दृढ़ निश्चय और साहस की कमी भी मुख्य कारण हैं। कई सारे लोग हैं जो कठिनाइयों से डरकर पीछे हट जाते हैं और यह औसतपन का सबसे बड़ा कारण है। ऐसा व्यक्ति सांसारिक सुखों और मोह में उलझकर अपनी ऊँचाइयों तक नहीं पहुँच पाता, जबकि औसत के दर्जे से ऊपर उठने के लिए व्यक्ति में भूख होनी चाहिए। जीवन में क्या प्राप्त करना है, उसका निर्णय करें। लक्ष्य छोटा नहीं, ऊँचा होना चाहिए। साथ ही अनुशासन और आत्मसंयम रखें। आचार्य चाणक्य का कहना था कि बिना अनुशासन वाला मनुष्य अपने शत्रुओं को नहीं, बल्कि खुद को ही हारता है। नींद, भोजन, समय और वाणी पर नियंत्रण आवश्यक है। चाणक्य के अनुसार विद्यार्थी जीवन कभी समाप्त नहीं होना चाहिए। जो निरंतर ज्ञान प्राप्त करता है, वही आगे बढ़ता है। उनका यह भी मानना था कि जीवन में जोखिम उठाना और कठिन परिस्थितियों का सामना करना ही महानता की कुंजी है। क्षणिक सुख के बजाय दीर्घकालिक लाभ और नीति पर ध्यान देना चाहिए। इसके अलावा अपने दोषों को पहचानें और सुधारें। रोज़ कुछ नया सीखें, शास्त्रों और अनुभवों से ज्ञान लें। सद्गुणी और ज्ञानी लोगों की संगति करें क्योंकि संगति का प्रभाव गहरा होता है।

– चंदा कुमारी

कम पड़ने लगी जमीन, बहुमंजिला दुकान और मकान निर्माण की मिले अनुमति

परमिशन नहीं होने से मिल रहा भ्रटाचार को बढ़ावा

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। बस्ती आबादी और घटती जमीन, इस कारण अब समय आ गया है जब खासतौर पर संत हिरदाराम नगर जैसे इलाके के लिए सरकार को विशेष तौर पर बहुमजिला आवासों एवं दुकानों के निमार्ण की अनुमति देना चाहिए। इसके अभाव में अगर कोई तीन या चार मंजिला इमारत खड़ी करे, तो झूठी शिकायतें कर अधिकारी लाखों का भ्रटाचार करते हैं, जो लोग शिकायतें करते हैं, उनकी सरकारी विभागों के अधिकारियों से ही अनेक अवसरों पर साठ गांठ पाई जाती है, ऐसे में खासतौर पर व्यापारियों को खासी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

संत हिरदाराम नगर में अनेक जगहों पर हो रहा बहुमंजिला दुकानों का निर्माण

मिले विधिवत परमिशन

वैसे तो विधायक रामेवर शर्मा ने नगर निगम अधिकारियों को दो साल पूर्व ही समझाइश दी थी कि चूंकि मुख्य मार्ग पर विस्तार की गुंजाइश नहीं है इस कारण बहुमंजिला दुकानों के निर्माण में दखल न दिया जाए लेकिन नगर निगम के अधिकारी व कर्मचारी हैं कि मानते नहीं। अपने ही समर्थकों से निर्माण की झूठी शिकायतें करवाने के बाद नोटिस लेकर पहुंच जाते हैं, जिसके बाद शुरू होती है सौदेबाजी पर अगर नियमानुसार बहुमंजिला दुकानों व मकानों की विधिवत परमीशन दी जाए, तो सरकार को भी शुल्क मिलेगा और दुकानों को बहुत बढ़ी राहत।

नाकाफी है मुख्य मार्ग

संत हिरदाराम नगर जो तेजी से कप? एवं बर्तनों के मार्केट के रूप में प्रदेशभर में प्रसिद्ध हो रहा है, भोपाल इंदौर राजमार्ग स्थित यहां के मुख्य बाजार में अब ऐसी कोई जगह नहीं बची है, जहां कोई नई दुकान खोली जा सके। किराया भी इतना महंगा है कि वह सभी व्यापारियों के बस की बात नहीं है। चूंकि कपड़े के कारोबार का विस्तार होता जा रहा है ऐसे में पुरानी एवं छोटी दुकाने कारोबार के लिए नाकाफी साबित हो रही है इसलिए इन दुकानों को तोड़कर तीन मंजिला बनाने के अलावा कोई विकल्प नहीं है।

बहुमंजिला दुकान वक्त की जरूरत

संत हिरदाराम नगर जिसके तीन हिस्सों में ब?ा तालाब है, जबकि एक हिस्से में रेलवे की पटरियां एवं सैन्य इलाका 3 ईएमई सेंटर जिसके बाद राजा भोज एयरपोर्ट है , ऐसे में फैलते कारोबार को कहां ले जाया जाए, इसका जब कोई दूसरा विकल्प नहीं निकला तब कारोबारियों ने जमीन पर फैलाव की जगह आसमान का रूख किया।

बना रहे बहुमजिला दुकाने

मुखर्जी मार्केट व नेहरू मार्केट में आधा दर्जन कारोबारियों जिसमें कपड़ा कारोबारी वासुदेव वाधवानी, सुरेश मंगतानी हार्डवेयर व्यापारी ज्योति छबलनी आदि भी शामिल हैं, ने अपनी पुरानी दुकानों को पूरी तरह से तोड़कर वहां बहुमंजिला दुकानों के निर्माण का काम प्रारंभ किया है। इसका लाभ यह होगा कि अब उन्हें ग्राहकी अधिक होने पर जगह की कमी का सामना नहीं करना पड़ेगा और ऊपरी मंजिलों पर जाने के लिए लिफ्ट होने से सीढ़ियां चढ़ने की परोनी से भी निजात किलेगी। मुख्य मार्ग पर ही बस स्टेण्ड, नेहरू क्लाथ मार्केट, मुखर्जी मार्केट, लक्ष्मी क्लाथ मार्केट, शिव मंदिर वाली लाइन, बर्तन बाजार सहित अनेक जगहों पर दर्जनों कारोबारियों जिनमें कप?, किनारे व बर्तन आदि के व्यापारी शामिल हैं, जगह की कमी को देखते हुए पुरानी दुकानों के स्थान पर बहुमंजिला दुकानों का या तो निर्माण कर लिया है, या इस दिशा मे तेजी के काम चल रहा है। जिसके बाद बाजार को नया लुक मिला है।

सुंदरकांड पाठ का आयोजन कर मनाई जन्म जयंती

जागरण प्रतिनिधि ओबेदुल्लागंज। भाजपा के दिवंगत नेता विजय कोठारी की जन्मजयंती का उत्सव मुख्य बाजार स्थित कोठरी निवास पर सुंदरकांड पाठ कर मनाया गया। इस पावन अवसर पर उनके पुत्र पंकज कोठारी ने नगर सहित समूचे विधानसभा क्षेत्र से उनके स्नेहीजनों को सुंदरकांड पाठ में आमंत्रित किया और स्नेहभोज कराया आयोजन में धार्मिक भजन संध्या का आयोजन भी हुआ जिसमें भोजपुर विधायक सुरेंद्र पटवा सहित नगर के सैकड़ों गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

बिजली समस्या को लेकर सौंपा ज्ञापन

जागरण प्रतिनिधि ओबेदुल्लागंज। भोजपुर विधानसभा के ग्राम दीवाटिया एवं उसके आसपास के ग्रामों में बीते कई दिनों से बिजली केबल खराब होने के कारण आएं दिन बिजली की समस्या ग्रामीण क्षेत्र में आ रही है। ग्रामवासियों की ज्वलंत समस्या को लेकर कांग्रेस नेता परेश नागर ने ग्रामवासियों को लेकर विद्युत विभाग में विद्युत विभाग के मुख्य अधिकारी से मिलकर ग्राम के युवा साथियों के साथ चर्चा की एवं ज्ञापन दिया इस दौरान अखिलेश नागरए कृष्णकांत नागरएसंदीप नागरएअमित नागरएप्रियांशु नागरएनिखिल नागरएनावेद खानएअनिल नागरएएवं युवा साथी मौजूद रहे।

आरएसएस, जनसंघ, भाजपा व सेवा को समर्पित रहे नानकराम वाधवानी

9 सितम्बर को उत्साह से मनाई जाएगी उनकी जयंती

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। नानकराम वाधवानी जैसे विरले भाजपा नेता होंगे जिन्होंने अपना सम्पूण जीवन आरएसएस, जनसंघ, जनता पार्टी एवं भाजपा के अलावा समाज सेवा को समर्पित कर दिया। उनका जन्म 9 सितम्बर 1939 को अखण्ड भारत के सिंध प्रदेश के नवाबशाह जिले में हुआ। अन्य सिंधियों की तरह वे भी अपने पिता नारायणदास के साथ आजादी के बाद 1948 में अपनी जन्म स्थली सिंध प्रदेश को छो?कर आजाद भारत आए। पहले आगरा फिर विस्थापितों को द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान बंदी बनाए गए इटेलियन कैदियों हेतु बनाई गई नई व पुरानी बैरिकों में विस्थापित किया गया। मातृ 12 साल की आयु में उन्होंने बैराग? में आरएसएस की शाखाओं से अपने जीवन की शुरूआत की। इसके लिए 1956 में ब?ौदा से संघ का बाकायदा एक साल का प्रशिक्षण प्राप्त किया। इससे पूर्व 1952 में पहली बार हुए विधान सभा चुनाव के दौरान जनसंघ उम्मीदवार का प्रचार किया। बाद में वे अपने पिता के साथ कप? के कारोबार में संलग्न हो गए। इससे पूर्व 1956 में आरएसएस विचारधारा के लोगों द्वारा बनाई गई नव युवक सभा संस्था के संस्थापक सदस्यों में शामिल किए गए, और अंत तक इस संस्था में अध्यक्ष पद पर काबिज रहे। 1963 में जनसघ द्वारा चलाए गए एक रजनीतिक आन्दोलन में वे कुछ दिनों के लिए जेल भेजे गए।

नव युवक सभा को गति प्रदान की

उन्होंने सामाजिक एवं शैक्षणिक संस्था नव युवक सभा की बागडोर संभाली तब सभा 17 लाख के घाटे में थी। नानकराम ने उसे 20 लाख के लाभ में लाकर खड़ा कर दिया इतना ही नहीं 1989 से 1992 के दौरान जब भाजपा सरकार बनी तब उन्होंने नगरीय प्रशासन मंत्री बाबूलाल गौर से आग्रह कर नव युवक सभा भवन के पीछे जहां मीट मार्केट एवं कोस घर था, उसे हटवाया जहां आज पंडित दीनदयाल उपाध्याय कन्या कालेज है।

वन ट्री हिल्स में सभागार

उनका ब्रम्हलीन स्वामी हिरदाराम जी में अटूट विश्वास व श्रद्धा थी और वे स्वामी जी के प्रिय शिष्यों में से एक थे। नव युवक सभा के अध्यक्ष रहते हुए उन्होंने वन ट्री हिल्स कालोनी में 10 हजार वर्गफीट की जमीन पर लगभग एक करोड़ की लागत से संत हिरदाराम सभागार का निर्माण करवाया जिसके लिए उन्होंने बाबूलाल गौर का सहारा लिया।

नागरिक कल्याण के उपाध्यक्ष

नानकराम वाधवानी ने 2014 को 75 साल के हुए और अमृत महोत्सव समारोह आयोजित किया गया तब उस समय के मुख्यमंत्री शिवाराज सिंह चैहान ने प्रोग्राम में पधारकर उनकी दीर्घकालिक सेवाओं को देखते हुए उन्हें मध्यप्रदेश सरकार में वरिष्ठ हित नागरिक कल्याण बोर्ड का उपाध्यक्ष बनाते हुए राज्य मंत्री का दर्जा प्रदान किया।

आपातकाल की वेदना झेली

नानकराम वाधवानी जो एक नेता के अलावा अच्छे समाज सेवी एवं सफल कपड़ा कारोबार भी थे, 26 जून 1975 को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा लगाई गई आपातकाल के दौरान उन्हें कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ा। उन्हें 28 जून 1975 को पुलिस पकड़कर जेल ले गई, और उसी दौरान उनके पिता श्री नारायणदास का देहावसान हुआ, परन्तु जैसे ही वे अंतिम संस्कार से लौटे पुलिस ने पक?कर ले गई। सिंधियों में तीसरे दिन पगड़ी रस्म (उठावना) काफी महत्वपूर्ण माना जाता है, लेकिन पुलिस के वाहन में बंदूकों के साए में उन्हें जेल से दशहरा मैदान पर लागया गया और पगड़ी रस्म पूरी होते ही फिर जेल ले जाया गया। वे 15 माह से अधिक समय तक जेल में रहे और भाजपा के पितृपुरूष कहे जाने वाले कुशाभाऊ ठाकरे का उन्हें सानिध्य प्राप्त हुआ।

संत हिरदाराम साहिब के 119वां अवतरण दिवस सेवा संकल्प के रूप में मनाया लाएगा

नि:शुल्क नेत्र शिविर, 50 हजार लोगों के लिए होगा भंडारा

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। अपना संपूर्ण जीवन मानव सेवा को समर्पित कर देने वाले महान संत हिरदाराम जी का 119वां अवतरण दिवस सेवा संकल्प के रूप में मनाया जाएगा।

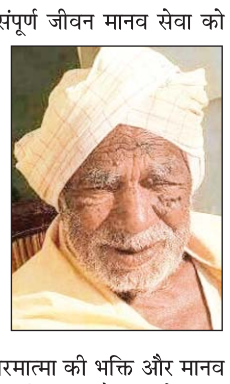

संत हिरदाराम जी का जन्म 21 सितम्बर 1906 को सिंध अब पाकिस्तान में, एक धार्मिक और सेवा भावनाओं से सम्पन्न परिवार में हुआ। बाल्यावस्था से ही वे आध्यात्मिक प्रवृत्ति साधना और सेवा के मार्ग पर अग्रसर थे। युवावस्था में उन्होंने सांसारिक मोह,क्षमाया का त्याग कर परमात्मा की भक्ति और मानव सेवा को अपना जीवन लक्ष्य बना लिया। विभाजन के बाद वे भारत आए और पहले कुछ समय तक वे राजस्थान के पुष्कर में रहे और फिर मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल के बैरागढ़ को अपनी सेवा का केंद्र बनाया। यहाँ उन्होंने प्रेम, भाईचारे और सामाजिक उत्थान का संदेश देकर असंख्य जीवनों को दिशा दी। उन्होंने सरल भाषा में आध्यात्मिक शिक्षा दी जिससे सामान्य जन भी ईश्वर.भक्ति और सेवा के पथ पर चल सकें। संतजी के आशीर्वाद से शुरू किए गए सेवा कार्य न केवल आज तक जारी है बल्कि उनमें उत्तरोत्तर प्रगति हो रही है जिससे यह नगरी एक तीर्थ स्थान के रूप में दुनिया भर में विख्यात हो चुकी है।

घर घर जलेंगे 5 दीपक

इस दिन संतजी के प्रति आस्थावान प्रत्येक नागरिक को अपने घरों दुकानों और प्रतिष्ठानों में संत जी के पंचाक्षरीय नाम के प्रतीक स्वरूप 5 दीपक जलाने का आह्वान किया गया है, जो संतजी के पांच जीवन.संदेशों सेवा, सुमिरन, स्वास्थ्यए शिक्षा और शांति का प्रतिनिधित्व करेंगे।

नेत्र हास्पीटल की सौगात

इस अवसर पर जीव सेवा संस्थान व इसकी सहयोगी संस्था सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय ट्रस्ट की एक ऐतिहासिक उपलब्धि के रूप में सेवा सदन सुपर स्पेशलिटी आई हॉस्पिटल भवन आशाराम चौराहाएगांधीनगरए भोपाल का भव्य उद्घाटन किया जाएगा। 5 एकड़ में निर्मित यह अत्याधुनिक अस्पताल प्रतिवर्ष 30000 नेत्र सर्जरी की क्षमता के साथ मध्य भारत का प्रमुख नेत्र चिकित्सा केंद्र के रूप में सुसज्जित है।

विशेष आयोजन एवं सेवाएं

उस दिन पवित्र कुटिया साहिब में श्री सुखमनी संपट पाठ साहिब 19 से 21 सितम्बर एवं विश्वभर में सामूहिक प्रार्थनाएँ की जाएंगी। इसके अलावा प्रेरणादायक सेवा रैली संतजी के संदेशों का प्रचार करने के लिए आयोजित करने का निर्णय लिया गया है। साथ ही लोगों को आम भंडारा, अनाथालयों व वृद्धाश्रमों में भोजन, फल वितरण किया जाएगा। सेवा सदन आई हॉस्पिटल में 120 निशुल्क नेत्र सर्जरी की जाएगी। रक्तदान शिविरए फ्री हेल्थ चेक, अप कैंप डेंटल चेकअप शिविर एवं केयर इन्फिनिटी हॉस्पिटलए लालघाटी में डा. केशव बुधवानी द्वारा व्यापक मुफ्त सेवाएँ दी जाएंगी। देशभर के कई शहरों मुंबई, अहमदाबादए राजकोटए अजमेर, जयपुरए लखनऊ, उदयपुर आदि में सेवा गतिविधियाँ होंगी। उल्हासनगर में पूरे सितंबर माह में फ्री डायलिसिस एवं मोतियाबिंद ऑपरेशन किए जा रहे हैं। इस भव्य सेवा दिवस का उद्देश्य समाज में करुणाएं सेवा और सद्भाव का संदेश

बीच सड़क पर कॉलेज छात्रा से युवक ने की छेड़छाड़

जागरण, भोपाल। ऐशबाग थाना क्षेत्र के इंदिरा कॉलोनी बागउमराव दुल्हा में कॉलेज छात्रा से छेड़छाड़ करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार 21 वर्षीय युवती कॉलेज में पढ़ती है। पढ़ाई के दौरान उसकी जान-पहचान आरोपी साकिब खान से हुई थी। हाल ही में पीड़िता अपने भाई के साथ घर लौट रही थी, तभी आरोपी ने रास्ते में उसे रोका। जहां उसके भाई के सामने उसने छात्रा से शादी करने का दबाव बनाने लगा। बाद में रविवार शाम को आरोपी ने छात्रा का पीछा कर बीच सड़क पर छेड़छाड़ करने की कोशिश की। विरोध करने पर उसने छात्रा को जान से मारने की धमकी भी दी। परेशान होकर युवती ने थाने पहुंचकर आरोपी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई।

नाम परिवर्तन सूचना

मेरा नाम पूर्व में राशिद खान था, जिसे बदलकर अब मोहम्मद राशिद कर दिया गया है। जिसकी वजह से अब मुझे मोहम्मद राशिद के नाम से ही जाना जाए। मेरा जन्म 1 जुलाई 1973 को हुआ था, जो कि कुछ दस्तावेजों में 1 जून 1975 दर्ज हो गया है, जिसे भूल सुधार किया जाता है।

पति की स्मृति में रेलवे अस्पताल को भेंट की फिजियोथैरेपी मशीन

कार्लालय संवाददाता, भोपाल। विश्व फिजियोथैरपी दिवस पर मंडल रेल चिकित्सालय भोपाल में फिजियोथैरेपी मशीन दान की गई। जानकारी अनुसार स्व. एम. अंजनेयुलु की स्मृति में उनकी पत्नी राजलक्ष्मी (रिटायर्ड रेलवे कर्मचारी) द्वारा लगभग एक लाख रूपये की फिजियोथेरेपी मशीन अस्पताल को सौंपी गईं। इन मशीनों से अस्पताल में आने वाले मरीजों को बहुत फायदा मिलेगा। यहां फिजियोथैरेपी कक्ष में इस मशीन का संचालन होगा और इससे लकवा सहित अन्य मरीजों के इलाज में राहत मिलेगी। यह पहल न केवल सेवा भावना का प्रतीक है, बल्कि स्वास्थ्य सेवा से जुड़े कार्मिकों के प्रति सम्मान की भावनाओं को भी दर्शाती है। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ अजय डोगरा, अपर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक प्रशासनिक डॉ रचना श्रीवास्तव सहित चिकित्सालय स्टाफ एवं स्व.एम.अंजनेयुलु के परिजन उपस्थित रहे। वरिष्ठ मंडल वाणिच्य

प्रबंधक सौरभ कटारिया ने बताया कि मंडल रेल चिकित्सालय भोपाल में यह योगदान मरीजों की सुविधा के लिये अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगा एवं सेवा के क्षेत्र में एक प्रेरणास्पद उदाहरण प्रस्तुत करेगा।

आम सूचना
(नाम परिवर्तन के संबंध में)

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम शनीजा अफरोज़ खान (SHANIZA AFROZ KHAN) है। मैं दिल्ली पब्लिक स्कूल, नीलबड़, भोपाल की छात्रा हूँ। मेरे स्कूल रिकार्ड में मेरे पिता जी का नाम नवाब मोहम्मद खान (NAWAB MOHMMAD KHAN) अंकित हो गया है और माता जी का नाम शबीना अफरोज (SHABINA AFROZ) अंकित हो गया है। परंतु पिता जी का सही नाम नवाब मोहम्मद खान (NAWAB MOHAMMAD KHAN) है और माता जी का सही नाम शबीना अफरोज खान (SHABINA AFROJ KHAN) है। जो कि आधार कार्ड और अन्य दस्तावेज़ो में अंकित है जो कि सत्य एवं सही है।
Applacant:Taj Mantion Mahihar Road, Ward No.-15 Amraiyapar, Kymore, Amraiya, Katni, M.P.-483880

टीसी गुम

मैं, सीमा यादव पत्नी श्री कांता यादव आयु 40 वर्ष निवासी-म.नं. ई-6/58, 11 नं. अरेरा कालोनी भोपाल, म.प्र. लायसेस नं एमपी 04 एन 20180518526। यह कि मेरी पुत्री प्रिंसी यादव केन्द्रीय विद्यालय क्र. 2 शिवाजी नगर भोपाल से कक्षा 09वीं की परीक्षा उत्तीर्ण की हैं 2024-2025 में टीसी घर में कहीं गुम हो गई है। काफी ढूढ़ने पर नहीं प्राप्त नहीं हुई है। यह कि उक्त मेरे द्वारा दी गई जानकारी सत्य एवं सही है भविष्य में कोई भी वाद विवाद उत्पन्न होता हैं उसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी मेरी स्वयं की होगी।
शपथग्रहिता
सीमा यादव

पांचवां एकजुट नाट्य समारोह 12 से

जागरण, भोपाल। रंगकर्मी अनिल पवार की स्मृति में पांचवां एकजुट नाट्य समारोह 12 से 14 सितंबर तक आयोजित होगा। भारत सरकार संस्कृति मंत्रालय, नई दिल्ली और संस्कृति संचालनालय के सहयोग से यह आयोजन एकजुट थिएटर एंड वेलफेयर समिति द्वारा किया जा रहा है। समारोह की शुरुआत 12 सितम्बर को नाटक उनके बाद से होगी, जिसे कामतानाथ ने लिखा है और बालेन्द्र सिंह ने निर्देशित किया है। 13 सितम्बर को आशीष पाठक का लेखन और निर्देशन में तैयार नाटक पॉपकॉर्न मंचित होगा। समापन 14 सितम्बर को कोकन कल्याण जैन लिखित और बालेन्द्र सिंह निर्देशित नाटक लाला हरदौल से होगा। कार्यक्रम प्रतिदिन शाम 7 बजे लिटिल बैलेट ग्रुप के ऑडिटोरियम में होगा। सभी प्रस्तुतियां भोपाल के रंगसमूहों द्वारा दी जाएंगी और प्रवेश निशुल्क रहेगा।

युद्ध कौशल और शारीरिक करतब का प्रदर्शन होगा

जागरण, भोपाल। मध्यप्रदेश शासन, संस्कृति विभाग द्वारा मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय में म.प्र. एवं देश के अन्य राज्यों में पारम्परिक जनजातीय एवं लोक समाजों में शारीरिक करतब एवं युद्ध की कलाओं पर केन्द्रित तीन दिवसीय 'उद्घोष ' समारोह का आयोजन 12 से 14 सितम्बर को किया जा रहा है।

SUDOKU 46

	8	4					6	2
6			8	4	2			
	2				6	4	8	
			6		5			
	1					8		
	3	2			4		9	7
		5	3		7			
		3		9		5	7	
7	9			5		3		

SOLUTIONS 45

8	4	9	7	5	1	6	3	2
7	2	5	3	6	8	9	4	1
3	1	6	2	9	4	5	7	8
4	6	8	1	7	3	2	9	5
9	5	3	8	2	6	4	1	7
1	7	2	9	4	5	3	8	6
5	3	7	4	8	2	1	6	9
2	9	1	6	3	7	8	5	4
6	8	4	5	1	9	7	2	3

Rules : The 3x3 sub-grids are called regions. Number already filled in the grid are called givens. The goal of the player is to fill the blank grids of every row, every column and every 3x3 box with the numbers 1,2,3,4,5,6,7,8,9 However, All rows, colums and regions (3x3) should contain numbers 1 to 9 without repeating.

राशिफल

मेष : नए और रोमांचक साहसिक कार्य शुरू कर सकते हैं। शायद आप इन सभी अद्भुत अनुभवों को याद रखने के लिए जर्नलिंग करने या ढेर सारी तस्वीरें लेने का प्रयास कर सकते हैं।

वृषभ : आप चीजों को अपने तरीके से करने की इच्छा महसूस कर रहे हों, भले ही दूसरे लोग आपको ऐसा न करने के लिए कह रहे हों।

मिथुन : आज अपनी मेंटल हेल्थ पर फोकस करें। हो सकता है किसी पुरानी चीज का अंत किसी नई चीज की शुरुआत के लिए जगह बना रहा हो।

कर्क : आज का राशिफल इस ओर इशारा कर रहा है की कभी-कभी दूसरों की सलाह सुनना भी जरूरी है। याद रखें कि भविष्य में बहुत सारी रोमांचक संभावनाएं हैं।

सिंह : आज का दिन आपके लिए फोकस बढ़ाने की मांग कर रहा है। आप जो कुछ भी सीख चुके हैं, उसे अपना रहे हैं और अपने भविष्य को बेहतर बनाने के लिए ज्ञान का उपयोग भी कर रहे हैं।

कन्या : आज का दिन आपको अपनी पोजीशन से आगे बढ़ने में मदद करेगा। आपके कामकाजी जीवन में भी सकारात्मक बदलाव हो सकता है।

तुला : आज के दिन क्रिएटिव तरीके आजमाने पर आप अधिक उत्पादक बन सकते हैं। सेहत से जुड़े मुद्दों को लेकर लापरवाही न बरतें। पैसों के मामले में थोड़ा उतार-चढ़ाव बना रहेगा।

वृश्चिक : आज के दिन का का सदुपयोग आगे पढ़ाई करके, अपना खुद का व्यवसाय शुरू करके या यहां तक कि विदेश यात्रा करके अपने पेशेवर प्रोफाइल को बढ़ाने के लिए करें।

धनु : कभी-कभी अच्छी चीजें अचानक से खुद-ब-खुद ही हो जाती हैं। जीवन में महत्वपूर्ण बदलाव हो सकते हैं। स्वास्थ्य अनुकूल रहेगा।

मकर : आज आपका आधिकारिक प्रदर्शन शानदार होगा। इससे आपके करियर में अधिक अवसरों को बढ़ने का रास्ता मिलेगा।

कुंभ : आज का आपका दिन बदलावों से भरपूर रहन वाला है। आपके खिलाफ बहुत कुछ चल रहा है और हर चीज पर नजर रखना कठिन है।

मीन : नई सीमाओं की ओर आकर्षित होते हुए पा सकते हैं। चाहे वह पेशेवर लेवल पर नए करियर पथ का रास्ता खोलना हो या पर्सनल लेवल पर ज्ञान और स्किल्स की खोज करके आगे बढ़ना हो।

आज का पंचांग: 9 सितम्बर मंगलवार 2025। दिशाशूल : उत्तर **पर्व एवं त्योहार :** द्वितीया श्रद्ध विशेष : पंचक विक्रम संवत 2082 शके 1947 दक्षिणायण, उत्तरगोल, वर्षा ऋतु आश्विन मासु, कृष्ण पक्ष की द्वितीया 18 घंटे 30 मिनट तक, तत्पश्चात तृतीया, उत्तरभाद्रपद नक्षत्र 18 घंटे 08 मिनट तक तत्पश्चात रेवती नक्षत्र, गंड योग 23 घंटे 59 मिनट तक तत्पश्चात वृद्धि योग, मीन में चंद्रमा।

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है। कि हमारे द्वारा विकसित आवासीय कॉलोनी रुद्राक्ष कस्तूरी, (निर्वाना लाईफ स्पेसस) जो कि ग्राम सलैया तहसील- कोलार भोपाल में स्थित है। इसमें ई.डब्लू एस. एवं एल. आई. जी. वर्ग हेतु आरक्षित प्रकोष्ठों की बुकिंग प्रारम्भ हो चुकी है। आवेदक निर्धारित प्रपत्र में आवेदन पत्र एवं आवश्यक दस्तावेज के साथ सूचना प्रकाशन के 07 दिवस की अवधि में आवेदन प्रस्तुत करें।
बुकिंग हेतु निम्न पत्ते पर सम्पर्क करें :-
कॉलोनाइजर-
निर्वाना लाईफ स्पेसस
H.No. A/105, ग्राम सलैया (भोपाल) म.प्र

रिलायबल गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्यादित, भोपाल (म.प्र.)
पंजीयन क्रमांक डी.आर.बी.-176
16, अमर स्तभ, प्रेस काम्पलेक्स
जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल (म.प्र.)
दिनांक-08.09.2025
विशेष-सूचना

संस्था के सभी सम्मानीय सदस्यों को सूचित किया जाता है कि संस्था के पास अब कोई आवासीय भूमि शेष नहीं है जो संस्था ने ग्राम समरधा तह. हुजूर जिला भोपाल में भूमि फार्म हाउस के रूप में पूर्व में क्रय की गई थी वह उपलब्ध है उक्त भूमि का बंदोवस्त होने के कारण खसरा नंबर व मूल स्वरूप में परिवर्तन हो जाने से संस्था की आम सभा दिनांक 05.07.2025 में यथास्थिति के विक्रय का निर्णय लिया गया था। सहकारिता विभाग को प्रस्ताव विक्रय अनुमति हेतु प्रेषित किया गया है, वर्तमान में इस पर कोई भी अनुमति प्राप्त होने की संभावना नहीं दिख रही है ऐसी स्थिति में जो सदस्य कृषि फार्म यथास्थिति में खारीदना चाहते हैं वह संस्था में संपर्क कर कृषि फार्म का पंजीयन अपने पक्ष के लिए लिखित सहमति प्रस्तुत कर निर्धारित राशि दिनांक 30.09.2025 के पूर्व प्रेषित करे।
अध्यक्ष
रिलायबल गृह निर्माण सहकारी समिति मर्यादित, भोपाल

आम सूचना
कृषि भूमि खसरा क्रमांक-87/2/1/12/1
ग्राम-खुदागंज, तहसील हुजूर, जिला भोपाल

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकर ने श्री विशाल शर्मा एवं श्री मोहित शर्मा दोनों आत्मज श्री इंदर शर्मा दोनों निवासी 102, विंड्सर रिट्रीट, 50 मालवीय नगर, भोपाल म.प्र. के स्वत्व, स्वामित्व व आधिपत्य की एक किता कृषि भूमि खसरा क्र.-87/2/1/12/1/1/1/1 (नवीन खसरा क्र.-87/2/1/12/1) रकबा 0.047 हेक्टेयर अर्थात् 464.68 वर्गमीटर स्थित ग्राम खुदागंज (मुख्य मार्ग से हटकर), नगर निगम सीमा के अंदर वार्ड, क्रमांक-26, तहसील हुजूर, जिला भोपाल में स्थित है, जिसे सुविधा की दृष्टि से भू-भाग क्रमांक-14 से संबोधित किया गया है जिसकी चतुर्थ सीमायें पूर्व में-भू-भाग क्रमांक-13, पश्चिम में-भू-भाग क्रमांक 14 का शेष भाग (देवेन्द्र सिंह यादव), उत्तर में-सड़क एवं दक्षिण में-म.प्र. पुलिस सहकारी गृह निर्माण समिती की भूमि है, को क्रय करने का सौदा कर टोकन राशि का भुगतान अदा कर दिया है, उक्त भूमि अथवा उसके किसी भाग पर किसी व्यक्ति, संस्था का कोई ऋण, भार, दान, बंधक, अनुबंध हो अथवा इस अन्तरण से किसी के कोई हित प्रभावित हों तो इस आम सूचना के प्रकाशन से 07 दिवस की अवधि में मय दस्तावेजी साक्ष्य सहित मेरे समक्ष निम्न पते पर लिखित में आपत्ति प्रस्तुत करें, समयावधि निकल जाने के पश्चात किसी भी प्रकार का दावा, स्वत्व या आपत्ति मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नहीं होगें एवं अवधि व्यतीत होने के पश्चात् मेरे पक्षकार उक्त संपत्ति क्रय करने हेतु स्वतंत्र होगें।
भवदीय
सुरेश चौधरी अधिवक्ता
सुनील चौधरी
कार्या.-एम.02, लिबर्टी चैम्बर, प्लाट नं.-18, जोन-1 ज्योति टाकीज चौराहा, एम.पी.नगर, भोपाल
9303130659, 9977995922

मौसम अपडेट

प्रदेश के चार महानगरों का तापमान

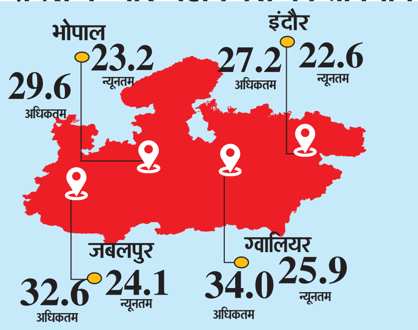

देश के चार महानगरों का तापमान

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली	34.4	25.1
मुंबई	29.5	24.0
चेन्नई	39.0	22.0
कोलकाता	33.6	27.6

सूर्यास्त 6:33 PM
सूर्योदय 6:33 AM
चन्द्रोदय 6:22 AM
चन्द्रास्त 5:23 PM

दो शिफ्टों में 50 घंटे तक खोजने के बाद भी नहीं मिली आरक्षक, कार का बंपर भर लगा हाथ

क्षिप्रा नदी में गिरी पुलिस कर्मियों की कार का मामला, एसआई निमामा का शव मिला

जागरण, उज्जैन। क्षिप्रा नदी में पुलिस कर्मियों की कार डूबे हुए 50 घंटे से ज्यादा हो गए हैं। दो दिन और दो रातों के बाद भी कार चला रही महिला आरक्षक आरती पाल का अब तक कोई पता नहीं लग सका है। गोताखोर दो शिफ्टों में नदी में खोज कर रहे हैं। टीआई और एसआई के शव लंबी खोज के बाद मिल सके। वहीं महिला आरक्षक की कार भी अब तक नहीं मिल सकी है, हालांकि सोमवार को कार का बंपर नदी में मिलने से पुलिस और प्रशासन को उम्मीद बंधी है कि कार भी आसपास ही दबी होगी। मालूम हो कि बड़े पुल से उफनती शिप्रा नदी में पुलिसकर्मियों की कार शनिवार की रात गिर गई थी। इस घटना में उन्हेल थाना प्रभारी अशोक शर्मा का शव रविवार को सुबह 9:00 के लगभग नदी में मिल गया था। जबकि सोमवार दोपहर तक 40 घंटे बीतने के बाद एएसआई मदनलाल निमामा की लाश भैरवगढ़ पुल के नीचे फंसी मिली, लेकिन इस समय तक एनडीआरएफ की टीम कार और एक अन्य महिला पुलिसकर्मी के शव को ढूंढ नहीं पाई। सर्चिंग के लिए चार नाव तथा 65 गोताखोर लगाए गए थे। सोमवार सुबह तक नदी का जलस्तर धीरे-धीरे उतर रहा था और इसके बाद गाड़ी और दोनों शव जल्दी मिलने संभावना जताई जा रही थी। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक टीआई उन्हेल श्री शर्मा ने गाड़ी गिरते ही कांच फोड़ कर बाहर निकालने की कोशिश की होगी, क्योंकि उनके हाथ में चोट के निशान मिले थे। इसलिए कार से निकलकर उनका शव दूर चला गया था। इसके पूर्व टीआई अशोक शर्मा का पुलिस ने गार्ड ऑफ आर्नर देकर सम्मानपूर्वक अंतिम संस्कार किया । अंतिम संस्कार में पुलिस महानिरीक्षक उमेश जोगा, डीआईजी नवनीत भसीन, एसपी प्रदीप शर्मा एवं पुलिस के अन्य अधिकारी तथा विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा, नगर निगम सभापति कलावती यादव ने श्रद्धांजलि दी।

ट्रेनिंग लेकर 12वीं पास युवकों ने 6 राज्यों में बिछाया नेटवर्क, पढ़े-लिखों को फंसाया

दिल्ली से दो युवक गिरफ्तार, चॉकलेट कंपनी के नाम पर करोड़ों रुपए ठगे

जागरण, ग्वालियर। ठगी और जालसाजी की घटनाएं सामने आने पर हर किसी के जहन में सवाल उठता है कि इतने पढ़े-लिखे होने के बाद भी ठगों के झांसे में आ गए? ऐसी कैसी पढ़ाई। दिल्ली से गिरफ्तार दो सायबर ठग ऐसे सवालों का जवाब हो सकते हैं। ये ठग महज 12वीं पास हैं, लेकिन उन्होंने सायबर ठगी का बकायदा कोर्स किया है, वह भी एक इंस्टीट्यूट से। ट्रेनिंग लेने के बाद इन 12वीं पास ठगों ने मप्र सहित छह राज्यों में अपना नेटवर्क बिछाया। फिर अपने फर्जी कॉल सेंटर्स पर इंजीनियरिंग, कंपनी सेक्रेटरीज जैसे कोर्स किए ग्रेजुएट्स को नौकरी देकर पढ़े-लिखे लोगों को ठगने के काम में लगाकर करोड़ों की ठगी कर ली। शातिर ठगों के अंतरराज्यीय गिरोह को ग्वालियर की साइबर पुलिस ने पकड़ा है। दिल्ली से गिरफ्तार गिरोह के सरगना मनीष गुप्ता ने खुलासा किया है कि बिहार के छपरा में ठगी सिखाने का बकायदा इंस्टीट्यूट चलता है, वहां बड़ी संख्या में युवक इसकी ट्रेनिंग लेते हैं। उसने भी वहीं से ठगी की ट्रेनिंग ली है। ट्रेनिंग लेकर उसने बिहार, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, हरियाणा और राजस्थान के 25 से ज्यादा शहरों में कॉल सेंटर का नेटवर्क बना लिया। पुलिस के हाथ लगे मनीष गुप्ता और दीपक कुमार अब तक इंजीनियर, डॉक्टर्स सहित कई पढ़े-लिखे और अफसरों को भी ठग चुके हैं। इनके कॉल सेंटर्स पर कई लिखे-पढ़े युवाओं को 15-15 हजार रुपए मासिक वेतन पर नौकरी पर रखे गए हैं।

कर्मचारियों के खाते बने हथियार

शातिर ठग कर्मचारियों को नौकरी देने के बाद सभी के बैंक अकाउंट के डीटेल और आधार कार्ड जैसे दस्तावेज ये लोग अपने पास रख लेते थे। कर्मचारियों के खातों से ही लेन-देन किया जाता था। कॉल सेंटर द्वारा उपयोग किए जाने वाले फर्जी मोबाइल भी इन्हीं कर्मचारियों के आधार कार्ड से लिंक कराए जाते थे।

गूगल का करते थे बेधड़क इस्तेमाल

लोगों को जाल में फंसाने गिरोह ने बड़ी-बड़ी कंपनियों के नाम से गूगल पर अपना नंबर अपलोड कर रखे थे। जैसे ही कोई फ्रेंचाइजी या कस्टमर सर्विस सेंटर सर्च करता, तो गिरोह द्वारा अपलोड रिक्वेस्ट फॉर्म खुलता। इसमें भरने के बाद डेटा सीधे ठगों तक पहुंच जाता। इसके बाद मनीष और उसके साथी खुद को कंपनी का अधिकारी बताकर लोगों को कॉल करते थे। लोगों द्वारा राशि डालते ही गिरोह के लोग 20 मिनट के अंदर ही अलग-अलग राज्यों के एटीएम से राशि निकाल लेते थे।

कटनी में फर्जी सिम बेचने वाले रैकेट का पर्दाफाश, दो गिरफ्तार

जागरण कटनी। सायबर ठगी के लिए इस्तेमाल की जाने वाली फर्जी सिम बेचने वाला रैकेट पुलिस के हाथ लगा है। कटनी के बहोरीबंद में पुलिस ने ऐसे गिरोह को पकड़ा है जो लोगों के आधार कार्ड और फोटो का दुरुपयोग कर फर्जी सिम एक्टिवेट करते थे। मामला झरौली निवासी मूरत सिंह की शिकायत पर सामने आया। थाना प्रभारी अखिलेश दहिया के अनुसार, आरोपी जितेंद्र बर्मन एयरटेल पेमेंट बैंक का एजेंट था। वह खाते खुलवाने और सिम पोर्ट कराने का काम करता था। जितेंद्र ने मूरत सिंह और आनंद कुमार चौधरी के दस्तावेजों का इस्तेमाल कर एयरटेल की चार फर्जी सिम एक्टिवेट कीं। इन सिम को 500-500 रुपए में अमाड़ी के इब्राहिम खान, सलमान खान, मुस्तकीम खान और मसंधा के संदीप लोधी को बेच दिया गया। जांच में जितेंद्र का साथी आदर्श चौधरी भी इस धंधे में शामिल पाया गया। पुलिस ने मुस्तकीम खान और आदर्श चौधरी को गिरफ्तार किया है। आदर्श के पास से एक मोटो 5जी मोबाइल बरामद हुआ। इसमें एयरटेल और जियो की फर्जी सिम लगी थीं। मोबाइल कवर में तीन फर्जी वोडाफोन-आइडिया सिम भी मिलीं।

फर्जी मीसाबंदी भी ले रहे हैं पेंशन : विधायक पन्नालाल

जागरण, गुना। विधायक पन्नालाल शाक्य ने एक सार्वजनिक मंच से दावा किया है कि फर्जी लोग मीसाबंदी पेंशन प्राप्त कर रहे हैं। दरअसल, विधायक गुना की सांस्कृतिक विरासत को भूलने पर चिंता जाहिर कर रहे थे। इसी दौरान उन्होंने यह उदाहरण दे दिया, उनका उदाहरण मंच पर मौजूद कुछ लोगों को प्रासंगिक भी नजर आया और वे विधायक ओर आश्चर्य चकित होकर ताकते रह गए। विधायक पन्नालाल ने मीसाबंदी फर्जी होने का तर्क उस समय दिया जब वे गुना के उत्कृष्ट विद्यालय में आयोजित हो रही 69वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता के शुभारंभ कार्यक्रम को मुख्य अतिथि की आसंदी से संबोधित कर रहे थे। पन्नालाल शाक्य का कहना था कि इस कार्यक्रम के मंच से प्रतिभागियों ने पंजाब का भांगड़ा और आदिवासी संस्कृति का नृत्य प्रस्तुत किया है, इसमें कोई बुराई नहीं है। लेकिन दुख इस बात का है कि राजस्थान, बुंदेलखंड, मालवा और चंबल की मिश्रित संस्कृतियों का धनी होने के बावजूद गुना जिले की संस्कृति को प्रमोट नहीं किया गया। अगर मंच से गुना की संस्कृति और धरोहरों का प्रदर्शित किया जाता है तो राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेने आए बच्चों को शहर के इतिहास और वर्तमान से भी परिचित कराया जा सकता था। उन्होंने कहा कि माता-पिता बच्चों को पंजाब के बारे में तो बता रहे हैं, लेकिन भगत सिंह का फोटो नहीं लगा रहे हैं। आदिवासियों के बारे में तो बताया जा रहा है लेकिन बिरसा मुंडा का फोटो लगाने में शर्म आती है।

आगे परिस्थितियां विकट होने वाली हैं

खिलाड़ियों और शहरवासियों से मुखातिब हुए पन्नालाल शाक्य ने कई ऐसी बातों का भी जिक्र किया, जिसका कार्यक्रम से कोई लेना-देना नहीं था। उन्होंने अमेरिका और चीन का हवाला देते हुए 18 से 30 वर्ष आयु के लोगों से आव्हान किया कि वे सेना की ट्रेनिंग अवश्य ले लें। विधायक का तर्क था कि आने वाले दिनों में स्थितियां बहुत विकट होने वाली हैं। इसलिए युवाओं को सेना से संबंधित प्रशिक्षण लेना चाहिए।

केमिकल फैक्ट्री में लगी आग लाखों के नुकसान की आशंका

जागरण, इंदौर। शहर के पालदा क्षेत्र की एक केमिकल फैक्ट्री में सोमवार रात को भीषण आग लग गई। आग इतनी भोषण थी कि ऊंची-ऊंची लपटें और धुआं कई किमी दूर से दिखाई दे रहा था। जानकारी मिलते की आग बुझाने के लिए पांच फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची, लेकिन आग काफी फैल चुकी थी। उस पर काबू पाने में अमले को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। करीब ढाई घंटे से ज्यादा समय में आग पर काबू पाया जा सका। दरअसल यह हादसा आजाद नगर थाना क्षेत्र के पालदा उद्योग नगर स्थित शक्ति इनफेक्स नामक केमिकल फैक्ट्री में रात 8 बजे हुआ। अफसरों के मुताबिक इस फैक्ट्री में साबुन व खाद में डालने वाला केमिकल तैयार होता है। जानकारी के मुताबिक फैक्ट्री में केमिकल के बड़े ड्रम भरे थे, जो धमाके के साथ फूटे। फैक्ट्री में शेड लगे होने से आग की लपटों पर ठीक से पानी नहीं जा रहा था। जिस कारण आग बुझाने दमकलों को काफी मशक्कत का सामना करना पड़ा।

बुरहानपुर में गणेश विसर्जन के दौरान पथराव, चार घायल

जागरण, बुरहानपुर। गणेश विसर्जन के दौरान हनुमान चालीसा के पाठ के बीच ही असामाजिक तत्वों ने पथराव शुरू कर दिया। इससे भगदड़ मच गई और दंगा होने की आशंका बन गई। पुलिस और प्रशासन की सक्रियता से माहौल बिगड़ने से बच गया। पुलिस ने शांति भंग करने के प्रयास में 7 लोगों को गिरफ्तार कर चप्पे-चप्पे पर निगरानी बैठा दी है। पथराव में चार लोगों को चोटें आई हैं। यह मामला जिले के लालबाग थाना क्षेत्र स्थित बिरोदा गांव का है। यहां शनिवार देर रात गणेश विर्सजन में हनुमान चालीसा पाठ चल रहा था। इसी दौरान पथराव होने से भगदड़ के हालात बन गए। सूचना पर गांव में भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। चारों घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। घटना के बाद क्षेत्रीय विधायक अर्चना चिटनीस लालबाग थाना पहुंच गईं।

अडानी कंपनी के धिरौली कोल ब्लॉक के खिलाफ आदिवासियों-ग्रामीणों के संघर्ष का समर्थन

जागरण, सिंगरौली। प्रदेश के सिंगरौली जिले के धिरौली कोल ब्लॉक में अडानी समूह की सहायक कंपनी स्ट्रेटाटेक मिनरल रिसोर्सेस प्राइवेट लिमिटेड द्वारा संचालित कोयला परियोजना के खिलाफ संघर्षरत आदिवासियों और स्थानीय ग्रामीणों की मांगों का जन संघर्ष समन्वय समिति मप्र ने समर्थन किया है। समिति ने मप्र सरकार से बिना उचित पुनर्वास के आदिवासियों को उजाड़ने और पेड़ कटाई जैसे अवैध और पर्यावरण-विरोधी प्रयासों पर तत्काल रोक लगाने की मांग की है। साथ ही भारत सरकार से कंपनी का लाइसेंस रद्द करने और कोल आवंटन निरस्त करने की अपील की है, क्योंकि कंपनी ने पर्यावरण नियमों, भूमि अधिग्रहण नीति तथा आदिवासी अधिकारों का खुला उल्लंघन किया है। इसके अलावा संघर्षरत आदिवासियों की आवाज दबाने लगाए जा रहे फर्जी मुकदमे तत्काल वापस लेने की मांग की। जन संघर्ष समन्वय समिति के विजय कुमार ने कहा कि यह संघर्ष न केवल स्थानीय मुद्दा है, बल्कि कॉर्पोरेट हितों के नाम पर पर्यावरण व आदिवासी संस्कृति के विनाश का मामला है।

तीन श्रमिकों की मौत में प्रबंधन की लापरवाही, मजिस्ट्रियल जांच होगी

जागरण, पीथमपुर। तीन मजदूरों की मौत के बाद पीथमपुर की प्राइवेट ऑयल कंपनी शनिवार शाम से ही बंद पड़ी है। इस हादसे में कंपनी प्रबंधन की लापरवाही हर स्तर पर सामने आई है। पहले तो कंपनी ने घटना को पुलिस व प्रशासन ने छुपाकर रखा, फिर मजदूरों की मौत के बाद भी मनमानी करता रहा। मजदूरों की मौत से नाराज परिजनों व अन्य श्रमिकों ने नाराजगी जताते हुए प्रदर्शन शुरू कर दिया है। मृतकों के परिवार को मुआवजे की मांग की जा रही है। कलेक्टर प्रियंक मिश्र ने घटना की मजिस्ट्रियल जांच के आदेश दिए हैं। कंपनी के चारों ओर भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। वहीं हेल्थ एवं सेफ्टी विभाग की डायरेक्टर ने कंपनी की जांच कर लापरवाही पर प्रबंधन को फटकार लगाई है। पीथमपुर स्थित श्री सागर लुब्रिकेंट कंपनी में शनिवार शाम को सुनील (35), दीपक (30) और जगदीश की मौत हो गई थी। यह मजदूर टैंक की सफाई करने उतरे थे।

भ्रष्टाचार से नाराज बड़ौद के नौ पार्षदों ने दिए इस्तीफे

जागरण, आगर मालवा। बालाघाट नगर पालिका की तरह अब आगर मालवा की बड़ौद नगर परिषद में संकट खड़ा हो गया है। यहां के नौ पार्षदों ने भ्रष्टाचार की शिकायतों की जांच न होने पर नाराजगी जताते हुए इस्तीफा दे दिया। इनमें 5 कंग्रेस और 4 भाजपा के पार्षद हैं। सभी ने कलेक्टर को अपना इस्तीफा सौंपा है। पार्षदों का आरोप है कि नगर परिषद में भ्रष्टाचार व्याप्त है। उन्होंने कई बार धरना-प्रदर्शन के साथ शिकायतें भी की हैं, लेकिन अधिकारियों ने न जांच कराई और न महीनों बाद भी कोई कार्रवाई की। जब तक पारदर्शी जांच नहीं होगी और दोषियों पर कार्रवाई नहीं होगी, तब तक पद पर नहीं रहेंगे।

बिजनेस प्लस

सीआईएसटी में फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का शुभारंभ

भोपाल। कॉरपोरेट इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (सीआईएसटी) के मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग ने पैरामीट्रिक मॉडलिंग- कॉम्प्लेक्स 3डी प्रिंटिंग के लिए उन्नत डिज़ाइन रणनीतियां विषय पर 6 दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम (एफडीपी) का शुभारंभ किया।

एआईसीटीई ट्रेनिंग एंड लर्निंग अकादमी (एटीएएल) द्वारा प्रायोजित यह कार्यक्रम 13 सितंबर तक चलेगा और इसका उद्देश्य तकनीकी शिक्षा में, विशेष रूप से पैरामीट्रिक मॉडलिंग और 3डी प्रिंटिंग में फैकल्टी के कौशल को बढ़ाना है। सीआईएसटी के निदेशक डॉ. भारत किशोर गुप्ता ने प्रतिभागियों का स्वागत किया और संस्थान की फैकल्टी विकास के प्रति प्रतिबद्धता दोहराई। मुख्य अतिथि डॉ. एस. एस. भदौरिया, यूआईटी-आरजीपीवी के निदेशक ने सतत शिक्षा, नवाचार और शिक्षा में एआई के एकीकरण की आवश्यकता पर बल दिया। विशेष अतिथि डॉ. एचएन भार्गव, सीएसआईआर-एएमपीआरआई के मुख्य वैज्ञानिक ने इस विषय के महत्व पर प्रकाश डाला और रैपिड प्रोटोटाइपिंग पर एक विशेषज्ञ व्याख्यान दिया। सत्र का समापन एफडीपी समन्वयक डॉ. बी. सुरेश के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिन्होंने कार्यक्रम के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला और इसमें शामिल सभी लोगों के सहयोग की सराहना की। विभिन्न संस्थानों के 50 फैकल्टी सदस्यों ने, जो मैकेनिकल इंजीनियरिंग में विशेषज्ञ हैं, इस कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लिया।

बीएसएसएस का ह्यूमैनिटेरियन डे पर हुआ सम्मान

भोपाल। सोशल साइंस स्कूल में ह्यूमैनिटेरियन डे बहुत उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर, भोपाल शहर के कई प्रतिष्ठित संस्थानों ने सोशल साइंस कॉलेज और इसके प्रिंसिपल, फादर जॉन पीजे को उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया। डॉ. ऋतिक गांधे के नेतृत्व में

सोशल वर्क डिपार्टमेंट ने एक ब्लड डोनेशन कैंप भी आयोजित किया, जिसमें कॉलेज के छात्रों ने 133 यूनिट ब्लड डोनेट किया। बी.एस.एस.एस. में देवहारम द्वारा एम्स अस्पताल में मरीजों के परिजनों के लिए रोजाना भोजन वितरण कार्यक्रम की नियमितता और गुणवत्ता को देखते हुए, गुरुद्वारा गुरु तेग बहादुर सेवा समिति, साकेत नगर के अध्यक्ष सरदार हरदीप सिंह गुलाटी ने कॉलेज के प्रिंसिपल को निस्वार्थ सेवा पुरस्कार से सम्मानित किया और यूथ फॉर सर्विस के भोपाल चैप्टर कोऑर्डिनेटर अतर प्रसाद साहू ने उन्हें ह्यूमैनिटी पर्ल अवार्ड दिया। गौकष्ठ संरक्षण और पर्यावरण प्रोत्साहन समिति की ओर से कोषाध्यक्ष और समन्वयक ममता शर्मा ने कोविड के दौरान उनके सराहनीय योगदान के लिए डॉ. जॉन को सोशल जेम अवार्ड से सम्मानित किया। हमीदिया अस्पताल के डॉ. पुनीत टंडन ने भी हमीदिया अस्पताल को नियमित ब्लड डोनेशन सपोर्ट देने के लिए कॉलेज को सम्मानित किया। सेंट्रल रेलवे के डिवीजनल रेलवे मैनेजर (कॉमर्शियल) सौरभ कटारिया ने सुंदर और अच्छी तरह से सुसज्जित कैंपस के लिए कॉलेज को क्लीन एंड ग्रीन कैंपस अवार्ड से सम्मानित किया।

लिबर्टी सभी उत्पादों के साथ उतरी भोपाल के बाजार में

भोपाल। देश के अग्रणी फुटवियर ब्रांड लिबर्टी शूज लिमिटेड ने आगामी त्योहारी सीजन को ध्यान में रखते हुए भोपाल में अपनी विस्तृत रेंज के लॉन्च की घोषणा की। इस अवसर पर कंपनी ने होटल प्राइड, ललिता नगर, भोपाल में अपने डीलर्स मीट का सफलतापूर्वक आयोजन किया, जिसमें पूरे भोपाल से डीलरों ने भाग लिया। इस आयोजन के दौरान, कंपनी ने आगामी स्प्रिंग-समर 2026 (एसएस 26) कलेक्शन का अनावरण किया, जिसमें 400 से अधिक नए डिजाइन और एक्सेसरीज प्रदर्शित की गईं। लिबर्टी देश का एकमात्र 70 साल पुराना स्वदेशी फुटवियर ब्रांड है, जो अपना संपूर्ण निर्माण भारत में करता है और भारतीय उपभोक्ताओं की जरूरतों के अनुसार उत्पाद बनाता है। ब्रांड की विविध रेंज 399 से 9999 तक उपलब्ध है, जो मध्यम वर्ग के उपभोक्ताओं से लेकर आधुनिक भारत के उभरते ग्राहकों तक सभी की जरूरतों को पूरा करती है। जहां उत्पादन की शुरुआत सिर्फ 4 जोड़ी जूतों प्रतिदिन से हुई थी, वहीं आज लिबर्टी 50,000 जोड़ी से अधिक जूते प्रतिदिन बनाने की क्षमता वाला एक बड़ा ब्रांड बन गया है। कंपनी के निदेशक रुचिर बंसल ने कहा कि ए डब्ल्यू 25 कलेक्शन को मीडिया और उपभोक्ताओं का भरपूर समर्थन मिला। उन्होंने याद दिलाया कि अप्रैल 2025 में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में कंपनी ने दो नवीन तकनीकों – वाइब्रेशन शूज और वार्म शूज को लॉन्च किया था। भोपाल के वितरक सेफी सेल्स के निदेशक ने कहा कि लिबर्टी के प्रमुख ब्रांड – हीलर्स, लीप7एक्स, लूसी एंड ल्यूक और आहा – कंपनी की कुल बिक्री में 70 प्रतिशत से अधिक का योगदान करते हैं और अपनी गुणवत्ता और किफायती कीमतों से हर उपभोक्ता वर्ग को आकर्षित करते हैं।

दिविता जुनेजा की एक्टिंग और चार्म ने जीता दिल

हीर एक्सप्रेस का ट्रेलर लाँच, 12 सितंबर को रिलीज

उमेश शुक्ला के निर्देशन और आशुतोष राणा, गुलशन ग्रोवर, संजय मिश्रा और मेघना मलिक संग दमदार स्टारकास्ट से सजी हीर एक्सप्रेस

मुंबई। बॉलीवुड की बहुप्रतीक्षित फैमिली एंटरटेनर हीर एक्सप्रेस का दूसरा ट्रेलर जी म्यूजिक पर लाँच किया गया। फिल्म 12 सितंबर को पूरे देश के सिनेमाघरों में दस्तक देगी। इससे पहले जून में रिलीज हुआ फिल्म का टीजर और पहला ट्रेलर सोशल मीडिया पर तहलका मचा चुका है और अब इस दूसरे ट्रेलर ने दर्शकों की उम्मीदों को नई ऊँचाइयों तक पहुँचा दिया है।

फिल्म में टैलेंट और ग्लैमर का जबरदस्त संगम है। गार्जियस दिविता जुनेजा हीर एक्सप्रेस से सिल्वर स्क्रीन पर अपना ग्रैंड डेब्यू कर रही हैं। उनके साथ नजर आएंगे चार्मिंग प्रीत कमानी। वहीं फिल्म में दिग्गज कलाकारों का भी तगड़ा तड़का है आशुतोष राणा, गुलशन ग्रोवर, संजय मिश्रा, मेघना मलिक और लंदन के नामचीन कलाकारों ने भी फिल्म में अपनी मौजूदगी दर्ज कराई है। निर्देशन की कमान संभाली है उमेश शुक्ला ने, जो ओह माय गॉड और 102 नॉट आउट जैसी हिट फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। अपनी समाजिक और मनोरंजक फिल्मों के लिए मशहूर उमेश शुक्ला ने कहा 'हीर एक्सप्रेस' केवल एक कहानी नहीं, बल्कि इमोशन्स और रोमांच से भरी खूबसूरत यात्रा है, जिसे लंदन की फेमस लोकेशन्स पर शूट किया गया है।

'हीर एक्सप्रेस' से बॉलीवुड डेब्यू कर रहीं दिविता जुनेजा अपनी मासूम अदाओं और दमदार स्क्रीन प्रेजेंस से ट्रेलर में ही छा गई हैं। दिग्गज कलाकारों के बीच उनका आत्मविश्वास साफ दिखाता है कि इंडस्ट्री को एक नया सितारा मिल गया है।

फिल्म के 5 दमदार गाने पहले ही रिलीज होकर सोशल मीडिया, टीवी और रेडियो पर धूम मचा रहे हैं। गानों को संगीत दिया है तनिष्क बागची ने, जिन्हें अपनी आवाज दी है जावेद अली, असीस कौर, निखिता गांधी, जसबीर जस्सी जैसे सुपरहिट गायकों ने। फिल्म की कहानी भारत से लंदन तक फैली है, जहाँ नायिका का अपने जीवन की कई सच्चाइयों से सामना होता और हालात उसे ऐसी जंग में खड़ा कर देते हैं जहाँ उसे कई कठिन फैसले लेने पड़ते हैं। गत दिनों हुई प्रेस कान्फ्रेंस में सितारों ने भी अपने अनुभव साझा किए। दिविता जुनेजा ने कहा कि आशुतोष राणा सर, गुलशन ग्रोवर सर और संजय मिश्रा सर जैसे दिग्गजों के साथ काम करना उनके लिए सम्मान की बात है। मैंने उनसे बहुत कुछ सीखा है। वहीं आशुतोष राणा ने तो दिविता की सराहना करते हुए यहां तक कह दिया कि दिविता ने 'हीर' के किरदार को जी लिया है और उनका भविष्य बेहद उज्ज्वल है। गुलशन ग्रोवर ने कहा कि लंबे समय बाद एक ऐसी फैमिली फिल्म बनी है जो हर पीढ़ी को पसंद आएगी।

फिल्म की सिनेमैटोग्राफी समीर आर्य और अक्षत शर्मा ने संभाली है, एडिटिंग की है मयूर हारदास ने और एक्शन डायरेक्शन किया है सुनील रोड्रिग्स व इयान वैन टेम्परली ने, कोरियोग्राफी आदिल शेख और कॉस्ट्यूम डिजाइनर है प्रीति शर्मा ।

हीर एक्सप्रेस एक साफ सुथरी पारिवारिक फिल्म है, जिसमें इमोशन्स, रोमांच, म्यूजिक और रिश्तों की गर्माहट सब कुछ है। फिल्म 12 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी और ट्रेलर पर दर्शकों की प्रतिक्रिया से साफ है कि उनको एक बड़ी, दिल छू लेने वाली फिल्म मिलने जा रही है।

बाजार पर नजर

शेयर बाजार में आज

▲ 80,787

+77

Nifty 50 Top Gainers

Scrip	High	%Gain
M&M	3,708.00	4.00%
Tata Motors	719.95	3.77%
Eicher Motors	6,805.00	3.37%
Bajaj Auto	9,390.00	3.36%
JSW Steel	1,112.30	2.81%

Nifty 50 Top Losers

Scrip	Close	%Loss
Trent	5,311.00	-3.93%
Asian Paints	2,532.10	-1.85%
Dr Reddys Labs	1,249.80	-1.44%
Nestle	1,191.60	-1.40%
SBI Life Insura	1,780.20	-1.39%

फोरेक्स रेट

मुद्रा	बिक्री
$ डॉलर	88.260
€ यूरो	103.15
¥ येन	0.5997
£ पौंड	119.23

ट्रम्प टैरिफ से 0.5 प्रतिशत कम हो सकती है भारत की जीडीपी ग्रोथ

अगर टैरिफ अगले साल तक खिंचता है, तो असर और बड़ा होगा: नागेश्वरन

नई दिल्ली, जेएनएन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के 50 प्रतिशत टैरिफ से इस साल भारत की जीडीपी ग्रोथ 0.50 प्रतिशत तक कम हो सकती है। ये बात देश के मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंत नागेश्वरन ने कही। उन्होंने कहा कि यह पूरी तरह समय पर निर्भर करेगा, अगर ये टैरिफ इस साल ज्यादा देर तक बने रहे तो जीडीपी पर 0.5 से 0.6 फीसदी का असर पड़ सकता है। हालांकि, नागेश्वरन ने उम्मीद जताई कि ये टैरिफ ज्यादा दिनों तक नहीं चलेंगे, लेकिन अगर ये अगले वित्त वर्ष में भी जारी रहा तो विकास की गति पर बड़ा खतरा मंडराएगा। बता दें कि यह टैरिफ अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने 27 अगस्त को लागू किया था। इनमें 25 फीसदी का सेकेंडरी टैरिफ शामिल है। साथ ही 25 फीसदी का जुर्माना, जो भारत के रूसी कच्चे तेल खरीदने के चलते लगाया गया है। ट्रंप का यह कदम भारत के लिए चुनौती पैदा कर रहा है। हालांकि, नागेश्वरन ने साफ कहा कि अभी भी देश की अर्थव्यवस्था मजबूत बनी हुई है।

टेक्सटाइल और ज्वेलरी सेक्टर को सबसे ज्यादा नुकसान

ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव की रिपोर्ट के अनुसार, यह नया टैरिफ भारत के लगभग 5.4 लाख करोड़ के एक्सपोर्ट को प्रभावित कर सकता है। 50 प्रतिशत टैरिफ से अमेरिका में बिकने वाले कपड़े, जेम्स-ज्वेलरी, फर्नीचर, सी फूड जैसे भारतीय प्रोडक्ट्स महंगे हो जाएंगे। इससे इनकी मांग में 70 प्रतिशत की कमी आ सकती है। चीन, वियतनाम और मेक्सिको जैसे कम टैरिफ वाले देश इन सामानों को सस्ते दाम पर बेचेंगे। इससे भारतीय कंपनियों की अमेरिकी बाजार में हिस्सेदारी कम होगी। इस वित्त वर्ष की पहली तिमाही(अप्रैल-जून) में भारत की जीडीपी ग्रोथ सालाना आधार पर 6.5 प्रतिशत से बढ़कर 7.8 प्रतिशत पर पहुंच गई है। ये पिछली 5 तिमाही में सबसे ज्यादा है। मैन्युफैक्चरिंग, सर्विस और एग्रीकल्चर सेक्टर के बेहतर परफॉर्मेंस की वजह से जीडीपी में ये उछाल आया है।

दबाव के बावजूद उम्मीदें बरकरार: नागेश्वरन

इन दिक्कतों के बीच भी नागेश्वरन ने कहा कि भारत का वास्तविक जीडीपी विकास दर वित्त वर्ष 26 में 6.3 से 6.8 फीसदी रहेगी। ये सरकारी अनुमान के मुताबिक है। पहले तिमाही में अर्थव्यवस्था 7.8 फीसदी बढ़ी। ये एक साल से ज्यादा समय में सबसे तेज रफ्तार है। नागेश्वरन ने इसे सकारात्मक संकेत बताया। उन्होंने जीडीपी में हुए हालिया बदलाव का भी जिक्र किया। उन्होंने अनुमान लगाया कि जीडीपी की नई व्यवस्था से जीडीपी में 0.2 से 0.3 फीसदी की बढ़ोतरी हो सकती है। बता दें कि लालकिले से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वादे को पूरा करते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने हाल ही में जीडीपी सुधारों की घोषणा की थी। अब चार स्लैब के बजाय जीडीपी में 5 फीसदी और 18 फीसदी के दो स्लैब ही होंगे। साथ ही सिन गुड्स पर फ्लैट 40 फीसदी की दर होगी। ये बदलाव व्यापार को आसान बनाएंगे और चीजों के दाम घटने से लोगों को खरीदारी में आसानी होगी। नागेश्वरन ने कहा कि इस साल 4.4 फीसदी का राजकोषीय घाटे का लक्ष्य हासिल हो जाएगा। उन्होंने कहा कि रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने सरकार को रिकॉर्ड डिविडेंड दिया है। संपत्ति बिक्री से भी राजस्व की कमी पूरी होगी। ये सब मिलकर अर्थव्यवस्था को सहारा देंगे। टैरिफ का दबाव है लेकिन सुधारों से रास्ता साफ दिख रहा है।

भारत दुनिया की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होने के लिए भारत है तैयार: गोयल

नई दिल्ली, जेएनएन। भारत दुनिया की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होने के लिए तैयार है। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने यह दावा किया है। उन्होंने कहा कि आने वाले दो से ढाई वर्षों में भारत यह उपलब्धि हासिल करने वाला है। गोयल ने एक दशक पहले दुनिया की सबसे कमजोर अर्थव्यवस्थाओं में से एक से लेकर अब शीर्ष पांच में शामिल होने तक के भारत के सफर पर प्रकाश डाला। विज्ञान भवन में इंजीनियरिंग निर्यात संवर्धन परिषद (ईईपीसी) के प्लेटिनम जयंती समारोह में बोलते हुए गोयल ने कहा कि भारत 2014 में दुनिया की पांच सबसे कमजोर अर्थव्यवस्थाओं में से एक से आगे बढ़कर 2025 में शीर्ष पांच अर्थव्यवस्थाओं में से एक बन गया है। आने वाले दो-ढाई वर्षों में, भारत दुनिया की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में से एक बन जाएगा। गोयल ने कहा कि भारत जलवायु परिवर्तन से निपटने में एक ज़िम्मेदार भूमिका निभाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि वैश्विक जलवायु परिवर्तन की बड़ी चुनौती के सामने, भारत एक जिम्मेदार वैश्विक नागरिक की भूमिका निभा रहा है। वैश्विक स्थिरता प्रयासों में भारत शीर्ष तीन देशों में शामिल रहा है। उन्होंने कहा कि चाहे चुनौती कितनी भी बड़ी क्यों न हो, देश में पर्याप्त ताकत है।

स्वदेशी प्राथमिकता बढ़ाने पर दिया जोर: उन्होंने देश में ही उच्च-गुणवत्ता वाले उत्पादों के निर्माण और बिक्री की आवश्यकता पर जोर दिया और लोगों से स्वदेशी वस्तुओं के प्रति अपनी प्राथमिकता बढ़ाने का आग्रह किया। गोयल ने कहा कि हमें आज दुनिया द्वारा भारत में दिखाए जा रहे विश्वास को बनाए रखना चाहिए।

भारत ने 7.8 प्रतिशत की जीडीपी का रिकॉर्ड बनाया

मंत्री ने हालिया आर्थिक प्रदर्शन का जिक्र करते हुए कहा कि पिछली तिमाही में भारत की जीडीपी में 7.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जिसे उन्होंने एक रिकॉर्ड बताया। उन्होंने यह भी अनुमान लगाया कि 2047 तक भारत 30 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बन जाएगा । जीएसटी सुधार से देश और आम आदमी को मिलेगा लाभ गोयल ने नए अवसर पैदा करने के लिए वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) जैसे सुधारों को श्रेय दिया।

बाजार पर नजर

पड़ोसी देश के साथ अडानी की डील से चढ़ा शेयरों का भाव

नई दिल्ली, जेएनएन। बिजनेस टायकून गौतम अडानी की अगुवाई वाली कंपनी अडानी पावर के शेयर में जबरदस्त तेजी देखने को मिली। कारोबार के दौरान कंपनी के शेयर 4.74 परसेंट उछलकर 638.70 रुपये पर पहुंच गए. इस तेजी के पीछे एक वजह है। दरअसल, कंपनी ने पड़ोसी देश भूटान में 570 मेगावाट के हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट के लिए वहां की सरकारी कंपनी ड्रुक ग्रीन पावर कॉर्प के साथ एक डील की है। वांगछू प्रोजेक्ट में पावर प्लांट और इससे संबंधित इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए 6000 करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा। प्रोजेक्ट पर काम 2026 में शुरू होने की उम्मीद है, जिसे पांच साल के भीतर पूरा करने का टारगेट है। बेशक, इस हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट से भूटान में बिजली की बढ़ती मांग पूरी होगी, खासकर सर्दियों के दिनों में। इसके अलावा, इसके जरिए भारत में भी बिजली का निर्यात किया जाएगा।

साइकिल-खिलौने तो सस्ते महंगी हो सकती हैं किताबें

नई दिल्ली, जेएनएन। हाल में जीएसटी रिफॉर्म के बाद उसे पहले के चार स्लैब की जगह पर अब दो स्लैब कर दिया गया है, जो 22 सितंबर से प्रभावी हो जाएगा। इसके बाद अधिकतर चीजों के दाम कम हो जाएंगे। लेकिन जीएसटी काउंसिल के फैसले से किताबों की कीमत बढ़ सकती है। इसकी खास वजह ये है कि जिस कागज पर किताबें छपती हैं, उस पर जीएसटी की दरें 12 प्रतिशत से अब बढ़कर 18 प्रतिशत कर दी गई हैं। किताब के प्रकाशकों की मानें तो सरकार के इस कदम का सीधा बोझ छात्रों के पॉकेट पर पड़ने वाला है क्योंकि किताब की कीमतें अब महंगी होने जा रही हैं। हालांकि, सरकार के इस कदम के विरोध में किताब के कारोबारियों ने लेटर लिखकर अपनी चिंताएं सरकार के सामने रखी हैं। जीएसटी काउंसिल की बैठक में एक तरफ जहां स्टेशनरी के सामान जैसे नक्शे, नोटबुक, रबर, रजिस्टर, पेंसिल और ड्राइंग पर पूरी तरह से जीएसटी खत्म कर दिया गया है। इन सामानों पर पहले 12 प्रतिशत की दर से जीएसटी चार्ज किया जाता था।

भारत-इजरायल ने साइन की बाइलेट्रल इन्वेस्टमेंट ट्रीटी, आर्थिक और निवेश संबंधों को मिलेगी मजबूती

नई दिल्ली, जेएनएन। भारत और इजरायल ने नई दिल्ली में एक बड़ा समझौता किया। दोनों देशों ने आपसी आर्थिक और वित्तीय रिश्तों को मजबूत करने के लिए बाइलेट्रल इन्वेस्टमेंट ट्रीटी पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते पर भारत की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और इजरायल के वित्त मंत्री बेजालेल स्मोट्रिच ने साइन किए। वित्त मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी शेयर करते हुए बताया कि यह समझौता दोनों देशों के निवेशकों के लिए नए अवसर खोलेगा। इजरायल के वित्त मंत्रालय ने कहा कि नई इन्वेस्टमेंट ट्रीटी से भारत और इजरायल के निवेशकों को बराबर का मौका मिलेगा। यह आपसी निवेश को बढ़ावा देने का काम करेगी।

यह समझौता खास इसलिए भी है क्योंकि इजरायल पहला आर्थिक सहयोग और विकास संगठन देश है जिसके साथ भारत ने नई इन्वेस्टमेंट ट्रीटी साइन की है। यह समझौता भारत के नए मॉडल पर आधारित है, जिसे निवेश समझौतों के लिए तैयार किया गया है। बता दें कि आर्थिक सहयोग और विकास संगठन देश अमीर और विकसित देशों का एक समूह है, जो आपस में मिलकर अर्थव्यवस्था और व्यापार को बेहतर बनाने का काम करते हैं। हालांकि, समझौते की पूरी जानकारी सामने नहीं आई है। लेकिन उम्मीद जताई जा रही है कि इस ट्रीटी के तहत दोनों देशों के निवेशकों को अंतरराष्ट्रीय मानकों के आधार पर सुरक्षा मिलेगी। साथ ही नॉन-डिस्क्रिमिनेटरी ट्रीटमेंट और स्वतंत्र आर्बिट्रेशन की सुविधा भी दी जाएगी। इजरायल इससे पहले भी यूएई और जापान जैसे देशों के साथ 15 से ज्यादा इन्वेस्टमेंट ट्रीटी साइन कर चुका है। इजरायल के वित्त मंत्री बेजालेल स्मोट्रिच इन दिनों भारत के तीन दिन के दौरे पर हैं। इस विजिट का मकसद दोनों देशों के बीच आर्थिक और वित्तीय संबंधों को मजबूत करना है।

रेस्टोरेंट पर जो खाना 810 रुपये का वही स्विगी से मंगाने पर 1473 रु. का

नई दिल्ली, जेएनएन। आजकल घर बैठे खाने का मजा उठाने के लिए लोग ऑनलाइन फूड डिलिवरी ऐप्स का खूब इस्तेमाल करते हैं, जिनमें स्विगी और जोमैटो का नाम पहले आता है। हाल ही में एक ग्राहक का अनुभव सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गया। उन्होंने बताया कि जिस रेस्टोरेंट से खाना उन्होंने स्विगी पर ऑर्डर किया, वहीं से जाकर खरीदने पर वही खाना 81 प्रतिशत सस्ता पड़ा।

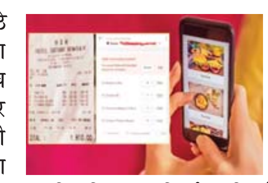

सुंदर नाम के ट्विटर यूजर ने स्विगी को टैग करते हुए लिखा- स्विगी, जरा समझाइए। वही खाना अगर मैं आपके ऐप से ऑर्डर करूं तो उसकी कीमत आउटलेट से सीधे लेने की तुलना में 81 प्रतिशत ज्यादा क्यों है, जबकि आउटलेट सिर्फ 2 किलोमीटर दूर ही है। क्या यही है सुविधा की असली कीमत सिर्फ घर तक खाना मंगाने के लिए मुझे 663 रुपये अतिरिक्त चुकाने पड़ रहे हैं।

हुंडई, टाटा और निसान ने घटा दी गाड़ियों की कीमत

ग्राहकों को 4 लाख रुपये से ज्यादा तक का फायदा

नई दिल्ली, जेएनएन। जीएसटी में हुई कटौती का असर दिखाई देने लगा है। ऑटोमोबाइल कंपनियों हुंडई मोटर इंडिया, टाटा मोटर्स और निसान ने अपनी गाड़ियों के दाम कम कर दिए हैं। हुंडई ने अपनी सभी गाड़ियों के दाम में 2.4 लाख रुपये तक की कमी की है। टाटा मोटर्स ने अपने कमर्शियल गाड़ियों के दाम 4.65 लाख रुपये तक घटा दिए हैं। हुंडई ने बताया कि 22 सितंबर से नई कीमतें लागू हो जाएंगी। जीएसटी की नई दरें इसी दिन से लागू हो रही हैं। कंपनी ने कहा है कि इस त्योहारी सीजन में ग्राहकों को 73,808 रुपये से लेकर 2.4 लाख रुपये तक की बचत होगी। यह बचत गाड़ी के मॉडल पर निर्भर करेगी।

हुंडई ने अलग-अलग मॉडल के हिसाब से कीमतें कम की हैं। वेरना सेडान की कीमत 60,640 रुपये तक कम हुई है। वहीं, प्रीमियम टक्सन की कीमत 2.4 लाख रुपये तक कम हुई है। कंपनी का कहना है कि आने वाले त्योहारों के सीजन में ग्राहक 73,808 रुपये से लेकर 2.4 लाख रुपये तक की बचत कर सकते हैं। यह बचत गाड़ी के मॉडल पर निर्भर करेगी।

टाटा ने किया ऐलान

टाटा मोटर्स ने भी कहा है कि वे जीएसटी में हुई कटौती का पूरा फायदा ग्राहकों को देंगे। कंपनी ने अपनी कमर्शियल गाड़ियों के दाम 22 सितंबर से कम कर दिए हैं। कीमतें 30,000 रुपये से लेकर 4.65 लाख रुपये तक घटाई गई हैं। टाटा मोटर्स ने पहले ही अपनी पैसेंजर गाड़ियों के दाम कम करने का ऐलान कर दिया था।

सेंसेक्स 76 अंक चढ़ा निफ्टी 24,800 के नीचे, ऑटो शेयर चमके

नई दिल्ली, जेएनएन। ऑटो स्टॉक्स में लगातार जारी तेजी और मेटल स्टॉक्स में खरीदारी के दम पर भारतीय शेयर बाजार हफ्ते के पहले ट्रेडिंग सेशन को बढ़त के साथ बंद हुए। हालांकि कारोबार के आखिरी कुछ घंटों में बेंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स और निफ्टी ने अपनी अधिकांश बढ़त गंवा दी। अमेरिका के कमजोर लेबर डाटा ने फेडरल रिजर्व क तरफ से ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदों को बढ़ा दिया। इससे बाजार के सेंटीमेंट्स पर पॉजिटिव असर हुआ। साथ ही सरकार की तरफ से किए जीएसटी टैक्स कटौती के फैसले ने भी बाजार भावनाओं को मजबूती दी। 30 शेयरों वाल बीएसई सेंसेक्स करीब 200 अंक चढ़कर 80,904 पर खुला। दिन के दौरान इस इंडेक्स ने 81,171 के हाई और 80,733 के लो रेंज में कारोबार किया। अंत में यह इंडेक्स 76.54 अंक यानी 0.09 प्रतिशत की मामूली बढ़त लेकर 80,787.30 पर बंद हुआ। इसी तरह, नैशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी50 भी मजबूती के साथ 24,802.60 अंक पर ओपन हुआ।

कारोबार के दौरान इस इंडेक्स ने 24,885 के हाई और 24,751 के लो रेंज में ट्रेड किया। अंत में निफ्टी 50 32.15 अंक यानी 0.13 प्रतिशत बढ़कर 24,773.15 पर बंद हुआ। व्यापक बाजारों में, निफ्टी मिडकैप 100 0.50 फीसदी और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 0.16 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुए।

ऑटो शेयरों में लगातार जारी तेजी

ऑटो शेयरों ने व्यापक बाजारों से बेहतर प्रदर्शन किया और निफ्टी ऑटो इंडेक्स में 3 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई, जिसकी अगुवाई भारत फोर्ज, अशोक लीलैंड, मदरसन सुमी और टाटा मोटर्स ने की। दूसरी ओर, निफ्टी आईटी सेक्टर पिछड़ने वालों में से एक सेक्टर रहा। यह इंडेक्स 0.94 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ। परसिस्टेंट सिस्टम्स, एलटीआईमाइंडट्री और टेक महिंद्रा इस सेक्टर में सबसे ज्यादा गिरने वाले शेयरों में शामिल रहे।

पृष्ठ एक और तीन के शेष

नेपाल में 'जेन जी'...
नहीं झुकना चाहिए। इस बयान के बाद सत्तारूढ़ गठबंधन में तनाव बढ़ गया है। नेपाली कांग्रेस के मंत्रियों ने बैठक से वॉकआउट कर दिया।
इससे पहले नेपाल सरकार ने सोशल मीडिया कंपनियों से कहा था कि वे 1. नेपाल में लोकल ऑफिस खोलें। 2. लोकल शिकायत निवारण अधिकारी और कानूनी प्रतिनिधि नियुक्त करें। 3. सरकार को आवश्यक डेटा मुहैया कराएं। 4. विवादित कंटेंट हटाने की जिम्मेदारी लें। कंपनियों का तर्क है कि नेपाल का यूजर बेस छोटा है और इतनी लागत उन पर भारी पड़ेगी। अगर वे यहां नियम मान लें तो अन्य छोटे देशों में भी दबाव बढ़ेगा। यही वजह रही कि उन्होंने समय पर रजिस्ट्रेशन नहीं कराया। नेपाल का संविधान और अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार कानून शांतिपूर्ण विरोध का अधिकार देते हैं। लेकिन जिस तरह पुलिस ने बल का प्रयोग किया और प्रदर्शनकारी हिंसा पर उतरे, उसने देश को गहरे संकट में धकेल दिया है। यह पहली बार है जब नेपाल की जनरेशन-जी इतनी बड़ी संख्या में लोकतांत्रिक अधिकारों के लिए सड़क पर उतरी है। उनका कहना है कि सरकार उनकी आवाज दबा रही है और बोलना भी अपराध बना दिया गया है। सोमवार सुबह संसद भवन के बाहर प्रदर्शनकारियों की भीड़ जमा होते ही माहौल तनावपूर्ण हो गया। युवाओं ने नारेबाजी करते हुए गेट तोड़ने की कोशिश की। पुलिस ने पानी की बौछार और आंसू गैस का इस्तेमाल किया, लेकिन भीड़ पर काबू नहीं पा सकी। इसके बाद पुलिस ने रबर बुलेट और असली गोलियां चलाईं। एक घायल युवक को साथी प्रदर्शनकारी खुद कंधों पर उठाकर अस्पताल ले जाते देखे गए। आंदोलन में बड़ी संख्या में स्कूली छात्र-छात्राएं भी शामिल हुए। कई छात्राओं ने 'भ्रष्टाचार बंद करो' जैसे नारे लिखी तख्तियां थाम रखी थीं। स्कूल ड्रेस पहने हुए छात्र सड़क पर बैठकर सरकार विरोधी नारे लगा रहे थे।

दीपक नए जनसंपर्क...
इंदौर का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। उनके स्थान पर सीएम सचिवालय के उपसचिव आशीष तिवारी अब कटनी के नए कलेक्टर होंगे। बड़वानी की कलेक्टर सुश्री गुंचा सनोबर को मंत्रालय में उपसचिव बनाया गया है, जबकि श्रीमती जयति सिंह मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत उज्जैन को बड़वानी जिले की कमान सौंपी गई है। श्रीमती प्रीति यादव आयुक्त नगर निगम जबलपुर को आगर -मालवा का कलेक्टर बनाया गया है। इंदौर के नए कलेक्टर शिवम वर्मा होंगे। वे इंदौर नगर निगम के आयुक्त थे। इसी तरह इंदौर संभाग के मौजूदा कमिश्नर दीपक सिंह को विकअ सह सचिव मध्यप्रदेश निर्वाचन आयोग बनाया गया है। जबकि अब तक इस जिम्मेदारी को निभा रहे अभिषेक सिंह को गृह सचिव बनाया गया है। मौजूदा समय में गृह सचिव की जिम्मेदारी संभाल रहे आशीष भार्गव की नई पदस्थापना अभी नहीं की गई है। इंदौर विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी भी बदले गए हैं। यहां पदस्थ सीईओ रामप्रकाश अहिरवार को जबलपुर नगर निगम का कमिश्नर बनाया गया है। जबकि नगरीय प्रशासन एवं विकास के अपर आयुक्त परीक्षित संजय राव झाड़े को आईडीए का नया सीईओ बनाया गया है।

एनडीए को बढ़त; बीजद...
उनके पक्ष में जाएगा। कांग्रेस नेताओं ने बीजद और बीआरएस के फैसले पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उनका कहना है कि यह कदम लोकतांत्रिक विपक्ष को कमजोर करने वाला है। दूसरी ओर भाजपा का तर्क है कि बीजद और बीआरएस ने अपने विवेक से निर्णय लिया है और इसे विपक्ष की विफलता के रूप में देखा जाना चाहिए। विपक्ष का आरोप है कि भाजपा सत्ता के दबाव और संसाधनों के बल पर सांसदों को प्रभावित कर रही है।

पंजाब नैशनल बैंक punjab national bank
न्यू मार्केट शाखा, भोपाल (म.प्र.)

आम सूचना

सर्वसाधारण को पंजाब नैशनल बैंक मुख्य प्रबंधक लुकमान सिंह देशमुख की ओर से सूचित किया जाता है स्व. श्री रामनिवास सिंह चौहान निवासी : जी-2/189, गुलमोहर कॉलोनी, त्रिलंगा, भोपाल म.प्र. द्वारा जी -2/189, गुलमोहर कॉलोनी, त्रिलंगा, भोपाल म.प्र. । स्व. श्री रामनिवास सिंह चौहान द्वारा पंजाब नैशनल बैक न्यू मार्केट शाखा में बंधक रखकर लोन प्राप्त किया था । इनके मृत्यु पश्चात इनके कानूनी वारिस श्रीमती रेखा चौहान , समीर सिंह, दिव्या सिंह एवं पूर्वी सिंह द्वारा ऋण चुकता कर दिया गया है। एनओसी प्राप्त कर ली है एवं उनके द्वारा स्व. श्री रामनिवास सिंह चौहान के संपत्ति के मूल दस्तावेज प्राप्त करने हेतु आवेदन दिया है।
उक्त संपत्ति के संबंध में यदि किसी व्यक्ति, संस्था या स्व. श्री रामनिवास सिंह चौहान के उत्ताराधिकरी, हितग्राही या वारिसान को आपत्ति है,तो यह सूचना प्रकाशन अवधि के 5 दिनों में संबधित शाखा में संपर्क करें एवं आपत्ति प्रस्तुत करें अवधि व्यतीत होने के पश्चात पंजाब नैशनल बैक न्यू मार्केट शाखा भोपाल द्वारा स्व. श्री रामनिवास सिंह चौहान से संबंधित समस्त दस्तावेज आवेदको को दे दिए जाएंगे तथा इसक पश्चात किसी की भी कोई आपत्ति बैंक द्वारा स्वीकार नहीं की जावेगी।

मुख्य शाखा प्रबंधक

मध्यप्रदेश राज्य कृषि विपणन बोर्ड
कार्यालय कार्यपालन यंत्री तकनीकी संभाग क्रमांक 01 भोपाल
'किसान भवन', तृतीय तल, 26-अरेरा हिल्स, भोपाल- 462011
eebhopal123@gmail.com
क्र./त.सं.क्र.1 भो./स्टो.शा./वाहन/निविदा/2025-26/808 भोपाल, दि. : 08.09.2025

निविदा आमंत्रण सूचना

एतद् द्वारा सर्वसंबंधित ट्रेवल्स एजेन्सियों को सूचित किया जाता है कि कार्यपालन यंत्री को कार्यालयीन कार्य एवं संभाग के अंतर्गत मंडियों के निर्माण कार्यों के निरीक्षण हेतु 01 नग बोलेरो या समकक्ष वाहन (सिस्टम निविदा क्रमांक 2025_MPSAM_450048_1) एवं संभाग अंतर्गत 05 उपसंभागों में पदस्थ सहायक यंत्रियों को उनके उपसंभाग में निर्माण कार्यों के निरीक्षण हेतु 05 नग बोलेरो या समकक्ष वाहन (सिस्टम निविदा क्रमांक 2025_MPSAM_450049_1) किराये पर लिए जाने हेतु ऑनलाइन निविदा आंमत्रित की जाती है। म.प्र. शासन के ई-निविदा पोर्टल **https://mptenders.gov.in** पर अद्यतन एवं दर्शाये गये समय पर निविदा ऑनलाइन प्राप्त की जाएगी। निविदा से संबंधित जानकारी मंडी बोर्ड की वेबसाइट **www.mpmandiboard.gov.in** पर अवलोकनीय होगी।
नोट : आवश्यक होने पर निविदा सूचना से संबंधित किसी भी प्रकार की संशोधन सूचना अथवा जानकारी केवल उपरोक्तानुसार पोर्टल पर प्रदर्शित की जावेगी।

कार्यपालन यंत्री
मध्यप्रदेश राज्य कृषि विपणन बोर्ड
तकनीकी संभाग क्रमांक-1 भोपाल
म.प्र. माध्यम/121952/2025

कार्यालय नगर पालिक निगम, भोपाल
(विद्युत विभाग)
आई.एस.बी.टी. परिसर, वर्मा ट्रैवल्स ऑफिस के प्रथम तल पर, भोपाल (म.प्र.)-462001

क्रमांक 41 /वि.शा./2025 भोपाल, दिनांक : 03.09.2025
निम्नलिखित कार्य हेतु दो लिफाफा पद्धति के अनुसार मोहरबंद निविदायें निर्धारित प्रपत्र पर आनलाईन आमंत्रित की जाती हैं:-

क्रमांक	ऑनलाईन निविदा क्रमांक	कार्य का विवरण	अनुमानित राशि	धरोहर राशि	निविदा प्रपत्र की कीमत	ठेकेदार की श्रेणी	कार्य हेतु निर्धारित सामग्री	कार्य की अवधि
1	2025_UAD_449179_1	Providing and fixing octagonal pole (9 mtr) in different places of Madhya Vidhansabha under BMC Bhopal.	8,72,321/-	8,723/-	2,000/-	A Class Electrical Contractor	MPUADD Electrical 2021 SOR Items	15 Days

नियम एवं शर्तें :-
(1) निविदा प्रपत्र की निर्धारित राशि/धरोहर राशि एवं अन्य आवश्यक दस्तावेज आनलाईन प्रस्तुत करने होंगे। अन्य समस्त विस्तृत जानकारी www.mptenders.gov.in पर देखी जा सकती है।
(2) ऑनलाईन निविदा में सभी प्रकार के संशोधनों की जानकारी मात्र www.mptenders.gov.in पर प्राप्त की जा सकती है।
(3) 18% GST अतिरिक्त देय होगा।

नि.क्र. 2390/025/026

सहायक यंत्री (वि.)
नगर निगम, भोपाल

पंजाब नैशनल बैंक punjab national bank
आस्ति वसूली प्रबंधन शाखा
अरेरा हिल्स, भोपाल, फोन : 0755-2550020
ईमेल: cs8201@pnb.co.in

आधिपत्य सूचना (स्थावर संपत्ति) [परिशिष्ट -IV के अन्तर्गत नियम-8 (1)]

सेक्यूरीटाइजेशन एण्ड रिकन्स्ट्रक्शन ऑफ फाईनानशियल एसेट्स एण्ड इनफोर्समंट ऑफ सिक्यूरिटी इंटरेस्ट एक्ट 2002 के तहत और सिक्युरिटी इंटरेस्ट (इंफोर्समेंट) नियम 2002 के साथ पठित सेक्शन 13 (12) नियम 3 के तहत प्रदत्त अधिकारों के प्रयोग के तहत **पंजाब नैशनल बैंक** के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में अधोहस्ताक्षरी ने निम्न वर्णित दिनांक को निम्न वर्णित उधारकर्ताओं/ जमानतदारों को डिमांड नोटिस दिनांक 01/07/2025 एवं नोटिस में दर्शायी गई निम्न वर्णित राशि उक्त नोटिस की प्राप्ति की तारीख से 60 दिनों के भीतर अदा करने के लिए जारी किया गया था । उधारकर्ता राशि चुकाने में असफल रहा है, उधारकर्ता एवं जमानतदार/संपत्ति मालिक द्वारा उधारकर्ताओं/जमानतदारों एवं जनसामान्य को यह सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षरी ने धारा 13 की उपधारा 4 के नियम 8 के तहत उन्हें प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, यहां नीचे वर्णित संपत्तियों का कब्जा दिनांक 04.09.2025 को ले लिया है । उधारकर्ता एवं जमानतदार / संपत्ति मालिक को विशिष्टतया और सर्वसाधारण को सामान्यत : एतद् द्वारा निम्नलिखित संपत्तियों के साथ कोई व्यवहार नहीं करने की चेतावनी दी जाती है और संपत्तियों के साथ कोई व्यवहार निम्न खाते के सामने वर्णित राशि एवं उस पर ब्याज के लिए **पंजाब नैशनल बैंक** के अधीन होगा । उधारकर्ताओं / जमानतदार / बंधककर्ताओं का ध्यान अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (8) में निहित सम्पत्ति के एवज में उपलब्ध समय के प्रावधान की ओर आमंत्रित है ।

ऋणी /उधारकर्ता/ जमानतदार का नाम	कब्जा की गई सम्पत्ति का विवरण एवं सम्पत्ति मालिक का नाम	मांग सूचना के अनुसार बकाया राशि
(1) श्री विकास साहू पुत्र श्री भैयालाल साहू पता : फ्लैट नंबर 001, ग्राउंड फ्लोर, वंश हाइट-I, प्लाट नंबर 345, त्रिलंगा कॉलोनी, वार्ड नं. 50, बावड़िया कला, भोपाल- 462039 दुकान का पता:- दुकान नं. 02, मकान नं. 10, नीम रोड, जिंसी जहांगीराबाद, भोपाल, 10 नीम रोड, जिंसी , भोपाल-462008 **(2) श्री भैयालाल साहू पुत्र श्री लक्ष्मणचंद साहू (3) श्रीमतीमंजुला साहू पत्नी श्री भैयालाल साहू** दोनों का पता : फ्लैट नंबर 001, ग्राउंड फ्लोर, वंश हाइट-I, प्लाट नंबर 345, त्रिलंगा कॉलोनी, वार्ड नं. 50, बावड़िया कला, भोपाल- 462039	संपत्ति का वह समस्त भाग फ्लैटनं. 001, प्लाट नं. 345, भूतल, खसरा नं. 12/1/3, 394, 12/2/2, 12/1/2 का भाग, वंश हाइट्स-1, त्रिलंगा कोऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड, भोपाल, ग्राम बावड़िया कलां, वार्ड नं. 50, तह-हुजूर, जिला भोपाल। क्षेत्रफल: 538.56 वर्ग फुट सीमाऐं : पूर्व - अन्य संपत्ति, पश्चिम - फ्लैट नं. 002, उत्तर - अन्य संपत्ति, दक्षिण - रोड **संपत्ति मालिक : श्री विकास साहू पुत्र श्री भैयालाल साहू।**	₹ 31,93,331.44 + सहित और अन्य खर्चे. नोटिस दिनांक / कब्जा दिनांक: 01-07-2025 / 04-09-2025

वैधानिक सूचना: ऋणी एवं जमानतदारों को सूचित (**Noticed**) किया जाता है कि इस नोटिस के छपने की तारीख के 30 दिनों के अंदर उपरोक्त राशि एवं उस पर देय ब्याज एवं खर्चों का भुगतान कर देवें अन्यथा उक्त वर्णित संपत्ति की नीलामी कर दी जावेगी तथा उसके बाद शेष ऋण एवं ब्याज की वसूली खर्चे सहित ऋणी एवं जमानतदारों से की जावेगी।
दिनांक: 04/09/2025, स्थान: भोपाल

प्राधिकृत अधिकारी , पंजाब नैशनल बैंक

एशिया कप: खिताब के प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत करेगा भारत

अफगानिस्तान और हांगकांग के बीच मुकाबला आज, भारत बनाम यूएई मैच कल

दुबई, जेएनएन। सूर्यकुमार यादव की अगुआई वाली भारतीय टीम मंगलवार से शुरू होने वाले एशिया कप टी-20 टूर्नामेंट में पाकिस्तान और श्रीलंका के मौजूदगी के बावजूद खिताब के प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत करेगा। टूर्नामेंट की शुरुआत अफगानिस्तान और हांगकांग के बीच अबू धाबी में होने वाले मैच से होगी, लेकिन सभी की निगाहें दुबई पर टिकी होंगी, जहां सितारों से सजी भारतीय टीम बुधवार को अपने पहले मैच में संयुक्त अरब अमीरात पर बड़ी जीत हासिल करने के इरादे से मैदान पर उतरेगी। एशिया कप इससे पहले टी-20 विश्व कप के लिए ड्रेस रिहर्सल के रूप में काम करता था, लेकिन इस बार ऐसा नहीं है। इसके बावजूद भारतीय टीम एशिया में अपना दबदबा बनाए रखने के लिए अपनी तरफ से कोई कसर नहीं छोड़ेगी। भारत का एशिया कप में रिकॉर्ड अच्छा रहा है और इस बार तो पूरा शक्ति संतुलन उसके पक्ष में झुका हुआ नजर आ रहा है। ऐसे में उसे हराना किसी भी टीम के लिए सबसे बड़ी चुनौती होगी।

भारत नौवां खिताब जीतने उतरेगा

नौवीं बार महाद्वीपीय खिताब जीतने से (सात बार वनडे और वर्ष 2016 में एक बार टी-20 प्रारूप में) न तो सूर्यकुमार को और न ही गंभीर को कोई अतिरिक्त श्रेय मिलेगा, लेकिन ट्रॉफी से कम कुछ भी आलोचनाओं को आमंत्रित करेगा, क्योंकि साढ़े चार महीने बाद भारत और श्रीलंका टी-20 विश्व कप की संयुक्त मेजबानी करेंगे। सूर्यकुमार की टीम विश्व कप से पहले लगभग 20 मैच खेलेगी, जिसमें एशिया कप का फाइनल भी शामिल है। भारत इन मैच से विश्व कप के लिए सही संयोजन तैयार करना चाहेगा। सूर्यकुमार अब तक शानदार कप्तान रहे हैं और उनका जीत का रिकॉर्ड 80 प्रतिशत है, लेकिन अब नेतृत्व समूह में उप-कप्तान शुभमन गिल होंगे। इसलिए यह देखना दिलचस्प होगा कि टी-20 कप्तान और टेस्ट कप्तान किस तरह एकमत होकर एक ही राग अलापते हैं।

गावस्कर, शास्त्री, सहवाग कमेंट्री पैनल में

भारत के दिग्गज खिलाड़ी सुनील गावस्कर, रवि शास्त्री और वीरेंद्र सहवाग के साथ-साथ पूर्व गेंदबाजी कोच भरत अरुण एशिया कप के लिए सोनी स्पोर्ट्स के बहुभाषी कमेंट्री पैनल का हिस्सा होंगे। भारत के पूर्व मुख्य कोच शास्त्री, गावस्कर, संजय मांजरेकर, रॉबिन उथप्पा, बाजिद खान, वकार यूनिस, वसीम अकरम, रसेल अर्नोल्ड और साइमन डूल उन कमेंटेटरों में शामिल हैं, जिन्हें प्रसारण के विश्व फीड के लिए चुना गया है। सहवाग, इरफान पठान, अजय जडेजा, पूर्व भारतीय बल्लेबाजी कोच अभिषेक नायर और सबा करीम हिंदी कमेंटेटरों के पैनल में प्रमुख नामों में शामिल हैं। गावस्कर ने कहा, सूर्यकुमार यादव के गतिशील नेतृत्व में टीम इंडिया एशिया कप के मंच पर कदम रख रही है।

परिवर्तन के दौर से गुजर रही पाकिस्तान-श्रीलंका की टीमें

जिस तरह से भारतीय बल्लेबाजों ने टी-20 बल्लेबाजी को नया स्वरूप प्रदान किया है तथा आईपीएल के अनुभव को देखते हुए पाकिस्तान और श्रीलंका जैसी टीमों के लिए उसकी बराबरी करना मुश्किल हो गया है, जो डेढ़ दशक पहले तक बराबरी पर थीं। इसलिए एशिया कप में दिलचस्पी इस बात को लेकर कम है कि इसे कौन जीत सकता है, बल्कि इस बारे में अधिक है कि भारत को कौन रोक सकता है। पाकिस्तान और श्रीलंका दोनों की टीम परिवर्तन के दौर से गुजर रही हैं और उनके लिए भारत की मजबूत टीम का सामना करना मुश्किल होगा। पाकिस्तान ने अपने अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान को टीम में नहीं चुना है। उसकी सफलता काफी हद तक इस बात पर निर्भर करेगी कि शाहीन शाह अफरीदी, हारिस रऊफ और हसन अली आक्रामक भारतीय बल्लेबाजी के सामने कैसी गेंदबाजी करते हैं। पाकिस्तान ने त्रिकोणीय सीरीज के कम स्कोर वाले फाइनल में अफगानिस्तान को 75 रन से हरा दिया, जहां शारजाह की धीमी पिच पर उसके स्पिनरों का दबदबा रहा। इस जीत से निश्चित तौर पर उसका आत्मविश्वास बढ़ा होगा। चरिथ असलांका की कप्तानी में श्रीलंका का प्रदर्शन भी बुरा नहीं है, लेकिन क्या वे टूर्नामेंट में छह से सात मैच जीतने की निरंतरता बनाए रख पाएंगे, यह एक बड़ा सवाल है। बांग्लादेश पूरे टूर्नामेंट में चुनौती बरकरार रखने के लिए पर्याप्त आक्रामक नहीं है।

अफगान का सामना कमजोर हांगकांग से

टूर्नामेंट के पहले मुकाबले में अफगानिस्तान और हांगकांग की टीमें आमने-सामने होंगी। हांगकांग उन तीन टीमों में शामिल है, जिन्होंने इस टूर्नामेंट में 2024 एसीसी पुरुष प्रीमियर कप के जरिए क्वालिफाई किया है। हांगकांग ने एशिया कप के लिए पांचवीं बार और टी-20 प्रारूप में दूसरी बार क्वालिफाई किया है। वहीं अफगानिस्तान की टीम भी हाल ही में यूएई में एक त्रिकोणीय सीरीज खेलने के बाद मैदान पर उतरेगी। उस सीरीज में उन्होंने पाकिस्तान को भी हराया था। अफगानिस्तान की टीम इस एशिया कप टूर्नामेंट की अहम टीमों में से एक कही जा सकती है। हांगकांग की टीम को बड़ी टीमों के साथ खेलने का बड़ा अनुभव नहीं है, लेकिन उनके पास अंशुमन रथ हैं, जो एक बहुत ही काबिल बल्लेबाज हैं और पीछे कई टीमों के गेंदबाजों को परेशान कर चुके हैं। हांगकांग को भी हल्के में आंकना गलत ही होगा क्योंकि अक्सर जिन टीमों की पहचान नहीं होती हैं वे जब बड़े टूर्नामेंट में खेलती हैं तो कई बार बड़ा उलटफेर कर जाती हैं। हांगकांग की टीम ने अपनी पिछले पांच मैचों में तीन में जीत हासिल की है।

नेशन्स कप में तीसरे स्थान पर

फुटबॉल: भारत ने इतिहास में पहली बार ओमान को हराया

हिसोर (ताजिकिस्तान), जेएनएन। भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम ने सोमवार को ओमान को पेनल्टी शूटआउट में 3-2 से हराकर सीएएफए नेशन्स कप फुटबॉल टूर्नामेंट में तीसरा स्थान हासिल किया। भारत ने पश्चिम एशिया के अपने प्रतिद्वंद्वी को इतिहास में पहली बार शिकस्त दी। भारतीय टीम ने किसी अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल मैच में ओमान को पहली बार हराया है। नियमित और अतिरिक्त समय के बाद मुकाबला 1-1 से बराबर था, जिसके बाद नतीजे के लिए शूटआउट का सहारा लिया गया। भारत को उदांता सिंह ने बराबरी दिलाई, जबकि इससे पहले यहमादी ने ओमान की ओर से गोल किया था। शूटआउट में बेहतर रैंकिंग वाली टीम ओमान ने अपने शुरुआती दो मौके गंवा दिए, जबकि गोलकीपर गुरप्रीत सिंह संधू ने अंतिम पेनल्टी को रोककर तीसरे-चौथे स्थान के क्लासीफिकेशन मुकाबले में भारत की जीत सुनिश्चित की। शूटआउट में भारत की ओर से लालियनजुआला छांगटे, राहुल भेके और जितिन एमएस ने गोल दागे, जबकि अनवर अली और उदांता सिंह गोल करने में नाकाम रहे। दोनों टीम ग्रुप में दूसरे स्थान पर रहीं थी, जिससे उन्हें तीसरे स्थान के मुकाबले में खेलने का मौका मिला। भारत ने 2000 से ओमान के खिलाफ नौ मैच में से छह गंवाए हैं।

मैदान से हटकर

खुद को अच्छा दिखाना है, तो अपने काम से दिखाइए : धनश्री

एमएक्स प्लेयर के नए रिएलिटी शो राइज एंड फॉल में क्रिकेटर युजवेंद्र चहल की पूर्व पत्नी धनश्री वर्मा ने हिस्सा लिया। अभी शो को शुरू हुए तीन दिन ही हुए हैं और शो ट्रेंड कर रहा है। ऐसा इसलिए क्योंकि धनश्री ने शो में अपने रिश्ते और इज्जत पर खुलकर बातें की हैं। उन्होंने कहा कि वह तलाक से पहले भी अपने पार्टनर की इज्जत करती थीं और आगे भी करती रहेंगी। नयनदीप रक्षित ने धनश्री से सवाल किया, आपने जो इंटरव्यू दिया, उससे आप खुश हो? इस पर धनश्री बोलीं, नहीं! मुझे कुछ टॉपिक्स पर बात नहीं करनी थी। देखो, दो लोग हैं और उनके बीच अगर किसी बात पर झगड़ा हुआ और फिर हमने तय किया कि इसे खत्म करना है, तो अपनी बात पर रहो न। सबके हाथ में अपनी इज्जत होती है और शादीशुदा होने के बाद पार्टनर की इज्जत भी आपके हाथ में होती है। धनश्री ने कहा, चाहती तो मैं भी उसके बारे में बहुत कुछ बोल सकती थी। तुम्हें क्या लगता है मेरे पास बातें नहीं थी कहने के लिए? लेकिन वो मेरे पति थे। मैंने तब भी उनकी इज्जत की जब मैं शादी के बंधन में बंधी थी और आज भी उनकी इज्जत करती हूं। उन्होंने यह भी जोड़ा, अगर आपको खुद को अच्छा दिखाना है तो अपने काम से दिखाइए। किसी और को नीचा दिखाकर अपनी इमेज सुधारने का कोई मतलब नहीं है। इस पर सुहाना ने कहा, तुम तो अपना काम कर ही रही हो, तुमको क्या लेना-देना है? धनश्री ने जवाब दिया,नहीं! मैं उस बारे में बात कर रही हूं जो हुआ। हम सबको पता है क्या हुआ। इससे फर्क नहीं पड़ता कि आप कितना नेगेटिव पीआर करते हो या पब्लिक में जाकर क्या बोलते हो। ये आपकी मदद नहीं करेगा। आपका टाइम वेस्ट करेगा। और इमेज क्लीन क्यों करनी है जब कोई कुछ बोल ही नहीं रहा है? रिश्ता था न, एक पॉइंट पर तो था न, तो उसकी इज्जत करो। क्यों बार-बार बात करनी है उसके बारे में।

(जेएनएन)

यूएस ओपन के फाइनल में सिनर को हराकर बने किंग, नंबर एक रैंकिंग हासिल की

अल्काराज ने जीता छठा ग्रैंड स्लैम

जेएनएन, न्यूयॉर्क

कार्लोस अल्काराज ने एक बार फिर यूएस ओपन के साथ ही दुनिया के नंबर एक टेनिस खिलाड़ी यानिक सिनेर पर भी अपनी बादशाहत साबित कर दी। अल्काराज ने सिनर पर अपना दबदबा बरकरार रखते हुए चार सेट तक चले मुकाबले में जीत दर्ज कर यूएस ओपन टेनिस टूर्नामेंट में पुरुष एकल का खिताब जीता और विश्व में नंबर एक रैंकिंग भी हासिल की। इन दोनों खिलाड़ियों के बीच यूएस ओपन का फाइनल फ्रेंच ओपन में चैंपियनशिप का फैसला करने वाले उनके मुकाबले जितना लंबा, रोमांचक और नाटकीय नहीं था, जहां अल्काराज चैंपियन बने थे। यह विंबलडन के फाइनल जितना सार्थक और कथानक आधारित भी नहीं था, जहां सिनर ने फ्रेंच ओपन की हार का बदला चुकता किया था। फिर भी रविवार को दूसरे नंबर के खिलाड़ी अल्काराज की नंबर एक सिनर पर 6-2, 3-6, 6-1, 6-4 से जीत वाकई अहम रही। अल्काराज ने गत चैंपियन पर अपनी श्रेष्ठता फिर से स्थापित की, एटीपी रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल किया और टेनिस प्रशंसकों को उनके अगले मुकाबले का बेसब्री से इंतजार करने पर मजबूर कर दिया। अल्काराज का यह छठा ग्रैंड स्लैम खिताब है। मैच की शुरुआत लगभग आधे घंटे देर से हुई, जबकि हजारों प्रशंसक आर्थर ऐश स्टेडियम के बाहर फंसे रहे और उन्हें अतिरिक्त सुरक्षा से गुजरना पड़ा, क्योंकि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप मैच देखने के लिए प्रायोजक के सुइट में बैठे थे। अल्काराज ने पहला सेट जीतकर अच्छी शुरुआत की, लेकिन सिनर ने दूसरे सेट में वापसी करके स्कोर बराबर कर दिया। इसके बाद मैच के रोमांचक होने की उम्मीद की जा रही थी, लेकिन अल्काराज ने अगले दो सेट में सिनर को कोई मौका नहीं दिया और मैच को एक तरह से एकतरफा बना दिया। अल्काराज ने दोगुने विनर्स (42-21) के साथ मैच समाप्त किया, जिससे मैच में उनके दबदबे का पता चलता है।

"मैं आपको (सिनर) अपने परिवार से ज्यादा देख रहा हूं। कोर्ट साझा करना, लॉकर रूम साझा करना, सब कुछ बहुत अच्छा लगता है। विंबलडन की हार के बाद ही मैंने अपनी तैयारी शुरू कर दी थी। मैंने उस मैच को देखा और अपने कोच के साथ मिलकर अपनी गलतियों पर काम किया। मुझे खुशी है कि मैं यहां ट्रॉफी जीतने में सफल रहा।

-कार्लोस अल्काराज

- दो घंटे 42 मिनट की इस जीत से स्पेन के 22 वर्षीय अल्काराज ने इटली के 24 साल के सिनर के खिलाफ अपना रिकॉर्ड भी और बेहतर कर दिया। इन दोनों के बीच जितने मुकाबले खेले गए हैं उनमें अल्काराज का रिकॉर्ड 10-5, ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में 6-4 और अमेरिकी ओपन में 2-1 हो गया है।
- ये दोनों खिलाड़ी टेनिस के इतिहास में एक ही सत्र में लगातार तीन ग्रैंड स्लैम फाइनल में एक दूसरे का सामना करने वाले पहले दो पुरुष खिलाड़ी हैं। यह इस सत्र में दोनों के बीच खेला गया पांचवां फाइनल मुकाबला था, जिनमें से चार में अल्काराज भारी पड़े। इनमें से तीन ग्रैंड स्लैम फाइनल थे, जिनमें से दो में अल्काराज चैंपियन बने। उन्होंने इनमें से दो खिताब हार्ड कोर्ट और दो क्ले कोर्ट पर जीते, जबकि सिनेर को विम्बलडन की घास पर सफलता हासिल हुई थी।

"मैं उन्हें पूरा श्रेय देता हूं, क्योंकि उन्होंने मेरी तुलना में परिस्थितियों से बेहतर सामंजस्य बिठाया। उन्होंने महत्वपूर्ण अवसरों पर बेहतर खेल का प्रदर्शन किया और जब जरूरत थी तब अंक हासिल किए। आपने मुझसे बेहतर खेल का प्रदर्शन किया। मैंने आज अपनी तरफ से पूरी कोशिश की। मैं इससे ज्यादा कुछ नहीं कर सकता था।

-यानिक सिनेर

सिराज प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड के लिए नॉमिनेट, हेनरी-सील्स से टक्कर

दुबई, जेएनएन। भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को सोमवार को इंग्लैंड दौरे के पांचवें और अंतिम टेस्ट में उनके शानदार प्रदर्शन के लिए आईसीसी के अगस्त महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी पुरस्कार (आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ) के लिए नामांकित किया गया। सिराज के साथ न्यूजीलैंड के मैट हेनरी और वेस्टइंडीज के जेडन सील्स भी इस सूची में शामिल है। सिराज ने इंग्लैंड में पांच मैचों की सीरीज के सभी मैचों को खेला और 23 विकेट चटकाए। जून के अंत में शुरू यह सीरीज अगस्त की शुरुआत में खत्म हुई। सिराज ने पांचों टेस्ट में 185.3 ओवर डाले और अपनी रफ्तार कम किए बिना युवा और कम अनुभव वाले भारतीय टीम को 2-2 से ड्रॉ करने में मदद की। आईसीसी ने कहा, सिराज ने अगस्त में सिर्फ एक मैच खेला, लेकिन उस मैच में उनकी शानदार गेंदबाजी उन्हें नामांकन दिलाने के लिए काफी थी। इंग्लैंड के खिलाफ द ओवल में एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी सीरीज के अंतिम टेस्ट में इस भारतीय तेज गेंदबाज ने 21.11 की औसत से नौ विकेट लेकर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने कहा, जसप्रीत बुमराह की अनुपस्थिति में सिराज ने बहुत दृढ़ संकल्प के साथ आक्रमण का नेतृत्व किया। सीरीज के शुरुआती चार मैच खेलने के बावजूद उन्होंने दो पारियों में 46 से अधिक ओवर डाले।

मध्य क्षेत्र ने दलीप ट्रॉफी फाइनल के लिए टीम में चार बदलाव किए

मुंबई, जेएनएन। मध्य क्षेत्र ने दक्षिण क्षेत्र के खिलाफ दलीप ट्रॉफी फाइनल के लिए टीम में चार बदलाव करते हुए विदर्भ के तेज गेंदबाज नचिकेत भूटे और मध्य प्रदेश के कुमार कार्तिकेय सिंह को टीम में शामिल किया है। भूटे विदर्भ टीम के अपने साथी यश ठाकुर की जगह लेंगे, जबकि बाएं हाथ के स्पिनर कार्तिकेय को हर्ष दुबे की जगह चुना गया है। मध्य क्षेत्र के चयनकर्ताओं ने मध्य प्रदेश के दाएं हाथ के तेज गेंदबाज कुलदीप सेन और राजस्थान के बाएं हाथ के स्पिनर अजय सिंह कुकना को खलील अहमद और मानव सुथार की जगह टीम में शामिल किया है। ठाकुर, दुबे, खलील और सुथार को भारत-ए टीम में शामिल किए जाने के बाद टीम में बदलावों की घोषणा की गई। मध्य क्षेत्र की टीम पांच दिवसीय दलीप ट्रॉफी फाइनल में 11 से 15 सितंबर तक बेंगलुरु के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस मैदान पर दक्षिण क्षेत्र से भिड़ेगी।

मध्य क्षेत्र टीम: रजत पाटीदार (कप्तान), आयुष पांडे, दानिश मालेवार, शुभम शर्मा, संचित देसाई, यश राठौड़, नचिकेत भूटे, कुमार कार्तिकेय सिंह, आदित्य ठाकरे, उपेंद्र यादव, अजय सिंह कुकना, अक्षय वाडकर, दीपक चाहर, कुलदीप सेन और सारांश जैन।

तेज गेंदबाज विडलर चोट के कारण ऑस्ट्रेलिया-ए के भारत दौरे से बाहर

मेलबर्न, जेएनएन। क्वींसलैंड के तेज गेंदबाज कैलम विडलर सोमवार को आंशिक स्ट्रेस फ्रैक्चर के कारण ऑस्ट्रेलिया-ए के आगामी भारत दौरे से बाहर हो गए, जिससे ऑस्ट्रेलिया के चोटिल तेज गेंदबाजों की बढ़ती सूची में एक और नाम जुड़ गया। इस 19 साल के खिलाड़ी से पहले टेस्ट कप्तान पैट कमिंस, लान्स मौरिस और ब्रॉडी काउच भी चोटिल होने के कारण चयन की दौड़ से बाहर हैं। दोनों देशों की ए टीम के बीच सीरीज 30 सितंबर से शुरू होगी।

विडलर ने पेशेवर क्रिकेट में पिछला मुकाबला मार्च में दक्षिण ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शेफील्ड शील्ड 2024-25 के फाइनल के रूप में खेला था और तब उन्होंने अपनी टीम की हार के दौरान पांच विकेट चटकाए थे। क्वींसलैंड के हाई परफोर्मेंस महाप्रबंधक जो डावेस ने बताया, कैलम को ट्रेनिंग के दौरान पीठ में दर्द हुआ और उन्होंने तुरंत इसकी सूचना दी। दुर्भाग्य से स्कैन में स्ट्रेस फ्रैक्चर की पुष्टि हुई है इसलिए उन्हें कुछ समय ठीक होने में लगेगा और फिर रिहैबिलिटेशन की योजना शुरू करनी होगी।

उन्होंने कहा, वह स्वाभाविक रूप से बहुत निराश हैं, लेकिन मानते हैं कि चोटें खेल का हिस्सा हैं। हम उनके साथ मिलकर काम करेंगे। विडलर के हटने से पहले ऑस्ट्रेलिया-ए ने 16 सितंबर से भारत के खिलाफ शुरू होने वाली सीरीज के लाल गेंद के चरण से मौरिस और काउच को भी चोटों के कारण खो दिया था।

महिला एशिया कप: भारत ने सिंगापुर को 12-0 से हराया, सुपर-4 में पहुंचा

हांगझोउ (चीन), जेएनएन। नवनीत कौर और मुमताज खान की हैट्रिक की बदौलत भारतीय महिला हॉकी टीम ने सोमवार को एशिया कप के पूल-बी मैच में सिंगापुर को 12-0 से रौंदा। इसके साथ ही भारत ने सुपर-4 मुकाबले में अपनी जगह पक्की कर ली। नवनीत (14वां, 18वां, 28वां मिनट) और मुमताज खान (दूसरा, 32वां और 38वां मिनट) के अलावा, नेहा (11वां मिनट, 38वां मिनट) ने दो-दो गोल किए, जबकि नेहा (11वां मिनट), लालरेम्सियामी (13वां मिनट), शर्मिला देवी (45वां मिनट) और रुतुजा पिसल (52वां मिनट) ने भी भारत के लिए गोल दागे। विश्व रैंकिंग में 10वें स्थान पर काबिज भारत ने अपने पहले मैच में थाईलैंड को 11-0 से हराया था, जबकि गत चैंपियन जापान के साथ 2-2 से ड्रॉ खेला था। सिंगापुर विश्व रैंकिंग में 34वें स्थान पर है। इस टूर्नामेंट में आठ टीमें भाग ले रही हैं और दोनों पूल से शीर्ष दो टीमें सुपर चार चरण के लिए क्वालिफाई करेंगी। सुपर चार की शीर्ष दो टीमें 14 सितंबर को होने वाले फाइनल में खेलेंगी। एशिया कप विजेता टीमें बेल्जियम और नीदरलैंड में होने वाले 2026 महिला विश्व कप के लिए क्वालिफाई करेंगी।

भारतीय हॉकी टीम के प्रत्येक खिलाड़ी को मिलेंगे 10 लाख

पटना, जेएनएन। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने एशिया कप 2025 जीतने वाली भारतीय पुरुष हॉकी टीम के प्रत्येक सदस्य को 10 लाख रुपए का नकद पुरस्कार देने की घोषणा की। भारत ने राजगीर में पुरुष हॉकी एशिया कप के फाइनल में दक्षिण कोरिया को 4-1 से हराकर खिताब अपने नाम कर लिया। मुख्यमंत्री ने एक्स पर लिखा कि राजगीर स्थित खेल परिसर में पहली बार आयोजित एशिया कप 2025 में भारतीय हॉकी टीम ने शानदार जीत दर्ज की। मुख्यमंत्री ने लिखा, एशिया कप 2025 की विजेता भारतीय टीम के प्रत्येक खिलाड़ी को 10 लाख रुपए और प्रत्येक सहयोगी स्टाफ सदस्य को 5 लाख रुपए का मानदेय दिया जाएगा। भारतीय टीम इससे पहले 2017 में ढाका में, 2007 चेन्नई में और 2003 में कुआलालंपुर में आयोजित एशिया कप पुरुष हॉकी प्रतियोगिता में जीत दर्ज कर चुकी है।

आईसीसी और डब्ल्यूसीए के बीच खिलाड़ियों की इमेज राइट्स को लेकर हो सकता है टकराव

आईसीसी जल्द लॉन्च करेगा मोबाइल क्रिकेट गेम

नई दिल्ली, जेएनएन। आईसीसी और वर्ल्ड क्रिकेटर्स एसोसिएशन (डब्ल्यूसीए) के बीच खिलाड़ियों की इमेज लाइसेंसिंग राइट्स लेकर विवाद शुरू हो सकता है। पूरा मामला एक नए मोबाइल क्रिकेट गेम से जुड़ा है, जिसे आईसीसी जल्द लॉन्च करने की योजना बना रहा है।

आईसीसी ने अप्रैल में पहली बार इस योजना के बारे में अपने सदस्यों को जानकारी दी थी। इसके बाद जुलाई में सिंगापुर में हुई एजीएम में कुछ सदस्य बोर्डों ने यह इच्छा जताई कि वे इन अधिकारों के मामले में सीधे अपने खिलाड़ियों से बात करना चाहते हैं। डब्ल्यूसीए खिलाड़ियों का वैश्विक संगठन है और वे इसे एक उल्लंघन बता रहा है। यह उस समझौते के संदर्भ में है, जो उसने आईसीसी के साथ किया था। उन्होंने आईसीसी और कुछ सदस्य बोर्डों पर खिलाड़ियों के नाम, छवि और समानता के अधिकार सहमति से तय शर्तों से परे अपने पास रखने का आरोप लगाया है। आईसीसी की यह योजना खेल को विकसित करने के लिए है, ताकि 2028-2031 चक्र में प्रसारण अधिकारों की कीमत में संभावित गिरावट की भरपाई हो सके। भारत में मोबाइल गेमिंग एक तेजी से बढ़ता हुआ बाजार है।

डब्ल्यूसीए के तीन कंपनियों के साथ समझौते

डब्ल्यूसीए पहले ही इस क्षेत्र में आ चुका है और उसने तीन कंपनियों के साथ लाइसेंसिंग समझौते किए हैं, जिनमें रियल क्रिकेट भी शामिल है। यह सौदा अगस्त 2024 में घोषित किया गया था। डब्ल्यूसीए का रियल क्रिकेट के साथ समझौता 250 से अधिक पेशेवर क्रिकेटरों के नाम, छवि और समानता को शामिल करेगा। लेकिन अन्य मोबाइल गेमिंग समझौतों से खिलाड़ियों को मिलने वाली सालाना रॉयल्टी की भुगतान प्रक्रिया पहले ही शुरू हो चुकी है। डब्ल्यूसीए का दावा है कि भारत में कई कंपनियां खिलाड़ियों के अधिकारों का इस्तेमाल बिना अनुमति और बिना उन्हें राजस्व दिए कर रही हैं और इन्हीं राजस्व अधिकारों की रक्षा और पालन कराने के लिए डब्ल्यूसीए काफी गंभीर है।

राइफल और पिस्टल मिश्रित टीम विश्व कप आज से शुरू

निंगबो (चीन), जेएनएन। भारत के मिश्रित टीम राइफल और पिस्टल निशानेबाज मंगलवार से शुरू हो रहे आईएसएसएफ विश्व कप में भाग लेंगे। राइफल और पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धाएं निंगबो ओलंपिक खेल केंद्र पर होंगी। भारत ने 24 सदस्यीय टीम भेजी है, जिसमें राष्ट्रीय रैंकिंग में चौथे से छठे स्थान के निशानेबाज भाग लेंगे। पूर्व जूनियर विश्व चैंपियन और ओलंपियन रमिता जिंदल जूनियर विश्व चैंपियनशिप पदक विजेता उमामहेश मेदिनेनी के साथ खेलेंगी, जबकि पूर्व नंबर एक दिव्यांश सिंह पंवार एयर राइफल मिश्रित टीम वर्ग में मेघना एम सज्जनार के साथ उतरेंगे। अर्जुन बबूता और आर्य बोस ने म्युनिख विश्व कप में इस वर्ग में स्वर्ण पदक जीता था। एयर पिस्टल मिश्रित टीम में ओलंपियन रिदम सांगवान और निशांत रावत उतरेंगे, जबकि अमित शर्मा इसमें सुरभि राव के साथ चुनौती पेश करेंगे। सुरूचि सिंह और सौरभ चौधरी की भारतीय जोड़ी ने इस साल लीमा में इस वर्ग में स्वर्ण और ब्यूनस आयर्स विश्व कप में कांस्य पदक जीता था। भारतीय राइफल जोड़ियों का सामना दुनिया के नंबर एक और दो बार ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता शेंग लिहाओ और 16 वर्ष की पेंग शिन्लू से होगा।

संक्षिप्त समाचार

भारत पर टैरिफ लगाना बिल्कुल सही: जेलेंस्की

कीव, जेएनएन। भारत और अमेरिका के रिश्ते इस समय बेहद कठिन दौर से गुजर रहे हैं। रूस से लगातार तेल खरीदने की वजह से अमेरिका ने भारत पर अतिरिक्त 25 फीसदी का टैरिफ लगाया है। इस तरह अमेरिका ने भारत पर कुल 50 फीसदी टैरिफ लगा दिया है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने भारत पर अमेरिकी टैरिफ का समर्थन किया है। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने ट्रंप के टैरिफ का समर्थन करते हुए कहा कि रूस से लगातार डील कर रहे देशों पर टैरिफ लगाने का आइडिया बहुत सही है। आपने पीएम मोदी, पुतिन और शी जिनपिंग की मीटिंग देखी होगी। क्या भारत पर टैरिफ लगाने की ट्रंप की योजना उल्टी पड़ गई है? इस पर जेलेंस्की ने कहा कि रूस से लगातार तेल खरीद रहे देशों पर टैरिफ लगाने का आइडिया एकदम सही है। दरअसल यूक्रेनी राष्ट्रपति से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हालिया चीन दौरे को लेकर सवाल किया गया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शंघाई सहयोग संगठन समिट के लिए चीन गए थे।

पर्यावरणविदों ने विनाशकारी बताकर रोक की मांग की

नई दिल्ली, जेएनएन। राष्ट्रीय जलवायु और पर्यावरणीय न्याय मंच ने हरियाणा की महत्वाकांक्षी अरावली चिड़ियाघर सफारी पार्क परियोजना को तत्काल रद्द करने की मांग करते हुए केंद्र और राज्य सरकार को एक विस्तृत ज्ञापन सौंपा है। केंद्रीय पर्यावरण मंत्री और हरियाणा के मुख्यमंत्री को भेजे गए इस ज्ञापन में परियोजना को अरावली के नाजुक पारिस्थितिकी तंत्र, स्थानीय समुदायों और वन्यजीवों के लिए एक गंभीर खतरा बताया गया है। एनएसीईजे जो जमीनी स्तर के आंदोलनकारियों, पारिस्थिति-कीविदों और कानूनी विशेषज्ञों का एक अभा मंच है ने परियोजना के पर्यावरणीय परिणामों पर गहरी चिंता व्यक्त की है। हरियाणा सरकार ने गुरुग्राम और नूंह जिलों में फैली 10,000 एकड़ अरावली भूमि पर दुनिया का सबसे बड़ा क्यूरेटेड सफारी पार्क बनाने का प्रस्ताव दिया है। इसका उद्देश्य जैव विविधता का संरक्षण, भूजल पुनर्भरण और पर्यावरण शिक्षा को बढ़ावा देना है। परियोजना की योजना में पशु बाड़ों के अलावा होटल, रेस्टोरेंट, गेस्ट हाउस, मनोरंजन पार्क, कृत्रिम झीलें और एक सफारी क्लब जैसे बड़े पैमाने पर व्यावसायिक निर्माण शामिल हैं।

130 किमी की रफ्तार बढ़ रहा हवाई में किको तूफान

नई दिल्ली, जेएनएन। अमेरिका के हवाई राज्य में शक्तिशाली तूफान के खतरे के बीच प्रशासन ने इमरजेंसी की घोषणा कर दी है। श्रेणी 4 का तूफान 'किको' अब द्वीप समूह के नजदीक आ रहा है। मौसम सेवा ने बताया कि तूफान होनोलूलू से लगभग 1,205 मील पूर्व-दक्षिण-पूर्व में स्थित था। तूफान की हवाओं की रफ्तार 130 मील प्रति घंटे थी और यह पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की दिशा में 25 मील प्रति घंटे की गति से बढ़ रहा था। तूफान सप्ताह के मध्य तक यह पूर्वी हवाई द्वीप समूह में अपने चरम स्तर पर पहुंच सकता है। हवाई इमरजेंसी मैनेजमेंट एजेंसी ने बताया कि किको तूफान मंगलवार और बुधवार को हवाई द्वीप के उत्तर से गुजरने की संभावना है। हालांकि इसके सीधे प्रभाव का खतरा कम होता दिख रहा है, लेकिन नए पूर्वानुमानों पर नजर बनाए रखना जरूरी है। सोमवार को लहरें उठेंगी और सोमवार रात और मंगलवार को पूर्व की ओर स्थित तटों पर चरम पर पहुंच जाएंगी, जिससे खतरनाक लहरें उठ सकती हैं। मौसम विशेषज्ञों का अनुमान है कि बिग आइलैंड पर तट से टकराने से पहले यह तूफान पहले श्रेणी 2 और फिर श्रेणी 1 में कमजोर हो जाएगा।

नेपाल में नई पीढ़ी की नाराजगी का विस्फोट

काठमांडू, जेएनएन। काठमांडू की सड़कों पर सोमवार को वह नजारा देखने को मिला, जिसने पूरे नेपाल की राजनीति और समाज को हिला दिया। संसद भवन से लेकर राष्ट्रपति निवास तक, और पोखरा से लेकर विराटनगर तक, हजारों की संख्या में युवा सड़कों पर उतरे। यह सिर्फ एक आंदोलन नहीं था, बल्कि नेपाल की नई पीढ़ी की नाराजगी का विस्फोट था। सवाल-जवाब के रूप में समझते हैं कि यह विरोध क्यों भड़का, किस तरह फैला और इसका असर कितना घातक रहा।

युवा ही क्यों नेतृत्व कर रहे हैं?

नेपाल की जनसंख्या का बड़ा हिस्सा युवा है। देश की कुल आबादी का 20.8 फीसदी हिस्सा 16 से 25 साल के बीच है। करीब 90 फीसदी लोग इंटरनेट का इस्तेमाल करते हैं। फेसबुक, इंस्टाग्राम और व्हाट्सऐप युवाओं की रोजमर्रा का हिस्सा बन चुके हैं। सरकार ने अचानक 26 प्लेटफॉर्म्स पर प्रतिबंध लगाने से छात्रों, युवा पेशेवरों और छोटे कारोबारियों की दिनचर्या बुरी तरह प्रभावित हुई। यही वजह रही कि यह विरोध ऑनलाइन असहमति से सड़कों पर आंदोलन में बदल गया।

सरकार का पक्ष क्या है?

प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली का कहना है कि राष्ट्रीय संप्रभुता और गरिमा किसी की तरह की नाराजगी से ऊपर है। संचार मंत्रालय का कहना है कि सोशल मीडिया कंपनियों को मंत्रालय में पंजीकरण, शिकायत निवारण अधिकारी की नियुक्ति, अनुपालन अधिकारी की नियुक्ति और नेपाल में संपर्क कार्यालय खोलने के लिए 7 दिन का समय दिया गया था।

हिंसा कितनी घातक हुई?

राज्य टीवी के मुताबिक, पुलिस कार्रवाई में 22 लोगों की मौत हो गई और 200 से अधिक घायल हुए। पुलिस ने आंसू गैस, रबर की गोलियां और लाठियां चलाईं। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि पुलिस ने अंधाधुंध गोलीबारी की। अधिकारियों का कहना है कि बल का इस्तेमाल तभी हुआ जब भीड़ हिंसक हो गई।

विरोध कैसे फैला?

शुरुआत काठमांडू से हुई, लेकिन जल्द ही यह पोखरा, विराटनगर और भरतपुर तक फैल गया। सोमवार को हजारों युवाओं ने संसद परिसर की बैरिकेडिंग तोड़ दी। एक एम्बुलेंस को आग के हवाले कर दिया गया। दंगा-रोधी पुलिस पर पत्थरबाजी हुई। इसके बाद सरकार ने कर्फ्यू का ऐलान किया।

आंदोलन की जड़ क्या है?

ताजा वजह थी सरकार का फैसला। फेसबुक, इंस्टाग्राम, व्हाट्सऐप, एक्स, रेडिट सहित 26 प्लेटफॉर्म्स पर प्रतिबंध। आरोप था कि ये कंपनियां नेपाल में पंजीकरण नहीं करा रहीं और इनका इस्तेमाल घृणा फैलाने, गलत सूचना और धोखाधड़ी के लिए हो रहा है। दिलचस्प है कि टिकटॉक और वाइबर जैसी कुछ कंपनियों ने नियम मान लिए और वे अब भी चालू हैं।

प्रदर्शनकारी क्या कह रहे हैं?

प्रदर्शन के आयोजकों ने इसे 'जनरेशन-जी का आंदोलन' बताया है। युवाओं का कहना है कि सरकार ने सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगाकर उनकी रोजमर्रा की जिंदगी और आजादी पर सीधा हमला किया है। नारों में गूंज रहा था- 'सोशल मीडिया पर बैन बंद करो, भ्रष्टाचार रोको।' एक प्रदर्शनकारी ने कहा, 'यह नेपाल की नई पीढ़ी का आंदोलन है।' कई छात्र अपने स्कूल और कॉलेज की यूनिफॉर्म में प्रदर्शन में शामिल हुए और संसद परिसर तक जा पहुंचे।

जम्मू-कश्मीर और पंजाब में बाढ़ ने मचाई तबाही, आपदा को अवसर बनाने की फिराक में पाकिस्तान

बाढ़ की आड़ में पाकिस्तानी आंतकी भारत में घुसपैठ की फिराक में, हाई अलर्ट पर बीएसएफ

नई दिल्ली, जेएनएन। जम्मू-कश्मीर और पंजाब में इन दिनों बाढ़ ने भारी तबाही मचाई है। इस बाढ़ ने जहां लोगों की जीना मोहाल कर दिया। वहीं पाकिस्तान इस आपदा में भी अपने नापाक मंसूबों से बाज आता नहीं दिख रहा है। एक खुफिया रिपोर्ट पाकिस्तान के खतरनाक मंसूबों का पर्दाफाश किया है। सूत्रों के मुताबिक, सीमा पार बैठे आतंकी संगठन इस आपदा को घुसपैठ के अवसर में बदलने की साजिश रच रहे हैं। खुफिया एजेंसी से मिली इस जानकारी के बाद बीएसएफ को हाई अलर्ट पर रखा गया है। दरअसल बाढ़ के पानी ने सीमा सुरक्षा बल की करीब 100 चौकियों को नुकसान पहुंचाया है। जम्मू रीजन में लगभग 30 किलोमीटर और पंजाब रीजन में करीब 80 किलोमीटर तक बाढ़ का पानी फेंसिंग में घुस गया, कई जगहों पर सुरक्षा घेरे को नुकसान हुआ है। जहां फेंसिंग टूटी है, वहां अतिरिक्त जवानों की तैनाती की गई है। सुरक्षा बल की कोशिश है कि पाकिस्तान की ओर से किसी भी घुसपैठ की कोशिश को समय रहते नाकाम किया जा सके।

सर्चलाइट से रखी जा रही नजर

बाढ़ का फायदा उठाकर पाकिस्तान की तरफ से घुसपैठ की किसी भी साजिश को नाकाम करने के लिए बीएसएफ ने अब दोनों क्षेत्रों में बाड़ और सीमा चौकियों को बहाल करने के लिए अभियान शुरू किया है ताकि जवान फिर से वहां तैनात हो सकें। इन इलाकों में अंतरराष्ट्रीय सीमा की इलेक्ट्रॉनिक निगरानी के साथ ड्रोन, बड़ी सर्चलाइट से नजर रखी जा रही है और नावों से गश्त की जा रही है। पानी कम हो रहा है और बीएसएफ कर्मी जल्द ही वहां तैनात हो जाएंगे। केवल निचले इलाकों में ही पानी जमा रहेगा। अधिकारियों ने उम्मीद जताई है कि तीन दिनों में हालात सामान्य होने लगेंगे।

100 चौकियां क्षतिग्रस्त

मानसून के चलते हो रही बारिश की वजह से भारत-पाकिस्तान सीमा पर 30 किमी बाड़बंदी को भारी नुकसान पहुंचा है। कई जगह पर बाड़ टूट गई है। इस वजह से सीमा सुरक्षा बल को दर्जनों चौकियां खाली करनी पड़ी हैं। अमृतसर, गुरदासपुर और फिरोजपुर सेक्टर में 30 किमी बाड़बंदी को नुकसान हुआ है। बीएसएफ पंजाब में 553 किमी की पहरेदारी करती है। बाढ़ से बीएसएफ की करीब 100 चौकियां क्षतिग्रस्त हो गई हैं।

पाकिस्तान रेंजर्स ने भी चौकियां खाली कीं

बाढ़ से हालात पाकिस्तान की तरफ भी गंभीर हैं। रावी नदी ने जीरो लाइन के दोनों ओर बाढ़ ला दी है। पाकिस्तान रेंजर्स ने भी अपनी चौकियां खाली कर दी हैं। पाक रेंजर्स को अपनी पोस्ट छोड़कर पीछे हटना पड़ा है। सरहद के उस पार भी पानी ही पानी नजर आ रहा है।

आउटपोस्ट छोड़ बनाई सेकेंड लाइन ऑफ डिफेंस

सीमा पर बाढ़ की वजह से बीएसएफ जवानों को बॉर्डर आउटपोस्ट (बीओपी) से एक किलोमीटर तक पीछे हटना पड़ गया है। कुछ चौकियों की छतों पर चढ़कर बीएसएफ के जवान देश की सुरक्षा कर रहे हैं लेकिन कुछ बीओपी की छत तक बाढ़ का पानी इतना अधिक भर गया है कि वहां बीओपी की छतों पर भी नहीं ठहरा जा सकता। ऐसे में सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए कुछ पोस्ट छोड़कर जवानों को पीछे हटकर एक और डिफेंस लाइन बनानी पड़ी है। बीएसएफ पंजाब फ्रंटियर के डीआईजी एके विद्यार्थी ने कहा कि गुरदासपुर में हमारी लगभग 30 से 40 चौकियां पानी में डूब गईं। सभी जवानों और उपकरणों को सुरक्षित निकाल लिया गया है। अमृतसर, गुरदासपुर और फिरोजपुर सेक्टर में लगभग 30 किलोमीटर बॉर्डर फेंसिंग को नुकसान हुआ है।

भारत-ईयू व्यापार वार्ता तेज

कतर सहित कई देशों के साथ समझौते जल्द होंगे पूरे

नई दिल्ली, जेएनएन। भारत के व्यापार समझौते को लेकर बातचीत इस सप्ताह तेज होने वाली है। सूत्रों के अनुसार, यूरोपीय संघ (ईयू) की टीम नई दिल्ली पहुंच चुकी है और आज से औपचारिक रूप से वार्ता शुरू हो गई है। इसके साथ ही भारत अन्य द्विपक्षीय साझेदारों के साथ भी बातचीत की नई दौर में प्रवेश करेगा। एक सरकारी अधिकारी के अनुसार, केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल यूरोपीय संघ के व्यापार आयुक्त से मुलाकात कर मुक्त व्यापार समझौते के लिए चल रही चर्चाओं की समीक्षा करेंगे। वहीं न्यूजीलैंड, चिली और पेरू के साथ व्यापार वार्ता अच्छी तरह आगे बढ़ रही है। कतर के साथ वार्ता भी जल्द पूरी होने वाली है और दोनों पक्षों द्वारा अगले महीने की शुरुआत में प्रस्तावित एफटीए के लिए विचारार्थ शर्तों पर निर्णय लिए जाने की उम्मीद है। मंत्री गोयल अक्टूबर के पहले सप्ताह में कतर की यात्रा कर सकते हैं।

पांच वर्षों में हुए कई व्यापार समझौते

भारत ने पिछले पांच वर्षों में कई व्यापार सौदों पर हस्ताक्षर किए हैं। इनमें 2021 में लागू भारत-मॉरीशस व्यापक आर्थिक सहयोग और भागीदारी समझौता, 2022 में भारत-यूएई व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौता और भारत-ऑस्ट्रेलिया आर्थिक सहयोग और व्यापार समझौता, 2024 में भारत-यूरोपीय ईएफटीए व्यापार और आर्थिक भागीदारी समझौता, और 2025 में हस्ताक्षरित भारत-यूके व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौता शामिल हैं।

एसआईआर पर सुनवाई: आधार पहचान का प्रमाण, नागरिकता का नहीं: सुप्रीम कोर्ट

शीर्ष अदालत ने चुनाव आयोग से कहा- इसे 12वां दस्तावेज माना जाए

नई दिल्ली, जेएनएन। सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को बिहार में चल रहे एसआईआर को लेकर दायर याचिकाओं पर अहम सुनवाई हुई। कोर्ट ने साफ कहा कि 'आधार कार्ड पहचान का दस्तावेज है, नागरिकता का नहीं।' साथ ही चुनाव आयोग को निर्देश दिया कि मतदाता पहचान के लिए आधार को 12वें दस्तावेज के रूप में मान्यता दी जाए। अभी तक एसआईआर प्रक्रिया में 11 दस्तावेज ही स्वीकार्य हैं।

जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने कहा कि आधार कार्ड को लेकर यदि कोई शंका है तो चुनाव आयोग जांच कर सकता है। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि 'कोई भी नहीं चाहता कि अवैध प्रवासी मतदाता सूची में शामिल हों। केवल वास्तविक भारतीय नागरिकों को ही वोट देने का अधिकार होगा।' फर्जी दस्तावेजों के आधार पर नाम दर्ज कराने वालों को मतदाता सूची से बाहर रखा जाएगा।

जस्टिस बागची ने नोटिस देखकर सवाल उठाया कि इसमें सिर्फ 11 दस्तावेजों का ही उल्लेख क्यों है, जबकि कोर्ट ने इसे एक 'उदाहरणात्मक सूची' कहा था। उन्होंने टिप्पणी की कि 'पासपोर्ट और जन्म प्रमाणपत्र को छोड़कर कोई भी दस्तावेज नागरिकता का निर्णायक सबूत नहीं है।' सुनवाई के दौरान कांग्रेस नेता और वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने तर्क दिया कि 10 जुलाई को कोर्ट ने आयोग को आधार को मान्य दस्तावेज मानने का आदेश दिया था, लेकिन अभी भी 65 लाख से अधिक मतदाताओं के लिए आधार स्वीकार नहीं किया जा रहा है।

याचिकाकर्ताओं की दलील

याचिकाकर्ताओं ने अदालत में कहा कि एसआईआर प्रक्रिया के नाम पर मतदाताओं के नाम मनमाने तरीके से हटाए जा रहे हैं। इस तरह लाखों नागरिक अपने मतदान अधिकार से वंचित हो सकते हैं। उनका तर्क था कि यह स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनावों की मूल भावना को प्रभावित करेगा। इसके जवाब में चुनाव आयोग ने कहा कि 'सूची से फर्जी नाम हटाना और केवल पात्र नागरिकों को शामिल करना उसकी जिम्मेदारी है।'

पति संग मीटिंग में पहुंचीं सीएम, विवाद

आप-कांग्रेस बोले-दिल्ली में 'फुलेरा पंचायत' की सरकार

नई दिल्ली, जेएनएन। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता रविवार को शालीमार बाग विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों की समीक्षा बैठक में अपने पति मनीष गुप्ता के साथ पहुंचीं। खुद सीएम रेखा गुप्ता ने इस मीटिंग की तस्वीरें सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा कीं, जिनमें उनके पति अधिकारियों के साथ बैठे नजर आए। मनीष गुप्ता एक कारोबारी और सामाजिक कार्यकर्ता हैं। इस घटना ने राजधानी की राजनीति में हलचल मचा दी है। आम आदमी पार्टी और कांग्रेस ने इसे लेकर भारतीय जनता पार्टी पर परिवारवाद और असंवैधानिक व्यवहार के आरोप लगाए हैं। आप ने एक्स पर सीएम की तस्वीर के साथ पंचायत वेब सीरीज का एक सीन पोस्ट किया और लिखा— दिल्ली में फुलेरा पंचायत की सरकार। आप नेता संजय सिंह ने कहा-प्रधानमंत्री मोदी ने दिल्ली में दो मुख्यमंत्री बनाए हैं। रेखा गुप्ता आधिकारिक मुख्यमंत्री हैं, जबकि उनके पति सुपर मुख्यमंत्री। भाजपा ने महज छह महीने में दिल्ली का कबाड़ा कर दिया है।

पूर्व विधायक ने तेजस्वी की पत्नी पर की अश्लील टिप्पणी

पटना, जेएनएन। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले सियासी बयानबाजी में नेता लगातार भाषाई मर्यादा लांघ रहे हैं और अब पूर्व विधायक और आरजेडी नेता राजवल्लभ यादव तेजस्वी यादव की पत्नी को लेकर विवादित बयान दिया। उन्होंने तेजस्वी यादव की पत्नी की तुलना जर्सी गाय से कर डाली। राजवल्लभ यादव आरजेडी की ही एक विधायक के पति भी हैं, जिसको लेकर विवाद बढ़ गया है। राजवल्लभ यादव ने नारदीगंज में एक जनसभा को संबोधित करते हुए विवादित बयान दिया था। उन्होंने तेजस्वी की शादी को लेकर सवाल उठाते हुए उनकी पत्नी की तुलना 'जर्सी गाय' से कर डाली थी। उनके इस बयान ने न सिर्फ नवादा बल्कि पूरे बिहार में राजनीतिक बवाल खड़ा कर दिया है। राजद के नेताओं ने इसे नारी समाज का अपमान बताते हुए कड़ी प्रतिक्रिया दी है।

वर्गीकृत

जागरण क्लासीफाइड
डबल धमाका
हमारा वादा, कम में ज्यादा
एक के साथ एक फ्री स्कीम
रंगीन क्लासीफाइड के साथ
भोपाल संस्करण ₹300/- | संपूर्ण म.प्र. संस्करण ₹500/-
विज्ञापन बुकिंग हेतु संपर्क करें
9826433122
9826065324
Email : advtbhopal@jagran.com

अण्डा
BHOPAL EGG RATE
530/-
Rate Suggested by RS Agro P.I.P.L. and Associated Poultry farmers.

बेचना है
दुकानें बेचना है, नवनिर्मित कॉम्पलेक्स वैरोनिका हाइट्स, गोंदरमऊ मेनरोड पर श्री कालेज से लगा, अब्बास नगर के पहले पार्किंग,पानी, टॉयलेट सुविधा प्रथम तल कीमत 3 से 18 लाख। 9359811415, 8319739969 (7-10)

सलाह
पाठकों को सलाह दी जाती है कि किसी भी विज्ञापन पर कार्रवाई करने से पूर्व आवश्यक/संपूर्ण जानकारी कर लें। यह समाचार पत्र विज्ञापनदाता द्वारा किये गये किसी भी प्रकार के दावे/प्रस्तुतिकरण के लिए जिम्मेदार नहीं है। -व्यवस्थापक

दिलवाले दुल्हनिया... की छुटकी का सोनाक्षी से है खास रिश्ता?

मुंबई, जेएनएन। दिल वाले दुलहनिया की छुटकी पूजा रूपारेल दिलवाले दुलहनिया से पहले भी एक फिल्म में शाहरुख खान के साथ काम कर चुकी थीं। मूवी में उनका छुटकी का रोल सबको काफी पसंद आया। कम लोग जानते हैं कि वह शत्रुघ्न सिन्हा की रिश्तेदार हैं। दिलवाले दुल्हनियां ले जाएंगे, हिंदी सिनेमा की ऐसा कल्ट फिल्म है जिसे कई लोग शाहरुख खान की बेस्ट मूवी मानते हैं। इस फिल्म के गाने, डायलॉग्स यहां तक कि सपोर्टिंग एक्टर्स ने भी लोगों को दिलों पर गहरी छाप छोड़ी। मूवी में काजोल की बहन बनीं पूजा रूपारेल ने छुटकी उर्फ मिस राजेश्वरी का रोल निभाया था। पूजा रूपारेल ने जब दिलवाले दुल्हनियां ले जाएंगे में छुटकी का रोल निभाया, उस वक्त उनकी उम्र महज 13 साल थी। फिल्म में वह काजोल की बहन बनीं हैं जिसे उनके होने वाले जीजाजी कुलजीत पसंद नहीं आते। फिल्म में पूजा रूपारेल का किरदार छोटा था लेकिन सबको पसंद आया। इंट्रेस्टिंग बात ये है कि पूजा ने पहली बॉलीवुड फिल्म की थी उसमें भी उनके साथ शाहरुख खान थे। यह मूवी थी किंग अंकल। दिलवाले दुल्हनियां ले जाएंगे कि बाद पूजा ने दिल से फिल्म में काम किया। इसमें भी शाहरुख खान थे। इसके बाद पूजा को इंडस्ट्री में कुछ खास काम नहीं मिला।

अध्ययन

डीएनए की रक्षा करने वाले टेलोमियर्स को बचाता है विटामिन

सनशाइन विटामिन रोक सकता है बुढ़ापा

विटामिन डी और टेलोमियर्स क्या है कनेक्शन?

विटामिन डी को सनशाइन विटामिन भी कहते हैं, हमारे शरीर के लिए बहुत जरूरी है। यह हड्डियों को मजबूत करता है। इम्यून सिस्टम को ताकत देता है। लेकिन नई स्टडी कहती है कि यह बुढ़ापे को भी धीमा कर सकता है। हमारे शरीर में 46 क्रोमोसोम्स होते हैं, जिनके सिरों पर टेलोमियर्स नाम की छोटी संरचनाएं होती हैं। ये टेलोमियर्स डीएनए को नुकसान से बचाते हैं, जैसे जूते के फीते की टोपी फीते को खराब होने से रोकती है। हर बार जब हमारी कोशिकाएं विभाजन करती हैं, टेलोमियर्स थोड़े छोटे हो जाते हैं। जब ये बहुत छोटे हो जाते हैं, तो कोशिकाएं मरने लगती हैं, जिससे कैंसर, दिल की बीमारी और गठिया जैसी उम्र से जुड़ी बीमारियां बढ़ सकती हैं। धूम्रपान, तनाव और सूजन टेलोमियर्स को और तेजी से छोटा करते हैं। लेकिन विटामिन डी इन टेलोमियर्स को बचाने में मदद करता है, जिससे कोशिकाएं लंबे समय तक स्वस्थ रहती हैं।

नई दिल्ली, जेएनएन। स्टडी में पता चला है कि विटामिन डी की गोलियां हमें लंबे समय तक स्वस्थ और जवान रख सकती हैं। यह हमारे डीएनए की रक्षा करने वाले टेलोमियर्स को बचाता है, जो बुढ़ापे से जुड़ी बीमारियों को रोकने में मदद करते हैं। विटामिन डी की यह स्टडी हमें बुढ़ापे को समझने की नई दिशा देती है। यह टेलोमियर्स को बचाकर हमें लंबे समय तक स्वस्थ रख सकता है। लेकिन अभी और रिसर्च की जरूरत है ताकि सही खुराक और इसके जोखिमों को समझा जा सके। तब तक, अच्छा खान-पान, व्यायाम और तनावमुक्त जीवन ही हमें जवान और स्वस्थ रखने का सबसे अच्छा तरीका है। ऑगस्टा यूनिवर्सिटी, अमेरिका की एक स्टडी में 1031 लोगों को शामिल किया गया, जिनकी औसत उम्र 65 साल थी। इन लोगों को पांच साल तक देखा गया। आधे लोगों को रोज 2000 आईयू विटामिन डी की गोली दी गई। बाकी आधों को प्लेसिबो। शोधकर्ताओं ने उनके टेलोमियर्स को शुरू में, दो साल बाद और चार साल बाद मापा। नतीजे चौंकाने वाले थे। जिन लोगों ने विटामिन डी लिया, उनके टेलोमियर्स 140 बेस पेयर्स ज्यादा बचे रहे, जबकि प्लेसिबो ग्रुप में ऐसा नहीं हुआ। सामान्य तौर पर, टेलोमियर्स 10 साल में 460 बेस पेयर्स छोटे होते हैं। इसका मतलब है कि विटामिन डी बुढ़ापे को धीमा करने में सचमुच मदद कर सकता है।

स्टडी में क्या पता चला?

कुछ वैज्ञानिकों का कहना है कि बहुत लंबे टेलोमियर्स भी बीमारी का खतरा बढ़ा सकते हैं, जैसे कुछ तरह के कैंसर। इसका मतलब है कि टेलोमियर्स की लंबाई का एक सही संतुलन होना चाहिए, जिसे हम अभी पूरी तरह नहीं समझते। इसके अलावा, विटामिन डी की सही खुराक पर भी सहमति नहीं है। इस स्टडी में 2000आईयू रोज दी गई, जो सामान्य सलाह (600आईयू 70 साल से कम उम्र वालों के लिए और 800आईयू बुजुर्गों के लिए) से ज्यादा है। खुराक हर व्यक्ति के लिए अलग हो सकती है, जैसे उनकी मौजूदा विटामिन डी की मात्रा, खान-पान और अन्य पोषक तत्वों पर निर्भर करता है। ज्यादा मात्रा में विटामिन डी लेना खतरनाक भी हो सकता है, जैसे किडनी में पथरी या कैल्शियम का जमाव। इसलिए, बिना डॉक्टर की सलाह के ज्यादा खुराक नहीं लेनी चाहिए।

दैनिक जागरण
भोपाल, 09 सितंबर 2025
विविध
www.dainikjagranmpcg.com

रानी दुर्गावती विवि में 70 पदों को समाप्त करने का विरोध

जागरण, जबलपुर। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के कर्मचारियों ने 70 पद समाप्त करने के विरोध में सोमवार से अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दी है। कर्मचारियों ने विवि के मुख्य गेट के सामने प्रदर्शन किया और फैसला वापस लिए जाने तक आंदोलन की चेतावनी दी। कर्मचारियों का आरोप है कि इस फैसले से इन पदों पर कार्यरत और सेवानिवृत्त हो चुके कर्मचारियों को पेंशन और अन्य सेवा लाभों से वंचित किया जा रहा है।

कूनो का चीता पहुंचा रामपुर कला के टेलरी गांव

जागरण, श्योपुर। कूनो के चीते लगातार रामपुर पहाड़ गढ़ सबलगढ़ इलाके में देखे जा रहे हैं। सोमवार सुबह एक चीता रामपुर कलां के टेलरी गांव में दिखा। इससे इलाके में दहशत फैल गई। कूनो से वन विभाग की टीम भी लाइव लोकेशन लेते हुए चीता के पीछे पीछे टेलरी गांव आ पहुंची तो ग्रामीणों ने तो राहत की सांस ली। हालांकि, चीता को अभी तक रेस्क्यू नहीं किया जा सका। अब वह कहीं और भाग गया।

"ट्वीट ऑफ द डे"

रविशंकर प्रसाद
भाजपा नेता

राहुल गांधी को उनकी छुट्टियों के लिए शुभकामनाएं, जब कोई नेता गंभीर नहीं होता है, तो यह बात तो स्वाभाविक ही है कि- 'अब बहुत काम कर लिया है, अब थोड़ा आराम कर लूं.' मैं उन्हें याद दिला दूं कि सार्वजनिक जीवन में कोई ब्रेक नहीं होता। यदि आप नेता हैं तो आपको लोगों के हितों के लिए उपलब्ध रहना होगा।

फर्जी पॉवर ऑफ अटार्नी बनाकर बेची पूर्व सांसद रिबेलो की करोड़ों की जमीन

जांच के बाद राहुल शर्मा और नीरज पटेल के खिलाफ ईओडब्ल्यू ने की एफआईआर

मुख्य संवाददाता, भोपाल। आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (ईओडब्ल्यू) भोपाल ने राजधानी में जमीन की जालसाजी का भंडाफोड़ किया है। ईओडब्ल्यू ने जांच में पाया कि आरोपियों ने फर्जी मुख्तारनामा (पॉवर ऑफ अटॉर्नी) बनाकर राज्यसभा की पूर्व सांसद माबेल रिबेलो की करोड़ों की जमीन धोखे से बेच दी। छानबीन में उजागर हुआ है कि फर्जी दस्तावेजों के आधार पर यह धोखाधड़ी की गई और जमीन की मालकिन को भनक तक नहीं लगी। ईओडब्ल्यू के एसपी अरुण मिश्रा के अनुसार शिकायत की जांच में पता चला कि हुजूर तहसील के ग्राम बरखेड़ी कलां में स्थित 0.134 हेक्टेयर (लगभग 0.33 एकड़) जमीन की असली मालकिन कांग्रेस की पूर्व सांसद माबेल रिबेलो हैं। आरोपी राहुल शर्मा ने पूर्व सांसद के नाम से एक फर्जी पॉवर ऑफ अटॉर्नी तैयार कर यह जमीन नीरज पटेल को बेची। पिछले दिनों जब माबेल रिबेलो भोपाल आईं तो उन्हें इसकी जानकारी मिली। इसके बाद उन्होंने लिखित शिकायत ईओडब्ल्यू में की थी।

कागजों में 72 लाख का सौदा, केवल 8 लाख का भुगतान

जांच में पता चला कि पॉवर ऑफ अटॉर्नी में दर्ज पंजीयन नंबर, पुस्तक व पृष्ठ संख्या सुरैया हसन और मोहम्मद ताहिर के बीच हुए एक अन्य मुख्तारनामे के लिए दर्ज थे। इसी फर्जी मुख्तारनामे के जरिए राहुल शर्मा ने यह जमीन नीरज पटेल को बेची।12 दिसंबर 2024 को हुए सौदे में कुल 71 लाख 72 हजार का भुगतान दिखाया चेक और नकद राशि के जरिए दस्तावेजों में दिखाया। ईओडब्ल्यू की जांच में खुलासा हुआ कि इनमें से पांच चेक बाउंस हो गए और केवल 8 लाख 22 हजार का वास्तविक भुगतान हुआ। ईओडब्ल्यू ने जब सौदों से जुड़ी बैंक डिटेल और स्टेटमेंट की पड़ताल की तो उजागर हुआ कि अधिकांश चेकों का भुगतान ही नहीं हुआ था।

जमीन खरीदार को भी बनाया आरोपी

ईओडब्ल्यू की जांच में पॉवर ऑफ अटॉर्नी के फर्जी पाए जाने के बाद आरोपी राहुल शर्मा और नीरज पटेल पर आपराधिक षड्यंत्र रचकर फर्जी मुख्तारनामा बनाने और जमीन का नामांतरण करवाने का खुलासा हुआ। ईओडब्ल्यू को जांच में पता चला है कि इस जमीन के सौदे में हुए फर्जीवाड़े में खरीदार नीरज पटेल भी लिप्त था। इस मामले में राहुल शर्मा और नीरज पटेल के खिलाफ बीएनएस की धारा 318, 336, 338, 340 एवं सहपठित धारा 61 के तहत एफआईआर दर्ज कर ली है। इस केस में फिलहाल किसी भी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हुई है।

झारखंड से सांसद थीं रिबेलो

भोपाल के रोशनपुरा में रहने वाली माबेल रिबेलो को कांग्रेस की पर्दे के पीछे की रणनीतिकार माना जाता था। 1950 में जन्मीं रिबेलो को कांग्रेस ने झारखंड से सांसद बनाकर राच्यसभा में भेजा था। इसके बाद वे राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग की सदस्य भी रहीं माबेल रिबेलो एक समय में कांग्रेस प्रमुख रहीं सोनिया गांधी की रणनीतिकार और सहायक भी रही हैं। 2006 से 2012 तक झारखंड से राच्यसभा सांसद रहते हुए उन्होंने सांसद निधि से प्रदेश में भी कई काम कराए। इसके बाद उन्हें अल्पसंख्यक आयोग में सदस्य बनाया गया, जहां उनका कार्यकाल 2016 में खत्म हुआ। फिलहाल माबेल रिबेलो सक्रिय राजनीति से परे होकर गोवा में बस गई हैं।

इन आईएएस और आईपीएस के हुए तबादले

क्र.	अधिकारी का नाम(बैच)	वर्तमान पदस्थापना	नवीन पदस्थापना
1.	डॉ. सुदाम पंढरीनाथ खाड़े (2006)	सचिव, जनसंपर्क विभाग तथा आयुक्त	आयुक्त, इंदौर संभाग, इंदौर
2.	दीपक सिंह (2007)	आयुक्त, इंदौर संभाग	सह-सचिव, मप्र राज्य निर्वाचन आयोग, भोपाल
3.	अभिषेक सिंह (2009)	सह-सचिव, मप्र राज्य निर्वाचन आयोग	सचिव, मध्यप्रदेश शासन, गृह विभाग
4.	आशीष सिंह (2010),	कलेक्टर, जिला इंदौर	सह-आयुक्त, उज्जैन संभाग
5.	दीपक कुमार सक्सेना (2010)	कलेक्टर, जिला जबलपुर	सह-आयुक्त, जनसंपर्क मध्यप्रदेश
6.	शिवम वर्मा (2013),	आयुक्त, नगर पालिक निगम, इंदौर	कलेक्टर, जिला इंदौर
7.	राघवेन्द्र सिंह (2013)	कलेक्टर, आगर मालवा	कलेक्टर, जबलपुर
8.	दिलीप कुमार यादव (2014)	कलेक्टर, जिला कटनी	आयुक्त, नगर पालिक निगम, इंदौर
9.	गुंचा सनोबर (2015)	कलेक्टर, बड़वानी	उप सचिव, मप्र शासन
10.	आशीष तिवारी (2016)	उप सचिव, मुख्य सचिव कार्यालय	कलेक्टर, जिला कटनी
11.	जयति सिंह (2016)	सीईओ, जिला पंचायत उज्जैन	कलेक्टर, जिला बड़वानी
12.	प्रीति यादव (2016)	आयुक्त, नगर पालिक निगम, जबलपुर	कलेक्टर, जिला आगर मालवा
13.	डॉ. परिक्षित संजयराव झाड़े (2017)	अपर आयुक्त, नगरीय प्रशासन एवं विकास	उप सचिव, मप्र शासन
14.	रामप्रकाश अहिरवार (2018)	मुख्य कार्यपालन अधिकारी, इंदौर	आयुक्त, नगर पालिका निगम, जबलपुर

क्र.	अधिकारी का नाम(बैच)	वर्तमान पदस्थापना	नवीन पदस्थापना
1.	श्री रियाज इकाबाल भापुसे (2011)	पुलिस उपायुक्त जोन3 नगरीय पुलिस भोपाल	वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रेडियो भोपाल
2.	विवेक सिंह भापुसे (2012)	पुलिस अधीक्षक रीवा	पुलिस उपायुक्त जोन-2 नगरीय पुलिस भोपाल
3.	शैलेंद्र सिंह चौहान भापुसे (2012)	सेनानी 13 वाहिनी बिस बल ग्वालियर	पुलिस अधीक्षक रीवा
4.	श्री कुमार प्रीतक भापुसे (2012)	सेनानी 12 वाहिनी बिसवाल भोपाल	पुलिस उपयाक्त जोन-2 नगरीय पुलिस इंदौर
5.	श्री शिवदयाल भापुसे (2012)	सेनानी 14वाहिनी बिसवल ग्वालियर	पुलिस अधीक्षक जिला झाबुआ
6.	श्री रघुवंश कुमार भापुसे (2012)	सेनानी 5वी वाहिनी बिसवाल मुरैना	पुलिस अधीक्षक. जिला अलीराजपुर
7.	श्री प्रमोद कुमार सिन्हा भापुसे (2012)	पुलिस अधीक्षक ग्रामीण भोपाल	सेनानी 13 वाहिनी बिसवल भोपाल
8.	श्री विजय कुमार भगवानी भापुसे (2012)	सहा. पुलिस महानिरीक्षक विशेष शाखा पुलिस मुख्यालय, भोपाल	पुलिस अधीक्षक उमरिया
9.	श्री निश्चिय झारिया भापुसे (2012)	पुलिस अधीक्षक बैतूल	सेनानी 5वाहिनी विसबल मुरैना
10.	श्री संतोष कोरी भापुसे (2012)	पुलिस अधीक्षक रेल इंदौर	पुलिस अधीक्षक सीधी
11.	श्री गुरकरण सिंह भापुसे (2014)	पुलिस अधीक्षक नर्मदापुरम	सेनानी 24 वी वाहिनी विसबल जावरा रतलाम
12.	श्री साईकृष्ण एस थोटा भापुसे (2012)	पुलिस अधीक्षक पन्ना	पुलिस अधी. नर्मदापुरम
13.	श्री अशुतोष भापुसे (2014)	पुलिस अधीक्षक सतना	पुलिस उपायुक्त जोन-1 नगरीय पुलिस भोपाल
14.	श्री धर्मराज मीना भापुसे (2015)	पुलिस अधीक्षक खरगौन	सेनानी 32वीहिनी विसबल उज्ञैन
15.	श्री हंसराज सिंह भापुसे (2016)	पुलिस उपायुक्त जोन-3 नगरीय पुलिस इंदौर	पुलिस अधीक्षक सतना
16.	श्रीमती निवेदिता नायडु भापुसे (2016)	पुलिस अधीक्षक उमरिया	पुलिस अधीक्षक पन्ना
17.	श्री सुनील तिवारी भापुसे (2016)	सहा. पुलिस महानिरीक्षक पुलिस मुख्यालय भोपाल	सेनानी 36 वाहिनी विसबल बालाघाट
18.	श्री वीरेंद्र जैन भापुसे (2016)	पुलिस अधीक्षक श्योपुर	पुलिस अधीक्षक बैतूल
19.	संजीव कुमार सिन्हा भापुसे (2016)	सहा. महानिरीक्षक पुलिस मुख्यालय भोपाल	सेनानी 14वाहिनी विसबल ग्वालियर
20.	श्रीराम शरण प्रजापति भापुसे (2016)	सहा. पुलिस महानिरीक्षक एसपीआरवी पु.मु. भोपाल	पुलिस अधीक्षक ग्रामीण भोपाल
21.	श्री पदम बिलोचन शुक्ल भापुसे (2016)	पुलिस अधीक्षक झाबुआ	पुलिस अधीक्षकरेल इंदौर
22.	श्री राजेश व्यास भापुसे (2016)	पुलिस अधी. अलीराजपुर	पुलिस उपायुक्त आ.सूचना एवं नगरीय सुरक्षा इंदौर
23.	श्री सुनील कुमार अग्रवाल भापुसे (2016)	पुलिस अधीक्षक मैहक	पुलिस अधीक्षक श्यौपुर
24.	श्री संजय कुमार अग्रवाल भापुसे (2016)	पुलिस उपायुक्त जोन-2 नगरीय पुलिस भोपाल	सहा. पु. महानिरीक्षक मप्र पुलिस अका. भौंरी
25	श्री अवधेश प्रताप सिंह भापुसे (2016)	सेनानी 36वी वाहिनी विसबल बालाघाट	पुलिस. अधीक्षक मैहर
26.	श्री रवींद्र वर्मा भापुसे (2017)	पुलिस अधीक्षक सीधी	पुलिस अधीक्षक खरगौन
27.	श्री अभिनव चौकसे भापुसे (2018)	पुलिस अधीक्षक हरदा	पुलिस उपायुक्त जोन-3 नगरीय पुलिस भोपाल
28	श्री शशांक भापुसे (2019)	पुलिस उपायुक्त जोन-1 नगरीय पुलिस भोपाल	पुलिस अधीक्षक हरदा
29.	श्री आयुष गुप्ता भापुसे (2021)	अति. पु. अधीक्षक जिला छिंदवाड़ा	अति. पु. अधीक्षक जिला बैतूल
30.	श्रीमती विदिता डागर भापुसे (2021)	अति. पुलिस अधीक्षक जिला छतपुर	अति. पु. अधीक्षक जिला ग्वालियर

संक्षिप्त खबरें

ओंकारेश्वर में दोस्तों को बचाया, लेकिन खुद डूबा

जागरण, ओंकारेश्वर। नर्मदा नदी के घाटों पर दो दिनों में डूबने की तीन घटनाएं हुईं। अलग-अलग घाटों पर डूबने की तीन घटनाएं हुईं। इनमें आठ श्रद्धालुओं की जान बचा ली लेकिन राजस्थान से आया एक युवक साथियों की जान बचाकर खुद तेज बहाव में बह गया। राजस्थान के पाली जिले के रहने वाले उमेश उर्फ चिराग सिंह मेवाड़ा परिजनों और दोस्तों के साथ नर्मदा स्नान के लिए ओंकारमठ घाट पहुंचा था। स्नान के दौरान अचानक दो युवक गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे। उन्हें बचाने उमेश ने नदी में छलांग लगा दी, उसने दोनों युवकों को धक्का देकर सुरक्षित किनारे तक पहुँचा दिया, लेकिन खुद नर्मदा की तेज धारा में बह गया। ओंकार घाट पर दो युवक डूबते-डूबते बच गए। स्थानीय नाविकों ने उन्हें समय रहते सुरक्षित बाहर निकाल लिया। वहीं चक्रतीर्थ घाट पर भी चार से अधिक श्रद्धालुओं को नाविकों ने अपनी जान जोखिम में डालकर बचाया। इस तरह दो दिनों में तीन बड़ी घटनाओं में आठ लोगों की जान तो बच गई, लेकिन उमेश सिंह को नहीं बचाया जा सका।

कलेक्टर कार्यालय में गधों से की प्रार्थना

जागरण, नरसिंहपुर। राष्ट्रवादी किसान आर्मी ने सोमवार को कलेक्टर कार्यालय परिसर में अपनी मांगों को लेकर एक अनोखा प्रदर्शन किया। इस दौरान कलेक्टर कार्यालय के सामने राष्ट्रवादी किसान आर्मी ने गधों को ले जाकर उनसे प्रार्थना की। राष्ट्रवादी किसान आर्मी ने कहा कि शासन और प्रशासन किसानों की नहीं सुन रहा है तो अब गधा ही उनकी सुन ले। किसानों का कहना है कि सरकार ने उचित मूल्य पर उनकी मूंग तो खरीद ली, लेकिन बहुत से किसानों का अभी भी मूंग का भुगतान नहीं हुआ है। बहुत से किसानों की मूंग की स्लाइड बुक तो है, लेकिन बिल नहीं बने और इसी समस्या के कारण परेशान होकर राष्ट्रवादी किसान आर्मी ने कलेक्टर कार्यालय के सामने यह अनोखा प्रदर्शन किया और मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को एक ज्ञापन भी सौंपा, जिसमें अपनी मांगों का जिक्र किया गया है।

देवताओं पर आपत्तिजनक पोस्ट, निकाला जुलूस

जागरण, पांढुर्णा। शहर में सोशल मीडिया पर हिंदू देवी-देवताओं के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने का मामला सामने आया है। इसको लेकर हिंदू संगठनों के विरोध दर्ज कराया तो पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार सौंसर कोर्ट में पेश किया, जहां सुनवाई के बाद तीनों आरोपियों को जेल भेज दिया गया है। दरअसल मामले की शिकायत पांढुर्णा के हिंदू संगठनों द्वारा थाने में की गई थी। शिकायत के आधार पर आरोपी देवेंद्र रागासे पिपला नारायण निवासी के खिलाफ विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज किया गया। सभी आरोपियों को न्यायालय तक पैदल ही ले जाया गया। लोधीखेड़ा थाना प्रभारी अलीभानशा मर्सकोले ने बताया कि न्यायालय में पेशी के दौरान वाहन में तकनीकी खराबी के चलते आरोपियों को पैदल ले जाना पड़ा। इसके साथ ही उन्होंने अपील की कि सोशल मीडिया पर किसी भी प्रकार की आपत्तिजनक टिप्पणी न करें और धार्मिक भावनाओं को आहत करने से बचें।

रीवा में पांच कुत्तों ने नौ घंटे तक बछिया को नोचकर खाया, केवल हड्डियां बचीं

सीसीटीवी में कैद हुई घटना, लोगों ने नगर निगम से की कार्रवाई की मांग

जागरण, रीवा। पांच कुत्तों ने एक बछिया को नौ घंटे तक नोचकर अपना शिकार बनाया। देर रात कुत्ते जिंदा बछिया को नोच-नोचकर खा गए। बछिया की सिर्फ हड्डियां बचीं। घटना सीसीटीवी फुटेज में रिकॉर्ड भी हुई है। इसके वीडियो सोमवार को सामने आए। वीडियो में दिख रहा है कि देर रात सभी दुकानें बंद हो चुकी थी। 5-6 कुत्तों ने करीब 12 बजे बछिया पर हमला किया और सुबह उसे खाते रहे। सुबह 11 बजे जब दुकानें खुलीं तो वहां बछिया की हड्डियां मिलीं। स्थानीय लोगों के मुताबिक रीवा में आवारा कुत्तों का आतंक लगातार बढ़ रहा है। पिछले कुछ महीनों में डॉग बाइट के मामले लगातार सामने आए हैं। इससे शहर में भय का माहौल है। लोगों ने नगर निगम से इस मामले में सख्त कदम उठाने की मांग रखी है। उन्होंने डॉग लवर्स से अपील की है कि वह इस घटना को देखकर स्थिति की गंभीरता को समझें।

कुत्ते के काटने से शख्स की मौत एनजीओ की मदद से अंतिम संस्कार

इंदौर। कुत्ते के काटने से पति की मौत का सदमा झेल रही पत्नी की पीड़ा उस वक्त और बढ़ गई जब उसके पास अंतिम संस्कार तक के पैसे तक नहीं बचे। दरअसल कुत्ते के काटने से गोविंद पैवाल नाम के शख्स की मौत हो गई। गोविंद की माली हालत ठीक नहीं है। परिवार का आसरा एक ब्रिज के नीचे है। ऐसे में परिजनों के पास अंतिम संस्कार तक के लिए पैसे नहीं थे। इसकी जानकारी लगते ही एक एनजीओ ने मुफ्त शव वाहन और अन्य मदद देकर गोविंद का अंतिम संस्कार करवाया। गोविंद की पत्नी संगीता ने बताया कि उनके पति को रैबीज था। डॉक्टरों ने पहले ही बता दिया था कि उनके बचने की संभावना नहीं है। इसके बावजूद संगीता ने एमवाय अस्पताल के आइसोलेटेड यूनिट में अपने पति की पूरी सेवा की।

पार्षद अनवर कादरी की रिमांड 12 तक बढ़ी

जागरण, इंदौर। पार्षद अनवर कादरी को सोमवार को इंदौर की बाणगंगा पुलिस ने रिमांड खत्म होने के बाद दूसरी बार कोर्ट में पेश किया। कोर्ट ने पुलिस की मांग पर कादरी का रिमांड 12 सितंबर तक बढ़ा दिया है। पुलिस का कहना है कि अनवर से अब तक कई अहम दस्तावेज और अकाउंट की डिटेल्स नहीं मिली है, जिन्हें लेकर आगे पूछताछ की जाएगी। पुलिस रविवार को अनवर कादरी को नागपुर से इंदौर लेकर लौटी थी, लेकिन वहां से कोई खास जानकारी हाथ नहीं लगी। वहीं पुलिस ने अनवर की बेटी आयशा को रिमांड खत्म होने के बाद जेल भेज दिया है। पूछताछ के दौरान पुलिस ने अनवर और आयशा का आमना-सामना भी कराया, लेकिन कोई ठोस जानकारी सामने नहीं आई। इससे पहले कोर्ट ने अनवर को 5 दिन के रिमांड पर पुलिस को सौंपा था। सदर बाजार पुलिस ने भी अवैध हथियारों के लाइसेंस को लेकर अनवर कादरी से पूछताछ करने की तैयारी कर रही है।

राज्य सेवा के 16 अफसरों को आईएएस अवार्ड

प्रमोशन में पति-पत्नी भी शामिल, बीते साल जांच की वजह से अटके अफसरों को भी एंट्री

विशेष संवाददाता, भोपाल। मध्यप्रदेश राज्य प्रशासनिक सेवा के 16 भारतीय प्रशासनिक सेवा में पदोन्नत किए गए हैं। इसके लिए केंद्रीय कार्मिक विभाग ने सोमवार को नोटिफिकेशन जारी कर किया है। पदोन्नति पाने वाले अधिकारियों में राकेश कुमार कुशरे और नंदा भलावे कुशरे पति-पत्नी हैं। वहीं सूची में बीते वर्ष जांच की वजह से पदोन्नति नहीं पाने वाले दो अधिकारियों को भी आईएएस कैडर में एंट्री दी गई है। गौरतलब है कि इन पदों के लिए पिछले दिनों पदोन्नति प्रक्रिया शुरू की गई थी। पिछले महीने 2023 और 2024 की अलग-अलग विभागीय पदोन्नति समिति (डीपीसी) बैठकों में इन अधिकारियों के नामों पर अंतिम मुहर लगाई गई। जानकारी के अनुसार, 2023 की डीपीसी में 8 अधिकारियों को आईएएस कैडर में पदोन्नति मिली। इतने ही वर्ष 2024 की डीपीसी में भी अधिकारियों को यह पदोन्नत किया गया है।

ये अधिकारी बनें आईएएस

वर्ष 2023 बैच के लिए जिन 8 अधिकारियों को पदोन्नति दी गई है, उनमें नारायण प्रसाद नामदेव, डॉ. कैलाश बुंदेला, नंदा भलावे कुशरे, अनिल कुमार डामोर, सविता झानिया, सारिका भूरिया, कमल सोलंकी और जितेन्द्र सिंह चौहान शामिल हैं।

ये होंगे वर्ष 2024 बैच के आईएएस

डीपीसी में जिन राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों को आईएएस बनाया गया है। उनमें संतोष कुमार टैगोर, निशा डामर, राकेश कुशरे, शैली कनाश, रोहन सक्सेना, कविता बाटला, सपना अनुराग जैन और आशीष कुमार पाठक है।

क्लीन चिट मिलने के बाद हुए पदोन्नत

विभागीय जांच के चलते नारायण प्रसाद नामदेव और डॉ. कैलाश बुंदेला पिछली डीपीसी में पदोन्नत से वंचित रह थे। लेकिन जांच में क्लीनचिट मिलने के उपरांत उन्हें पदोन्नत कर दिया गया है।

ये अधिकारी रहे वंचित

जानकारी के अनुसार राज्य प्रशासनिक सेवा के आईएएस बनाने पिछले दिनों बनाई गई सूची में कई 8 ऐसे अधिकारियों के नाम भी शामिल थे, जिन्हें विभागीय जांच और निर्धारित आयु सीमा 56 साल से अधिक होने पर पदोन्नत से वंचित किया गया है। इनमें राज्य प्रशासनिक सेवा के सबसे वरिष्ठ अधिकारियों में विवेक सिंह और पंकज शर्मा का नाम शामिल हैं। इन्हें अधिक आयु होने की वजह से पदोन्नत होने से वंचित रहना पड़ा। इनके अलावा कमल चंद नागर, द्वारका प्रसाद वर्मन, कमलेश पुरी, सरोधन सिंह को भी विभागीय जांच और आयु सीमा अधिक होने की वजह से पदोन्नत होने का मौका नहीं मिल सका है।

भिंड: खाद के लिए लाइन में लगे किसानों पर लाठीचार्ज

जागरण, भिंड। प्रदेश के विभिन्न जिलों में खाद को लेकर गहराते संकट के कारण विवाद की स्थिति बन रही है। सोमवार को भिंड जिले के लहार क्षेत्र में खाद के लिए लाइन में लगे किसानों पर पुलिस ने लाठियां भांजीं, जिसमें आधा दर्जन किसान घायल हो गए। मामला गरमाने के बाद एसपी असित यादव ने प्रधान आरक्षक को रामराजा गुर्जर को सस्पेंड कर दिया है। घटना से इलाके में तनावपूर्ण माहौल है।

मालूम हो कि इससे पहले रीवा में खाद के लिए लाइन में लगे किसानों पर लाठीचार्ज हुआ था, जिसके बाद मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नाराजगी जाहिर की थी। उन्होंने बैठक में स्पष्ट कहा था कि खाद के सुचारू वितरण की जिम्मेदारी कलेक्टर की है और जिन कलेक्टरों से जिला नहीं संभल रहा है, उन्हें तत्काल हटाया जाए।

सरकारी दावों से अलग जमीनी हकीकत

सोमवार सुबह से ही लहार क्षेत्र में किसान खाद वितरण केंद्र पर लंबी-लंबी लाइनें लगी रहीं। इसी दौरान अचानक धक्का-मुक्की और अव्यवस्था की स्थिति बनने पर पुलिस ने भीड़ को नियंत्रित करने के बजाय किसानों पर लाठियां चला दीं। घायल किसानों ने आरोप लगाया कि उन्हें खाद तो मिल नहीं रहा है, ऊपर से पुलिस की लाठियां झेलनी पड़ रही हैं। घटना के बाद किसान आक्रोशित हैं, उनका कहना है कि सरकार के दावों के बावजूद खाद की किल्लत बनी हुई है और पुलिस का इस तरह का व्यवहार किसानों के जख्मों पर नमक छिड़कने जैसा है। किसानों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही खाद की समस्या का समाधान नहीं हुआ तो वे आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

अभियान यातायात नियम तोड़ने वालों के खिलाफ 15 दिन का विशेष अभियान शुरू

भोपाल में पहले दिन 77 हजार जुर्माना वसूला

मुख्य संवाददाता, भोपाल। मध्य प्रदेश पुलिस का 15 दिनों का विशेष यातायात चेकिंग अभियान सोमवार से शुरू हो गया है। प्रदेश की पुलिस 22 सितंबर तक पूरे राच्य में यातायात नियम तोड़ने वालों के खिलाफ यह विशेष अभियान चलाएगी। इस दौरान हिट एंड रन, बगैर हेलमेट बाइक चलाने, सीट बेल्ट के बिना चार पहिया वाहन चलाने जैसे आठ तरह के उल्लंघन पर कार्रवाई की जाएगी। एडीजी पुलिस प्रशिक्षण और अनुसंधान संस्थान (पीटीआरआई) शाहिद अबसार ने इस अभियान के लिए सभी जिलों के एसपी और भोपाल व इंदौर के पुलिस आयुक्तों को अभियान के बाद कार्रवाई रिपोर्ट तैयार करने के लिए एक पत्र लिखा है। इसमें कहा गया है कि सड़क सुरक्षा समिति के पिछले दिनों किए गए राच्य के दौरे में सड़क दुर्घटनाओं के कई कारण पाए गए थे और बढ़ती दुर्घटनाओं में हो रही मौतों पर चिंता जताई थी।

बगैर हेलमेट के बाइक चला रहे 127 चालकों पर कार्रवाई

सुप्रीम कोर्ट कॅमेटी ऑन रोड सेफ्टी के दिशा निर्देश एवं पीटीआरआई के द्वारा चलाए गए अभियान के तहत सड़क दुर्घटना व उसमें होने वाली मृत्युदर को कम करने के मकसद से सोमवार को अभियान शुरू हुआ। इस दौरान शहर के प्रमुख चौराहों पर चैंकिंग के दौरान तेज गति से वाहन चलाने वाले चालकों के खिलाफ 8, बिना हेलमेट पहनकर वाहन चलाने वालों के विरुद्ध 127, बिना सीट बेल्ट के 22, वाहन चलाते समय मोबाईल फोन का उपयोग करने वालों पर 7, शराब पीकर वाहन चलाने पर 2, रॉंग साईड वाहन चलाने पर 7, ओवर लोडिंग वाहनों पर 3, बिना लायसेंस वाहन चलाने वाले 2, बिना फिटनेस पर 2 वाहनों पर चालानी कार्रवाई में 76 हजार 900 रुपए समन शुल्क वसूला गया। इसके अलावा आगर मालवा में नियम तोड़ने वालों के 47 चालान बनाकर 18 हजार 700 रूपए का जुर्माना वसूला गया।

नाबालिगों के वाहन चलाने पर रहेगा विशेष फोकस

अभियान के दौरान तेज रफ्तार गाड़ी चलाने, बिना हेलमेट और सीट बेल्ट वाहन चलाने, नाबालिगों द्वारा वाहन चलाने, ड्राइविंग करते समय मोबाइल का उपयोग करने, शराब पीकर गाड़ी चलाने, गलत साइड से गाड़ी चलाने, ओवरलोडिंग, बिना लाइसेंस, बिना फिटनेस चलने वालों पर कार्रवाई होगी।

स्कूलों-कॉलेजों में भी चलेगा यातायात जागरुकता अभियान

पीटीआरआई के प्रमुख द्वारा जारी पत्र में दावा किया गया है कि दुर्घटना के आंकड़ों का आकलन करने पर पता चला है कि पुलिस राच्य में दुर्घटनाओं को नियंत्रित करने के लिए ठीक से काम नहीं कर रही है। उन्होंने पुलिस के काम में सुधार लाने की जरूरत पर जोर देते हुए कहा है कि केवल यातायात नियमों को लागू करने और अपनाने से ही राच्य में होने वाली मौतों को कम किया जा सकता है। इस अभियान के दौरान न केवल सड़कों एवं प्रमुख चौराहों पर चेकिंग होगी, बल्कि पुलिस के आला अफसर स्कूलों, कॉलेजों और अन्य सार्वजनिक स्थानों में जाकर विद्यार्थियों को यातायात नियमों के बारे में शिक्षित करेंगे। इस दौरान सभी को प्रदेश में संचालित राही योजना, हिट एंड रन योजना, कैशलेस उपचार योजना जैसी योजनाओं की जानकारी भी दी जाएगी।

मुद्रक एवं प्रकाशक **राजीव मोहन गुप्त** द्वारा जागरण पब्लिकेशन्स प्रा. लि. हेतु 'दैनिक जागरण प्रेस' 33, जागरण भवन, प्रेस काम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी. नगर, भोपाल, मध्यप्रदेश -462011 (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। आर.एन.आई. नं. 1573/57, पंजीयन संख्या 7 म.प्र., **संस्थापक : स्व. गुरुदेव गुप्त,** संपादक : **राजीव मोहन गुप्त,** स्थानीय संपादक : **हरिमोहन गुप्त** फोन : **कार्या. :** 0755-6723200 **E-mail :** modemdj@gmail.com।